राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 05, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली रविवार 23 जूलाई 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

दिल्ली हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा जब्त

.... पेज 03

मुजफ्फरनगर में 242 करोड़ की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास और लोकार्पण

.... पेज 05

स्पेन को आठ साल बाद कोस्ट रिका पर मिली जीत, स्विट्जरलैंड ने फिलीपीन को दी शिकस्त

.... पेज 07

विरोध प्रदर्शन

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) की महिला शाखा ने चूड़ाचांदपुर में राज्य में चल रही जातीय हिंसा के दौरान मारे गए लोगों के सम्मान में बनाई गई 'वॉल ऑफ रिमेंबरेंस' के पास विरोध प्रदर्शन किया।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

महिलाओं ने जाम की सड़कें; पुलिस ने भी छोड़े आंसू गैस के गोले

एजेंसी

इम्फाल। मणिपुर के इम्फाल में महिला प्रदर्शनकारियों द्वारा घारी इलाके में एक मुख्य सड़क को अवरुद्ध करने के बाद फिर हिंसा भड़क उठी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान महिला प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाए, जिसके बाद पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। प्रदर्शनकारियों को शांत करने के लिए मणिपुर सशस्त्र पुलिस, सेना और त्वरित कार्रवाई बटालियन मौके पर पहुंची।

उन्होंने सबसे पहले वहां आग बुझाई और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रदर्शनकारियों पर काबू पाने के लिए कई इलाकों में फ्लैग मार्च किया गया।

मणिपुर में 3 मई से इम्फाल घाटी में केंद्रित बहुसंख्यक मैतेई और पहाड़ियों पर कब्जा करने वाले कुकी लोगों के बीच जातीय झड़पें हो रही हैं। हिंसा में अब तक 160 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यहां तीन मई को हिंसा भड़क उठी थी, जब मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जे की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटा मार्च का आयोजन किया गया था।

मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है। वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं, नागा और कुकी की संख्या 40 प्रतिशत है, जो ज्यादातर पहाड़ी जिलों में रहते हैं। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आगजनी, लूट, हिंसा और भीड़ जमा होने की कई घटनाएं सामने आई हैं।

मणिपुर वायरल वीडियो केस में एक नाबालिग गिरफ्तार : अब तक 6 आरोपी पकड़े गए

मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने के मामले में एक नाबालिग की गिरफ्तारी हुई है। मणिपुर पुलिस ने शनिवार शाम को ट्वीट कर जानकारी दी कि मामले में अब तक 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिसमें 5 मुख्य आरोपियों के साथ एक नाबालिग भी शामिल है। इससे पहले गिरफ्तार किए गए 4 आरोपियों की शुक्रवार को कोर्ट में पेशी हुई। उन्हें 11 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। उधर, चुराचांदपुर जिले में 5 हजार कुकी महिलाओं ने काले कपड़े पहनकर इस घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। इंफाल में भी महिलाएं सड़कों पर उतरीं और टायर जलाए। सुरक्षाबलों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। निर्वस्त्र की गई एक महिला के पति कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं। उन्होंने कहा, मैंने कारगिल युद्ध में देश को दुश्मनों से बचाया, लेकिन दंगाइयों से अपनी पत्नी की इज्जत नहीं बचा सका। पीड़ित के पति असम राइफल्स में सूबेदार थे।

2 महीने में दर्ज हुईं 6 हजार एफआईआर

मणिपुर में 3 मई से 28 जून तक 5,960 एफआईआर दर्ज हुईं। इनमें से 1,771 केस जीरो एफआईआर के रूप में दर्ज हुए। इनमें से एक तिहाई मामले महिला उत्पीड़न से जुड़े हुए थे। NCRB के आंकड़ों के अनुसार, मणिपुर में 2019 में 2,830, 2020 में 2,349 और 2021 में 2,484 एफआईआर ही दर्ज हुई थीं। वहीं, इस साल मई-जून में ही करीब 6 हजार मामले दर्ज हो गए।

मणिपुर में धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही थी। 4 मई का एक वीडियो बुधवार को सामने आया। इसके बाद वहां हिंसा फिर से भड़क उठी है। इस वीडियो ने देश भर में आक्रोश पैदा कर दिया है। कांग्रेस ने मांग की है कि हिंसा प्रभावित राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। इस घटना से संबंध पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

न्यूड वीडियो के बाद मणिपुर का एक और दर्दनाक घटना

2 और लड़कियों से गैंगरेप : दोनों की हत्या की

मणिपुर के बी फैनॉम गांव में दो महिलाओं के नंगा करके घुमाने और उनके साथ गैंगरेप के आरोप के बाद एक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। इसके मुताबिक दो अन्य महिलाओं की भी रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। एफआईआर के मुताबिक यह घटना राजधानी इंफाल की बताई गई है। यह दोनों घटनाएं एक घंटे के अंतराल पर हुई थीं और दोनों ही पीड़ित कुकी समुदाय से हैं और आरोपी मैतेई

समुदाय से हैं। एक तरफ जहां, पहली घटना का वीडियो वायरल होने के कुछ ही देर के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी हो गई। वहीं, दूसरी घटना में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक रेप और हत्या की शिकार दोनों महिलाएं बहनें थीं। पीड़ित के पिता द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के मुताबिक यह दोनों शहर के एक कारवॉश में बतौर केयरटेकर काम करती थीं। दोनों की उम्र क्रमश- 21 और 24 साल थी और दोनों किराए के घर में रहती थीं। इसी घर में भीड़ ने उनके साथ दरिंदगी की और फिर उन्हें मार डाला। बातचीत में महिलाओं के पिता ने बताया कि उनकी बड़ी बेटी का दोस्त मैतेई है, जबकि हम लोग कुकी हैं। बेटी के दोस्त ने बताया कि पुरुषों और महिलाओं की भीड़ उनके घर में घुसी और हत्या कर डाली। उन्होंने कहा कि मैं पुलिस अफसर के साथ मर्चरी में गया। वहां पर एक डॉक्टर ने बताया कि मेरी बेटियों की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी।

यासीन मलिक को कोर्ट ले जाने पर 4 अफसर सस्पेंड

बिना बुलाए तिहाड़ से सुप्रीम कोर्ट ले जाया गया था

नई दिल्ली। दिल्ली के तिहाड़ जेल प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट में यासीन मलिक की व्यक्तिगत पेशी मामले में लापरवाही को लेकर शनिवार (22 जुलाई) को 4 अफसरों को सस्पेंड कर दिया है। इनमें एक डिप्टी सुपरिन्टेंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिन्टेंडेंट और एक अन्य अधिकारी शामिल है।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 21 जुलाई को होम सेक्रेटरी अजय भल्ला को चिट्ठी लिखकर सवाल उठाया था कि सुप्रीम कोर्ट के बुलाए बिना यासीन को कोर्ट क्यों ले जाया

गया मेहता ने इसे सुप्रीम कोर्ट की सुरक्षा में गंभीर चूक बताया था।

उन्होंने चिट्ठी में लिखा- यासीन जैसा आतंकी और अलगाववादी नेता, जो न केवल टेरर फंडिंग मामले में दोषी है, बल्कि पाकिस्तान में आतंकी संगठनों के साथ संबंध रखता है, वो भाग सकता था, जबरन ले जाया जा सकता था या मारा जा सकता था।

दरअसल, 21 जुलाई को कश्मीरी आतंकी यासीन बिना बुलाए सुप्रीम कोर्ट में पेश हुआ था। कोर्ट में उसे देखकर जज नाराज हो गए थे। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा था कि हमने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था, जिसमें कहा गया हो कि उसे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना है।

बंगाल में चोरी को लेकर 2 महिलाओं को निर्वस्त्र किया

पीड़ित आदिवासियों को रास्ते में रोककर कपड़े फाड़े, बाल खींचकर चप्पलों से पीटा

कोलकाता। मणिपुर में 19 जुलाई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर गांव में घुमाने का वीडियो वायरल हुआ था। अब ऐसी ही एक घटना पश्चिम बंगाल के मालदा में सामने आई है। यहां भीड़ ने दो महिलाओं की पिटाई की, फिर उन्हें अर्धनग्न कर दिया गया।

भाजपा के आईटी सेल हेड अमित मालवीय ने यह वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। ये घटना भी 19 जुलाई की है। इसका वीडियो 22 जुलाई (शनिवार) को सामने आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिलाओं का एक समूह दो महिलाओं को घेरे हुए है। उनके बाल खींचकर चप्पलों से पिटाई की जा रही है। इसके बाद उनके बुरी तरह से कपड़े फाड़ दिए गए। फिलहाल पुलिस की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

दोनों पीड़ित महिलाएं आदिवासी, पुलिस के सामने हुई पिटाई

अमित मालवीय के मुताबिक, यह घटना मालदा के बामनगोला पुलिस स्टेशन के पाकुआ हाट इलाके में हुई। दोनों पीड़ित महिलाएं आदिवासी हैं। मालवीय ने आरोप लगाया कि, जब उनकी पिटाई हो रही थी और कपड़े उतारे जा रहे थे तो पुलिस वहां मूकदर्शक बनी खड़ी हुई थी।

बारिश के बाद उत्तराखंड में आपदा जैसे हालात, भारी तबाही

बिजली की लाइनें टूटने से कई गांव में अंधेरा छा गया

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश मुसीबत बनती जा रही है। भारी बारिश ने गंगा और यमुना घाटी में जमकर तबाही मचाई है। चिंता की बता है मूसलाधार बारिश की वजह से नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गईं हैं। भारी बारिश की वजह से उत्तरकाशी जिले में मकानें और दुकानों को नुकसान हुआ है।

बरसात की वजह से बिजली लाइनें टूटने से कई गांव में अंधेरा छा गया है। पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही बरसात की वजह से भूस्खलन की वजह से कई नेशनल हाईवे और सड़कें भी बंद हो गईं हैं। उत्तरकाशी जिले में

हुई भारी बारिश ने गंगा और यमुना घाटी में भारी तबाही मचा दी। बारिश से 50 से अधिक मकान, 15 दुकानों के साथ ही स्कूल हॉस्टल और अस्पताल भी क्षतिग्रस्त हो गए।

हालांकि बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं के बावजूद कोई जनहानि नहीं हुई है। शुक्रवार देर रात उत्तरकाशी जिले के पुरोला, बड़कोट और डुंडा तहसील में भारी बारिश हुई। इससे पुरोला की कमल नदी, छाड़ा खड्ड और रेतड़ी खड्ड के साथ ही डुंडा ब्लॉक में धनमता नदी, निगरी गाड व अन्य कई गाड़ गदेरे उफान पर आ गए। इस वजह से तीनों तहसीलों के कई गांवों में भारी तबाही हुई।

बारिश की वजह से पूरे जिले में 50 आवासीय भवनों में मलबा घुस गया और कई भवन आशंकि रूप से क्षतिग्रस्त हो गए।

विनेश-बजरंग को ट्रायल में छूट के खिलाफ याचिका खारिज

याचिका लगाने वाली अंतिम पंघाल बोलीं वे अब सुप्रीम कोर्ट जाएंगी

पानीपत। एशियन गेम्स के ट्रायल में पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को छूट देने के खिलाफ दायर याचिका को दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया। यह याचिका पहलवान अंतिम पंघाल और सुजीत कलकल ने दायर की थी। फैसले के बाद अंतिम पंघाल ने कहा कि वे अब इस मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर जाएंगी।

न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई करते हुए कहा था कि अदालत कल अपना

फैसला सुनाएगी, क्योंकि मुकदमा रविवार को समाप्त होगा। पीठ ने स्पष्ट किया था कि वह केवल यह देखेगी कि प्रक्रिया का पालन किया गया है या नहीं। यह इस मुद्दे से नहीं निपटेगी कि बेहतर पहलवान कौन है। वहीं गुरुवार को भी दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई थी, जिसमें कोर्ट ने मुद्दे पर WFI से जवाब मांगा था।

पहलवान साक्षी मलिक ने सरकार पर साधा निशाना

वहीं, पहलवान साक्षी मलिक ने ट्वीट करके कहा, सरकार ने एशियन गेम्स में सीधे नाम भेजकर पहलवानों की एकता को तोड़ने का काम किया है। मैं न कभी बिना ट्रायल खेलने गई हूं और न ही इसका समर्थन करती हूं। सरकार की इस मंशा से विचलित हूं। हमने ट्रायल्स की डेट आगे बढ़वाने की बात कही थी, लेकिन सरकार ने हमारी झोली में यह बदनामी डाल दी है।

साक्षी मालिक ने आगे कहा- मुझे 3-4 दिन पहले सरकार की तरफ से फोन आया था कि हम बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट को एशियन गेम्स के लिए भेज रहे हैं, आप भी मेल कर दो, आपको भी भेज देंगे। मैंने साफ मना कर दिया।

अगले 25 वर्षों तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया लोगों ने : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि लोगों ने अगले 25 वर्षों तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले के तहत लगभग 70 हजार नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद कहा, रोजगार मेला युवाओं को सशक्त बनाने और देश की प्रगति में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करने का एक अच्छा प्रयास है। मोदी ने कहा, वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के हमारे प्रयासों में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। देशभर में 44 स्थानों पर रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का समर्थन करने वाले केंद्र सरकार के विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों में भर्तियां हो रही हैं। उन्होंने कहा, जब देश विकास के पथ पर काम कर रहा है और आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान सरकारी कर्मचारी के रूप में काम करने का अवसर मिलना एक बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा हालांकि बैंकिंग क्षेत्र में नियुक्ति पत्र अधिक बांटे जाते हैं, लिहाजा युवा कर्मचारियों की भूमिका और जिम्मेदारी भी बढ़ गई है।

महाराष्ट्र में एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या की

सतारा। महाराष्ट्र में सतारा जिले के सनबुर गांव में शुक्रवार को एक ही परिवार के चार सदस्यों ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मृतकों में एक वृद्ध दम्पति, उनका बेटा एवं विवाहित पुत्री शामिल है।

मृतकों की पहचान आनंद पांडुरंग जाधव (75), उनकी पत्नी सुनंदा (65), बेटा संतोष (45), सभी निवासी सनबूर, और उनकी विवाहित बेटी पुष्पलता प्रकाश धस - मंदरुरकोले की निवासी के रूप में की गई, जो नींद में मृत पाए गए।

आनंद, जो बीमार थे और चिकित्सा उपचार ले रहे थे, को देर रात छुट्टी देने से पहले गुरुवार को कृष्णा अस्पताल ले जाया गया था।

इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का पता तब चला जब पुष्पलता के बेटे ने अपने नाना के स्वास्थ्य के बारे में पूछने के लिए फोन किया लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। वह अन्य रिश्तेदारों के साथ उनके आवास पर पहुंचा, लेकिन घर के अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो फिर उन्होंने दरवाज़ा तोड़ा और सभी को मृत पाया।

छत्तीसगढ़ के तिरिया मुठभेड़ मामले में दो और नक्सली गिरफ्तार

राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने का आरोप

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में साल 2019 में हुई मुठभेड़ से संबंधित मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि 2019 में छत्तीसगढ़ के तिरिया गांव के पास सुरक्षा बलों पर हुए हमले के संबंध में सीपीआई (माओवादी) की एक महिला सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

तिरिया मुठभेड़ मामले में दो और गिरफ्तार

एनआईए के एक अधिकारी ने बताया कि इस हमले में छह नक्सली और एक नागरिक की मौत हो गई थी। केंद्रीय जांच एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि व्यापक जांच और तलाशी अभियान के बाद कंडुला सिरिशा उर्फ पद्मक्का और डुडु प्रभाकर उर्फ अजय को पकड़ा गया है। अबतक मामले में कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपी प्रतिबंधित संगठन की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सीपीआई (माओवादी) के शीर्ष नेताओं के साथ

मिलकर काम कर रहे थे। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले एनआईए ने दो आरोपियों के परिसरों पर तलाशी के दौरान सीपीआई (माओवादी) कार्यकर्ताओं की गतिविधियों से संबंधित कई आपत्तिजनक सामग्री जब्त की थी।

बारिश का कहर

तीन लापता, कोटखाई में मकान ढहा, ठियोग में 25 तक स्कूल बंद

हिमाचल के कुल्लू और रोहडू में बादल फटे : 2 लोगो की मौत

शिमला। हिमाचल में भारी बारिश ने खूब कहर बरपाया है। शिमला जिले के रोहडू व कोटखाई में दो व्यक्तियों की मौत और तीन लापता है। रोहडू के लैला नाला में बादल फटने के बाद जगोटी गांव में एक ढाबा व मकान फ्लैश फ्लड में बह गया। इससें एक ही परिवार के तीन लोग 15 घंटे से भी अधिक समय से लापता है। जगोटी के रोशन लाल उनकी पत्नी भागा देबी ढाबा चलाते थे। बीती रात पोता कार्तिक भी उनके साथ में था।

लैला खड्ड में आई बाढ़ ने गांव में खूब तबाही मचाई है। अन्य ग्रामीणों के घर, बगीचों व आधा दर्जन से ज्यादा गाड़ियों को भी नुकसान हुआ है। वहीं

कोटखाई की बाग डुमैहर पंचायत में एक कच्चे मकान पर लैंडस्लाइड से नेपाली मूल के दो व्यक्तियों की मौत हो गई। उधर, कुल्लू की गड़सा घाटी में भी बादल फटने के बाद आई बाढ़ व लैंडस्लाइड को देखते हुए खोड़ागे गांव के दो दर्जन से ज्यादा मकान खाली कराए गए।

इसी तरह शिमला जिले के जुब्बल, कुमारसैन, कोटगढ़, किन्नौर के अलावा चंबा व कुल्लू के कई क्षेत्रों में भी बारिश से खूब नुकसान हुआ है। ताजा बारिश के बाद प्रदेश में 1100 से ज्यादा सड़कें अवरुद्ध हो गई।

इनमें 625 सड़कें पिछले 12 दिन से बंद पड़ी है। इससे शनिवार को 1050 से ज्यादा रूटों पर बस सेवाएं बाधित हुई है।

कोटखाई अस्पताल में पानी भरा

भारी बारिश के बाद कोटखाई अस्पताल की निचली मंजिल जलमग्न हो गई। बरसाती पानी के साथ आई गाद से अस्पताल में कीचड़ भर गया।

इससे डॉक्टर और बाकी स्टाफ अस्पताल नहीं पहुंच पाया। इस वजह से मरीज परेशान है। उधर, सिरमौर में बारिश के चलते गिरी जटोन बैराज पर पानी डेंजर लेवल के पास पहुंच गया। इसके बाद बैराज के सभी 10 गेट खोल दिए गए। सिरमौर में सड़कों, पुलों और पेयजल योजनाओं को काफी नुकसान पहुंचा है।

भारी बारिश के बाद शिमला जिले के ठियोग सब डिवीजन में 25 जुलाई तक सभी निजी और सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए। इसे लेकर ठियोग स्छरूने आदेश जारी किए। इससे पहले 22 जुलाई तक स्कूलों में छुट्टियां बढ़ाई गई थी।

वहीं चंबा जिले के भरमौर और भटियात सब डिवीजन के सारे स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र आज बंद रखे गए। सुबह से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते यह फैसला लिया गया।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का निर्णय सराहनीय : बाबूलाल मरांडी

भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं तक की शिक्षा को क्षेत्रीय ,स्थानीय भाषाओं में देने की पहल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भाषाई विविधता,सांस्कृतिक समझ और शैक्षणिक सफलता को बढ़ावा देने की दिशा में बहुभाषी शिक्षा का महत्वपूर्ण दृष्टिकोण में व्यापक रूप से मान्यता प्रदान करते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा 12वीं तक की शिक्षा को मातृभाषा,क्षेत्रीय भाषा ,स्थानीय भाषा को शिक्षा का माध्यम बनाने के निर्णय का स्वागत।

नई दिल्ली
रविवार 23 जूलाई 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

तेलंगाना में 25-26 जुलाई को भारी बारिश

हैदराबाद। तेलंगाना के खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट और महबूबाबाद जिलों में अलग-अलग स्थानों पर मंगलवार (25 जुलाई) को अतिवृष्टि होने का अनुमान जताया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने शनिवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग की ओर से यहां जारी एक दैनिक रिपोर्ट में बताया गया कि बुधवार (26 जुलाई) को राज्य के जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, खम्मम, नालगोंडा, सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा और जनगांव जिलों में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश हो सकती है। राज्य में अगले 24 घंटों के दौरान आदिलाबाद, कोमाराम भीम आसिफाबाद, मंचेरियल, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, महबूबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने का अनुमान हैं। राज्य के आदिलाबाद, निर्मल, निज़ामाबाद, जगतियाल, राजन्ना सिरसिला, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, भद्राद्री कोठागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यापेट, महबुबाबाद, वारंगल, हनमकोंडा, जनगांव, सिद्दीपेट और विकाराबाद जिलों में अलग-अलग स्थानों पर रविवार को भारी बारिश हो सकती है।

हाईकोर्ट ने स्वत: संज्ञान लेते हुए पोक्सो मामले में आरोपी की जमानत की रद्द

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश में 21 बच्चों के यौन उत्पीड़न के आरोपी एक हॉस्टल वार्डन को जमानत दिए जाने से हैरान गौहाटी उच्च न्यायालय ने स्वत: संज्ञान लेते हुए विशेष पॉक्सो अदालत की ओर से आरोपी को दी गई जमानत अर्जी रद्द कर दी है। यह घटनाक्रम अरुणाचल के शि-योमी जिले के मोनिगोंग के कारो गांव के सरकारी आवासीय विद्यालय के छात्रावास वार्डन और आरोपी युमकेन बागरा को जमानत देने के संबंध में समाचार लेखों के बाद आया। युमकेन पर वर्ष 2019 से 2022 के बीच 6 से 12 वर्ष की आयु के 21 बच्चों (15 लड़कियों और 6 लड़कों) का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है। आरोपी, जिस पर 21 बच्चों पर कथित तौर पर यौन हमला करने के लिए यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 10/12/14/(1)/15(1)/2 के तहत आरोप लगाया गया था, को गत 23 फरवरी को विशेष अदालत ने जमानत दे दी थी। गौहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संदीप मेहता ने जमानत याचिका को रद्द करने का स्वत: संज्ञान लेते हुए मामले को अगली 27 जुलाई के लिए सूचीबद्ध करने का आदेश दिया।

आप ने की पानी की दरों में वृद्धि वापस लेने की मांग

चंडीगढ़। हरियाणा आम आदमी पार्टी के प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज राठी ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा पानी की कीमतों में की गई वृद्धि की कड़ी निंदा करने के साथ ही इसे जनता की जेब पर आर्थिक बोझ बताते हुए तुरंत वापस लेने की मांग की है। राठी ने शनिवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि जनता पहले ही महंगाई का दंश झेल रही है और प्राधिकरण ने पानी की दरों में 25 प्रतिशत तक वृद्धि कर जले पर नमक छिड़कने का काम किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में भारी बारिश और बाढ़ के कारण जलभराव होने से लोगों को खाने-पीने के सामान से लेकर बिजली-पानी और मवेशियों के चारे तक की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में लाखों एकड़ फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। ऐसे समय पानी की दरें बढ़ाना अनुचित है। उन्होंने किसानों को उनकी फसलों को हुये नुकसान के लिये 40 हजार रुपये प्रति एकड़ तथा दुकानदारों और कारोबारियों तथा घरों को हुए नुकसान का भी उचित आकलन कर मुआवजा देने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर राहत देने की मांग की।

ओडिशा एसटीएफ ने तेन्दुऐं, हिरण की खालें बरामद की, एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा अपराध शाखा की विशेष टास्क बल (एसटीएफ) टीम ने कालाहांडी जिले से एक वन्यजीव अपराधी को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से तीन तेंदुए एवं तीन हिरण की खालें तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। एसटीएफ सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ सूत्रों ने बताया उनकी टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर शुक्रवार शाम को कालाहांडी जिले के एम रामपुर थाना क्षेत्राधिकार के तहत एम रामपुर-नरला, राज्य राजमार्ग 6 ए पर श्रीपाली छका में छापेमारी की। इस दौरान पुजिलाडु गांव के निवासी खगेश्वर पुटेल (56) को गिरफ्तार किया और उसके पास से तीन तेंदुए की खाल और तीन हिरण की खाल समेत अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। एसटीएफ सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी को जेएमएफसी, एम रामपुर की अदालत में भेजा जाएगा। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं एवं वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जब्त की गई खालों को जैविक जांच के लिए देहरादून डब्ल्यूआईआई के निदेशक के पास भेजा जाएगा।

पचमढ़ी मानसून मैराथन आज

भोपाल। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले स्थित पचमढ़ी में आज पचमढ़ी मानसून मैराथन का पाँचवां संस्करण होगा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के सहयोग से 'एडवेंचर एंड यू' (के.ए. कनेक्ट) यह मैराथन कर रहा है। नागपुर, मुंबई, नई दिल्ली, जयपुर, भोपाल और इंदौर सहित देशभर से प्रतिभागी शामिल होने के लिए पचमढ़ी पहुँच रहे हैं। मैराथन को देशभर से मिले अच्छे रिस्पॉन्स के कारण कुल एक हजार 350 से अधिक रजिस्ट्रेशन हुए हैं। यह अब तक के संस्करणों में सबसे ज्यादा रजिस्ट्रेशन है। मैराथन चार श्रेणियों- 5 किलोमीटर, 10 किलोमीटर, 21 किलोमीटर और 42 किलोमीटर में होगी। सभी दौड़ की शुरुआत एमपीटी ग्लेनव्यू से होगी। विजेताओं को सर्टिफिकेट, ट्रॉफी और मेडल दिए जाएंगे। यह दौड़ टाइम्ड रन हैं। प्रतिभागियों को एक टाइमिंग चिप, सर्टिफिकेट, ड्राई-फिट मैराथन टी.शर्ट, फिनिशर्स मेडल, पोस्ट रेस रिफ्रेशमेंट और पूरे रूट पर सपोर्ट मिलेगा। एक जिला एक उत्पाद योजना में नर्मदापुरम जिले में पर्यटन को चुना गया है। इसी योजना में स्थानीय जिला प्रशासन ने 52 हफ्ते की 52 गतिविधियां चिन्हित की हैं, जिनमें यह मैराथन भी है।

पशु आवारा छोड़ने पर जुर्माना और जूता मारने की मुनादी की जांच का आदेश

शहडोल। मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की दो ग्राम पंचायतों में पशुओं को आवारा छोड़ने पर जुर्माने और जूते मारने का दंड देने की मुनादी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद कलेक्टर ने मामले की जाँच के आदेश दिए हैं। सूत्रों के अनुसार जयसिंहनगर जनपद के नागनौड़ी पंचायत में पशु छोड़ने पर पाँच सौ रूपए जुर्माना और पाँच पनही (जूते) मारने की मुनादी की गई थी। वहीं सोहागपुर जनपद के खैरहा गाँव में पशु छोड़ने पर एक हजार रुपए जुर्माना और 25 पनही मारने की मुनादी की गई है। इससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। इसी क्रम में पंचायत ने क्या प्रस्ताव पास किया है और ये मुनादी किस अधिकृत व्यक्ति ने की है, कलेक्टर ने इसकी जाँच करने का आदेश दिया है।

अरुणाचल में सहायक प्रोफेसर मिमु लिंग्गी को 'सिस्टर निवेदिता पुरस्कार'

ईटानगर। लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क (एलवाईएलएन) ने वर्ष 2022-23 के दौरान तेजू के सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के पठन प्रचार गतिविधियों को सशक्त, सुविधाजनक बनाने तथा बम्बूसा पुस्तकालय में समर्पित योगदान के लिए इस वर्ष डेनिंग कॉलेज फॉर टीचर्स एजुकेशन के सहायक प्रोफेसर मिमु लिंग्गी को 'सिस्टर निवेदिता पुरस्कार' के लिए चुना गया है। लोहित यूथ लाइब्रेरी नेटवर्क के समन्वयक और पद्म श्री पुरस्कार विजेता एस मुंदयूर ने शनिवार को यह जानकारी दी और कहा कि लिंग्गी के उत्साही नेतृत्व के कारण सितंबर 2022 से फरवरी 2023 तक बीएड प्रशिक्षुओं द्वारा तेजू के मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों के 'तेजी से पढ़ने के कौशल' को बढ़ाने के कार्यक्रम 'रासा' का सुचारू संचालन हुआ। यह पुरस्कार राष्ट्रवादी शिक्षा की प्रबल समर्थक सिस्टर निवेदिता की याद में दिया जाता है।

उत्तरकाशी में अतिवृष्टि : इमारतों में पानी घुसा, दो पशुओं की मौत, कई वाहन बहे

उत्तरकाशी/देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही अतिवृष्टि से आम जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। इस बीच, उत्तरकाशी जिले में शुक्रवार/शनिवार रात्रि में हुई अतिवृष्टि के बाद अनेक घरों, एक अस्पताल और स्कूलों में मलवा घुस गया जिससे उनके भवन क्षतिग्रस्त हो गए हैं। इस दौरान अनेक वाहन पानी के तेज बहाव में बह गए। कस्तूरबा गांधी इंटर कॉलेज में फंसे करीब डेढ़ सौ बच्चों को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

उत्तरकाशी के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी देवेंद्र सिंह पटवाल ने शनिवार को बताया कि उप तहसील धौन्तरी में भूस्खलन व मलवा आने से चार परिवारों के आवासीय भवन आंशिक क्षतिग्रस्त हुये है और खेतो में भी मलवा आया है। प्राथमिक स्वास्थ केन्द की दीवार क्षतिग्रस्त हुयी है। रातलधार में 11 केवी फीडर में चार विद्युत पोल/600 मीटर लाईन क्षतिग्रस्त है। तहसील बडकोट अन्तर्गत, गंगनानी के राष्ट्रीय राजमार्ग 30 मीटर भाग में मलवा आने के कारण प्रभावित हुआ है। उक्त स्थान पर चार व्यवसायिक भवनों में पानी गया है तथा 19 आवासीय भवनों में पानी भरा है। उन्नीस आवासीय भवन स्वामियों को भवन आंशिक क्षतिग्रस्त होने के कारण तत्कालिक राहत राशि मौके पर ही वितरित कर दी गयी है। एक गौशाला क्षतिग्रस्त होने से एक गाय व बछड़े की मृत्यु हुयी।

इसी स्थान पर, कस्तुरबा गांधी विद्यालय में पानी और मलवा आने से वहां फंसे लगभग 150 बच्चे एसडीआरएफ ने निकाल कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिए हैं।

नैनीताल में अतिक्रमण हटाओ अभियान जोर शोर से शुरू

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल में शनिवार को शत्रु संपत्ति से अतिक्रमण हटाओ अभियान युद्धस्तर पर शुरू हो गया है। मौके पर भारी पुलिस फोर्स और प्रशासनिक अमला तैनात है।

नैनीताल जिला प्रशासन की ओर से मेट्रोपोल क्षेत्र में 1.22 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। आज सुबह से ही मौके पर प्रशासनिक अमला एवं भारी पुलिस फोर्स ने मोर्चा संभाल लिया था।

पुलिस की ओर से सबसे पहले लोगों को घरों को खाली करने की चेतावनी जारी कर की गयी। इसके बाद अलग अलग टीमों ने घरों की तलाशी का काम शुरू किया। अपर जिलाधिकारी शिवचरण द्विवेदी अतिक्रमण हटाओ अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं।

श्री द्विवेदी ने बताया कि पूरे इलाके को चार सेक्टर में बांटा गया है। अलग अलग उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अलग अलग सेक्टर का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके साथ दस अधिकारियों की एक टीम बनायी गयी है। साथ ही पुलिस के जवान तैनात किये गये हैं।

आज सुबह पहले पुलिस बल की ओर से अतिक्रमणकारियों के 134 घरों की तलाशी ली गयी। प्रशासन की ओर से यह सुनिश्चित किया गया कि घरों में एक भी व्यक्ति मौजूद न हो। इस काम के लिए 9 जेसीबी मौके पर तैनात हैं। फिलहाल दो जेसीबी को अतिक्रमण हटाने के काम पर लगाया गया है।

कोटा में पेट्रोल पंप को लूटने की योजना बनाते पांच गिरफ्तार

कोटा। राजस्थान में कोटा के उद्योग नगर थाना पुलिस ने एक पेट्रोल पंप को लूटने की योजना बनाते हुए पांच युवकों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से कुछ हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी ने शनिवार को बताया कि उद्योग नगर थाना प्रभारी मनोज सिकरवार के नेतृत्व में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 20 से 22 साल की आयु वर्ग के पांच बदमाशों सुनील पांचाल, विजय उर्फ कल्लू,आकाश, सागर, रोहित उर्फ सीताराम को गिरफ्तार कर उनके पास से धारदार एक तलवार, लोहे की गुप्ति, सरिया और आंखों में झोंकने में इस्तेमाल करने के लिए मिर्च का पाउडर बरामद किए। इन लोगों में कोटा-चित्तौड़गढ़ हाईवे पर मगरमच्छ नाले की पुलिया के पास के एक पेट्रोल पंप को लूटने की योजना बनाई थी लेकिन शुक्रवार रात को योजना बनाते समय ही पुलिस ने घेराबंदी करके सभी को गिरफ्तार किया।

नदी में बही स्कूली छात्रा का आठ दिन बाद मिला शव

सिवनी। मध्यप्रदेश के सिवनी जिले में पिछली 14 जुलाई को नदी में बही एक छात्रा का शव आज बरामद हुआ। बैनगंगा में बाढ़ आने से ग्राम सरगापुर में नदी पार करते हुए पैर फिसल जाने से कक्षा 12 की छात्रा साक्षी बह गई थी। उसका शव आज सुबह छपारा मुख्यालय में बैनगंगा पुल के नीचे बरामद किया गया। लखनवाड़ा थाना प्रभारी नवीन जैन के अनुसार घटना के बाद से लगातार रोज एनडीआरएफ व पुलिस टीम अलग अलग स्थानों पर बैनगंगा नदी में छात्रा की तलाश कर रही थी।

अमरनाथ यात्रा : जम्मू आधार शिवर से 3,472 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना

एजेंसी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के भगवती नगर आधार शिविर से बम बम भोले का जयकारा करते हुए 3,472 तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था शनिवार को दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित पवित्र श्री अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना हुआ।

एक अधिकारी ने बताया कि 3,472 तीर्थयात्री 132 वाहनों के काफिले में आधार शिविर से रवाना हुए। उन्होंने बताया कि 2515 तीर्थयात्रियों के समूह में 2042 पुरुष, 395 महिलाएं, 12 बच्चे, 63 साधु और तीन साध्वियां शामिल है जो 93 वाहनों के काफिले में पहलगाम के लिए रवाना हुए। इसी तरह बालटाल के लिए 957 श्रद्धालु रवाना हुए जिनमें 689 पुरुष और 268 महिलाएं शामिल है। सभी श्रद्धालु कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 39 वाहनों के काफिले में रवाना हुए।

गौरतलब है बाबा बर्फीनी के पवित्र गुफा के दर्शन के लिए वार्षिक यात्रा एक जुलाई को शुरू हुई और यह 31 अगस्त को समाप्त होगी।

राजस्थान की कांगेस सरकार के काम से बने माहौल से बौखलाई भाजपा : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर झूठ बोलकर राज्य की कांग्रेस सरकार को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वह राज्य सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं एवं उसके फैसलों से प्रदेश में बने माहौल से घबराई गई है और जनता को गुमराह करने में लगी है।

गहलोत न्यूनतम आय गारंटी विधेयक के विधानसभा में पारित होने एवं सामाजिक सुरक्षा के लिए ऐसा कानून बनाने वाला राजस्थान देश का पहला राज्य बनने के उपलक्ष्य में शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में यह बात कही। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार जिस तरह से एक के बाद एक ऐतिहासिक योजनाएं लाकर लोगों को लाभांवित कर अपनी छाप छोड़ रही हैं और प्रदेश में जो माहौल बना हैं उससे भाजपा के लोग बौखला गये है।उन्होंने कहा कि इस कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित भाजपा नेता बार बार राजस्थान आ रहे हैं और झूठ बोलकर जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रहे है। उन्होंने कहा कि भाजपा के अभियान नहीं सहेगा राजस्थान का जिक्र करते हुए कहा कि अब भाजपा को नहीं सहेगी राजस्थान की जनता, क्योंकि उन्होंने निकम्मापन दिखाया है और उसने जनता के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश में इतनी योजनाएं लाई गई हैं जिसकी पूरे देश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में योजनाओं की घोषणाएं ही नहीं हुई बल्कि इन्हें धरातल पर उतारकर लोगों को फायदा भी पहुंचाया गया हैं और इस कारण प्रदेश में सरकार के पक्ष में माहौल बना हैं जिससे भाजपा के लोग घबरा गये।

सारण में दहेज की मांग को लेकर युवती की हत्या

छपरा। बिहार में सारण जिले के नगर थाना क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर एक युवती की गला दबाकर हत्या कर दी गयी। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को यहां बताया कि छोटा तेलपा मुहल्ला में दहेज के लिए अन्नु (19) की गला दबाकर हत्या कर दी गयी। इस मामले में मृतका अन्नु की मां पानापुर थाना क्षेत्र के सतजोडा गांव निवासी रेखा देवी ने थाने में दिए गए आवेदन में कहा है कि उन्होंने अपनी पुत्री अन्नु की शादी इसी वर्ष 15 मई को छोटा तेलपा मोहल्ला निवासी सुदेश महतो से की थी। विवाह के बाद से ही ससुराल वाले दहेज में मोटरसाइकिल की मांग कर रहे थे,जिसे उन्होंने अगले वर्ष देने का वायदा किया था।

प्रेमिका की हत्या कर प्रेमी ने आत्महत्या की

झुंझुनू। राजस्थान में झुंझुनू जिले के गुढागौड़जी थाना क्षेत्र के हांसलसर गांव में एक युवक ने अपनी प्रेमिका की चाकू से गला काटकर हत्या कर दी तथा बाद में स्वयं ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शराब व्यवसायी सुरेश (32) और युवती प्रियंका (20) दोनों एक ही गांव के थे। शराब व्यवसायी शादीशुदा था। तीन साल पहले शादी हुई थी। शादी के एक साल बाद उसकी पत्नी छोड़कर चली गई थी। वहीं युवती बीएड की तैयारी कर रही थी।

सुरेश और प्रियंका पिछले काफी समय से रिलेशन में थे। युवक शादी का दबाव बना रहा था। लेकिन युवती के घर वाले शादी को राजी नहीं थे। घरवाले युवती की शादी दूसरी जगह करना चाह रहे थे। युवक इस बात से नाराज बताया था।

बताया गया कि युवती अपने माता-पिता और बुआ के लड़के साथ एक कमरे में सो रही थी। शुक्रवार रात एक बजे सुरेश कमरे में पहुंचा और युवती पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। युवती के चिल्लाने पर परिजन बचाने दौड़े तो सुरेश मौके से फरार हो गया। परिजन युवती को नजदीकी अस्पताल लेकर पहुंचे। हालात गंभीर होने पर युवती को झुंझुनू के बीडीके अस्पताल में रेफर कर दिया।

टेली-मानस पर दो लाख से अधिक फोन आये

नयी दिल्ली। नेशनल टेली मेडीसिन हेल्थ प्रोग्राम 'जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम' की टेली मानस सेवा पर अब तक देश के विभिन्न हिस्सों से दो लाख से अधिक फोन आये हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत अक्टूबर 2022 में की गयी ताकि देश में मानसिक स्वास्थ्य सेवा को मजबूत किया जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि के लिए देशवासियों को बधाई दी है। फिलहाल देश में 31 राज्यों और केंद्र शासित में टेली-मानस के 42 से अधिक केंद्र कार्यरत हैं। केंद्र प्रति दिन 20 भाषाओं में 1,300 से अधिक फोन करने वालों को सेवायें दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 1900 से अधिक परामर्शदाताओं को प्रशिक्षित किया गया है। सबसे आम शिकायतों में अवसाद, अनिद्रा, दबाव और तनाव शामिल हैं। परामर्शदाताओं ने लगभग सात हजार लोगों को दोबारा फोन करके उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली है। परीक्षाओं के दौरान परीक्षा संबंधी तनाव से जुड़े फोन में तेजी देखी गई है। उल्लेखनीय है कि टेली-मानस की पहुंच नौ महीनों में दो लाख लोगों तक हो गई है।

बेतिया स्टेशन से दक्षिण भारत दर्शन के लिये पहली बार चलाई गई भारत गौरव पर्यटन स्पेशल ट्रेन

समस्तीपुर। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) और रेल मंत्रालय द्वारा बिहार में पहली बार पूर्व मध्य रेल के समस्तीपुर रेल मंडल के बेतिया स्टेशन से शनिवार को दक्षिण भारत यात्रा के लिए भारत गौरव पर्यटन स्पेशल ट्रेन चलाई गयी है।

आईआरसीटीसी,पटना के क्षेत्रीय संयुक्त महाप्रबंधक राजेश कुमार ने आज यहां बताया कि पहली बार देखों अपना देश के तहत भारत गौरव ट्रेन की शुरुआत की गई है। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन बेतिया स्टेशन से शनिवार की सुबह 6.15 बजे दक्षिण भारत यात्रा के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन समस्तीपुर,पटना एवं झारखंड के जसीडीह, मधुपुर और बंगाल के चितरंजन, आसनसोल एवं हिजली समेत प्रमुख स्टेशन होते हुए दक्षिण भारत की यात्रा पर जायेगी।

कुमार ने बताया कि इस यात्रा के तहत तीर्थ यात्रियों को तिरुपति के बालाजी, रामेश्वरम के श्री रामनाथ स्वामी, मदूरै के मीनीक्षी मंदिर, कन्याकुमारी मंदिर एवं त्रिवेंद्रम स्थित पद्मनामस्वामी मंदिर समेत प्रमुख तीर्थ स्थलों का दर्शन कराया जायेगा। उन्होंने बताया कि भारत गौरव ट्रेन योजना के तहत भारतीय रेलवे ने रेल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तीर्थ यात्रियों को करीब 33 प्रतिशत रियायत प्रदान किया है।

संयुक्त महाप्रबंधक राजेश ने बताया कि यह यात्रा 10 रात एवं 11 दिन का है। साथ ही यात्रा के दौरान श्रेणी के हिसाब से तीर्थ यात्रियों को वातानुकूलित एवं गैर वातानुकूलित होटल मे रात्रि विश्राम के साथ-साथ सुबह, दोपहर एवं रात्रि मे शाकाहारी भोजन समेत अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी।

इस अवसर पर आईआरसीटीसी,पटना के पर्यटन विभाग के मुख्य पर्यवेक्षक संजीव कुमार,अमित प्रकाश,अरविंद चौधरी और समस्तीपुर के पर्यवेक्षक प्रमोद कुमार समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शिक्षा क्षेत्र में नयी क्रांति की ओर बढ़ रहा पंजाब: भगवंत मान

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को मानक शिक्षा मुहैया करवाने के लिए पंजाब नयी शिक्षा क्रांति की तरफ बड़े कदम उठा रहा है।

यहां से 72 प्रिंसिपलों के तीसरे और चौथे बैच को 'सिंगापुर प्रिंसीपलज़ ट्रेनिंग अकैडमी' के लिए रवाना करने के बाद पत्रकारों के साथ बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों को मानक शिक्षा देने की उनकी तरफ से दी गारंटी के मुताबिक इन प्रिंसिपलों को सिंगापुर भेजा जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इन 72 प्रिंसिपलों में से 92-93 प्रतिशत प्रिंसिपल पहली बार विदेश जा रहे हैं जिससे उनका दौरा शिक्षा के क्षेत्र में सुधार लाने के लिए मील पत्थर साबित होगा।

भगवंत मान ने कहा कि इसका मनोरथ यह यकीनी बनाना है कि राज्य के विद्यार्थी पंजाब में विश्व स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर सकें, जिससे वह अपने कान्वेंट स्कूलों में पढ़े रहे साथियों का मुकाबला कर सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी तबदीलियाँ देखने को मिल रही हैं, जहाँ प्रिंसिपलों और अध्यापकों को विदेशों में ट्रेनिंग के लिए भेजा जा रहा है और विद्यार्थी इसरो में चन्द्रयान-3 जैसे शानदार मौकों के गवाह बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि ' स्कूल आफ एमिनेंस' बच्चों के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए शैक्षिक और सिलेबस से बाहरी गतिविधियों केंद्र के तौर पर उभरा है।

उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का उद्देश्य राज्य में विदेश जा रहे नौजवानों के रुझान को खत्म करना और नौजवानों की असंख्य ऊर्जा को सकारात्मक दिशा की तरफ ले जाना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल के क्षेत्र में नौजवानों को बढ़िया कोच और शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक मुहैया करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के नौजवानों में अथाह क्षमता है और यदि उनको सही मार्गदर्शन किया जाये तो वह किसी भी क्षेत्र में जीत हासिल कर सकते हैं।

प्रियंका जी को झूठ नहीं बोलना चाहिए

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए, क्योंकि ये उनको शोभा नहीं देता। चौहान ने संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि श्रीमती वाड्रा को झूठ नहीं बोलना चाहिए, ये उन्हें शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि सभी लोग गवाह हैं, सरकारी नौकरियों में प्रदेश सरकार इसी साल 55 हजार भर्तियां कर चुकी है। अब भर्तियां होने पर भी कांग्रेस के मित्रों को तकलीफ हो रही है। दरअसल वाड्रा ने कल अपने ग्वालियर प्रवास के दौरान आरोप लगाया था कि प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है और प्रदेश सरकार ने मात्र 27 शासकीय नौकरी दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने श्रीमती वाड्रा के भाजपा के 18 साल में प्रदेश में कोई विकास नहीं होने के आरोपों पर भी उन पर पलटवार किया। चौहान ने कहा कि वे पूछते हैं कि 18 साल में क्या हुआ।

मणिपुर की हिंसा पर सदन में आकर जवाब दें मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि मणिपुर को लेकर मोदी सरकार राजनीति कर रही है और इस मुद्दे पर विपक्ष के सवालों से भाग रही है इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संसद में मणिपुर को लेकर जवाब देने से बच रहे हैं।

कांग्रेस नेता श्रीमती रंजीत रंजन ने शनिवार को यहां पत्रकारों से कहा कि लगभग तीन महीने से मणिपुर जल रहा है। महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहे हैं और शर्मनाक घटनाएं वहां हुई है लेकिन श्री मोदी ने संसद की बजाय संसद के बहार इस मुद्दे पर बयान दिया है और उसमें भी राजस्थान तथा छत्तीसगढ़ जैसे कांग्रेस शासित राज्यों का नाम लेकर राजनीति की है। सरकार सदन के भीतर नहीं बल्कि बाहर बोलती है और अब बाल विकास तथा महिला कल्याण मंत्री ने इस पर बयान दिया है।

केंद्रीय मंत्री को घेरते हुए उन्होंने कहा, जब भी मोदी सरकार डरती है, अपने मंत्रियों को बिल से बाहर निकालती है। ये एक भगोड़ी सरकार है जो विपक्ष से डरती है, सदन में आने से डरती है और सवालों से बचती है। हम चाहते हैं कि श्री मोदी सदन में आएं और मणिपुर में हो रही हिंसा पर चर्चा हो।

उन्होंने कहा, मणिपुर के मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वायरल वीडियो में जिस तरह महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार हुआ है, वैसी राज्य में सैकड़ों घटनाएं हुई हैं और कई प्राथमिकी दर्ज हैं। क्या इसकी जानकारी प्रधानमंत्री को नहीं होगी।

जहां हिंसा हो रही है, वह अंतरराष्ट्रीय सीमा वाला इलाका है, तो क्या सरकार को सदन में इस बारे में जवाब नहीं देना चाहिए।

इस बीच राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, मुझे अफसोस है कि मणिपुर जल रहा है।

शार्ट न्यूज

दिल्ली हवाई अड्डे पर 10 करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा जब्त

नई दिल्ली। सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तीन ताजिकिस्तान नागरिकों से 10 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अब तक की सबसे बड़ी विदेशी मुद्रा जब्त की है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। आरोपियों को अधिकारियों ने तब रोका जब वे इस्तांबुल के लिए उड़ान भरने के लिए आगे बढ़ रहे थे। सीमा शुल्क विभाग द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि यात्रियों के सामान की विस्तृत जांच और व्यक्तिगत तलाशी के परिणामस्वरूप उनके पास से 10,06,78,410 रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा (7,20,000 अमेरिकी डॉलर और 4,66,200 यूरो) बरामद हुई। विदेशी मुद्रा जब्त कर ली गई है और आगे की जांच जारी है। बयान में कहा गया है कि हवाई अड्डे के सीमा शुल्क अधिकारियों, इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे, टर्मिनल -3, नई दिल्ली ने 21 जुलाई, 2023 को तीन ताजिकिस्तान राष्ट्रीय यात्रियों के खिलाफ भारत के किसी भी हवाई अड्डे के माध्यम से विदेशी मुद्रा की तस्करी का सबसे बड़ा मामला दर्ज किया है। एक वरिष्ठ सीमा शुल्क अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि तीनों में एक किशोर भी शामिल है। विदेशी मुद्रा सामान में रखे जूतों के अंदर छिपी हुई पाई गई।

लोहे की छड़ से हमला कर 15 लाख रुपए लेकर भागे आरोपी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक शख्स के साथ सरेराह लूटपाट की गई। शख्स के करीब 15 लाख रुपए लूटकर आरोपी फरार हो गए। यह सराय रोहिल्ला इलाके की घटना है। जानकारी के मुताबिक, चार अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर एक व्यक्ति पर लोहे की छड़ से हमला करके लगभग 15 लाख रुपए लूट लिए। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) सागर सिंह कलसी ने बताया कि राजस्थान के सिरोही का निवासी वेला राम चांदनी चौक में काम करता है। शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे वह 14,96,600 रुपए अमन नामक व्यक्ति को देने शास्त्री नगर जा रहा था। जब वेला राम शास्त्री नगर में सार्वजनिक शौचालय के पास पहुंचा तो बाइक पर आए चार लोगों ने उस पर लोहे की छड़ से हमला किया और पैसों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। पुलिस ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है। एक टीम ने वारदात स्थल का निरीक्षण किया है। मामले की जांच की जा रही है।

युवक को सांप के जोड़े ने डसा, मौत

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के जारचा थाना क्षेत्र के ऊंचा अमीरपुर गांव में शुक्रवार देर रात लगभग दो बजे सांपों के आतंक से पूरे गांव में दहशत हो गई। ऊंचा अमीरपुर गांव में सोते समय नाग और नागिन ने एक युवक को डस लिया। जिसमें युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने नाग और नागिन की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। सावन के महीने में यूं तो नाग नागिन के जोड़े को देखना शुभ माना जाता है लेकिन इसी नाग नागिन के जोड़े ने पूरे घर को रुलाने के लिए मजबूर कर दिया। दरअसल जारचा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ऊंचा अमीरपुर गांव में रात लगभग 2:00 बजे घर में सो रहे सोनू (25)नाम के युवक को सांप ने डस लिया। जैसे ही उस युवक को सांप ने डसा, आनन-फानन में उसको इलाज के लिए ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि रात लगभग 2 बजे छोटा यादव के घर में एक सांप निकला। उसी दौरान गांव में रहने वाले सोनू को भी नाग ने डंस लिया। जिसके बाद सोनू को नजदीकी अस्पताल में ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

नोएडा में डाटा केबल कंपनी में लगी आग

नोएडा। सेक्टर-58 स्थित एक कंप्यूटर डाटा केबल कंपनी में आग लग गई। गार्ड ने आग की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस और दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फायर सर्विस यूनिट ने पहले कंपनी के अंदर जाकर फायर एस्टिंग्यूशर की मदद से आग बुझाई। कई ऐसे स्थान थे जहां पर बाल्टियों द्वारा आग बुझाई गई। वायर होने की वजह से आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि आग की सूचना करीब 3 बजकर 26 मिनट पर मिली। बताया गया कि सेक्टर-58 में सी-42 एग्निटी कम्युनिकेशन कंपनी के प्रथम तल पर आग लगी है। इस दौरान कंपनी में कुछ कर्मचारी थे। आग की जानकारी मिलते ही सभी बाहर आ गए। प्राथमिक जांच में आग की वजह शॉट सर्किट बताई जा रही है। वायर होने की वजह से कंपनी में काला धुआं भर गया था। इस कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही थी। कंपनी में लाखों लोगों का डाटा था एक सिस्टम में सेव था। इसलिए डाटा सिस्टम को बचाते हुए बाल्टियों से आग को बुझाया गया। इस दौरान डाटा सिस्टम पूरी तरह से सेफ है। फिलहाल आग पर पूरी तरह से आग पर काबू पा लिया गया है।

गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो का शुभारंभ

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्स्पो मार्ट में गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो चल रहा है। इसके 34वें संस्करण की ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में शुरुआत हुई। यह एक्सपो 21 से 24 जुलाई, 2023 तक आयोजित की जाएगी। यह दक्षिण एशिया का सबसे विस्तृत परिधान प्रौद्योगिकी एक्सपो है, जिसमें परिधान से जुड़ी हर वस्तु का प्रदर्शन किया गया है। जीटीई इंटरनेशनल को नवाचारों, प्रौद्योगिकी नवीनता उत्थान, नई सामग्रियों, प्रक्रियाओं और सेवाओं को प्रस्तुत करने के लिए सबसे अच्छा लॉन्च पैड माना जाता है। इस चार दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन गारमेंट टेक्नोलॉजी एक्सपो प्राइवेट लिमिटेड द्वारा गुजरात गारमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जीजीएमए) और गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जीईएआर) के सहयोग से किया जा रहा है। निदेशक, अंबरीश चोपड़ा ने कहा कि इस बार जीटीई दिल्ली एनसीआर का आयोजन नये स्थान, इंडिया एक्सपो मार्ट, ग्रेटर नोएडा में किया जा रहा है, जो 58 एकड़ में फैले पार्किंग क्षेत्र के साथ विश्वस्तरीय वातानुकूलित और वाई-फाई सक्षम स्थल है। यह 8 लेन एक्सप्रेसवे और मेट्रो के माध्यम से दिल्ली से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। प्रदर्शनियों और सम्मेलनों की मेजबानी के मद्देनजर इंडिया एक्सपो सेंटर विश्व के सर्वश्रेष्ठ सेंटर में से एक है। हम आगंतुकों के आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिये नोएडा सिटी सेंटर मेट्रो से शटल बस सेवा भी प्रदान कर रहे हैं।

ईडी ने सपा नेता दिनेश कुमार को किया गिरफ्तार

नोएडा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बहुचर्चित बाइक बोट घोटाले में शुक्रवार को सपा के प्रदेश सचिव दिनेश कुमार सिंह उर्फ दिनेश कुमार सिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले ईडी ने गुरुवार को दिनेश के जेपी ग्रीन्स स्थित ठिकाने पर छापा मारकर तलाशी ली थी। छापे में उसके खिलाफ आपत्तिजनक सबूत मिले थे। दिनेश उन लोगों से पैसे वसूल रहा था, जिनके खिलाफ बाइक बोट घोटाले में ईडी जांच चल रही थी। तलाशी के दौरान ईडी को दिनेश के खिलाफ आपत्तिजनक सबूत मिले थे, जिसे ईडी ने जब्त कर लिए थे। दिनेश के खिलाफ पीएमएलए की कार्रवाई ऐसी शिकायतें मिलने के बाद शुरू की गई कि वह उन लोगों से पैसे वसूल रहा है, जिनके खिलाफ बाइक बोट घोटाले में पीएमएलए की जांच लखनऊ जोनल कार्यालय में चल रही है। वह अभियुक्तों से संपर्क कर उनके विरुद्ध चल रही प्रिवेंशन आफ मनी लांड्रिंग एक्ट की जांच को निपटाने का आश्वासन देता था। वह अभियुक्तों को उनकी चल-अचल संपत्तियों को ईडी से मुक्त कराने के झूठे लालच देता था। दरअसल, ईडी 1665 करोड़ के बाइक बोट घोटाला की जांच कर रही है। मुख्य अभियुक्त संजय भाटी ने अपने सहयोगियों के साथ गर्वित इनोवेटिव प्रमोटर्स लिमिटेड (जीआईपीएल) नामक कंपनी बना कर निवेशकों के साथ ठगी की। पीएमएलए जांच से पता चला कि वर्ष 2017 में संजय भाटी ने कंपनी के नाम से आकर्षक निवेश योजना शुरू की थी। इस योजना के अनुसार एक ग्राहक एक, तीन, पांच या सात बाइक में निवेश कर सकता है, जिसका रखरखाव और संचालन कंपनी द्वारा किया जाएगा। इसमें निवेशकों को मासिक किराया, ईएमआई और बोनस का भुगतान किया जाना था।

फिर उफान पर यमुना नदी

पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने से लोगों की धड़कनें भी बढ़ने लगी हैं। शुक्रवार को तीसरी बार यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के ऊपर पहुंच गया। शुक्रवार शाम को करीब छह बजे तीसरी बार यमुना का जलस्तर 205.38 मीटर के पार पहुंच गया, जिससे यमुना के आस पास रहने वाले लोगों की चिंता बढ गई। वहीं, शनिवार सुबह को फिर से जलस्तर कम होने लगा। सुबह नौ बजे जलस्तर खतरे के निशान से नीचे 205.29 दर्ज किया गया। वहीं, 11 बजे यह 205.25 मीटर पर पहुंच गया था। रात एक बजे से लेकर सुबह 11 बजे तक हथिनी कुंज बैराज से अब तक नौ लाख 42 हजार 514 क्यूसेक पानी यमुना में छोड़ा जा चुका है। बाढ़ प्रभावित लोग अभी

अपने बचे खुचे सामान ठीक से सुखा भी नहीं पाए हैं कि इनके सर पर फिर से बाढ़ का खतरा मंड़राने लगा है। करीब एक हफ्ते से जलमग्न राजघाट परिसर से शुक्रवार को ही पानी निकाला गया है। पानी बढ़ने पर यमुना के करीब स्थित गहरी जगह पर फिर से पानी भरने का खतरा है।

10 जुलाई को यमुना ने खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर लिया था और 13 जुलाई को यमुना ने दिल्ली में 1978 में आई बाढ़ के दौरान के अपने जलस्तर 207.49 मीटर के रिकार्ड नीचे छोड़ दिया था।पुराने रेलवे ब्रिज पर तब इसका अधिकतम जलस्तर 208.66 मीटर पहुंच गया। छह दिन बाद 19 जुलाई को सुबह पांच बजे यमुना का जलस्तर फिर से खतरे के निशान के नीचे 205.22 मीटर पर आया। लेकिन छह बजे से इसका जलस्तर फिर बढ़ने लगा।

सुबह सात बजे यमुना खतरे के निशान को पार कर गई। शाम को पांच बजे तक इसका जलस्तर 205.79 मीटर पहुंच गया। इसके बाद शुक्रवार को शाम छह बजे तीसरी बार यमुना का पानी नीचे आने के बाद फिर से खतरे के निशान को पार कर गया है। प्रशासन की तरफ से बताया जा रहा है कि पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण फिर से यमुना का जलस्तर बढ़ा।

रामजस अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय ने किया मैराथन का आयोजन

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता हैं द्य इस तथ्यों को ध्यान में रखते हुए रामजस अंतर्राष्ट्रीय विद्यालय ने छात्रों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के दृष्टिकोण से विद्यालय के स्वर्णजयंती काल में मंत्रोच्चारण के साथ मैराथन का आयोजन किया। जिसमें रामजस परिवार शामिल था। मुख्य अतिथि के रूप में मैराथन धावक सिद्धार्थ चौधरी उपस्थित थे ।उन्होंने अपने उद्बोधन में छात्रों से परिचर्चा करते हुए कहा कि जितना हम अपने शरीर को तराशेंगे ,उतना हमारा शरीर मजबूत एवं मानसिक रूप से चुस्त रहेगा द्य अत: हमें दौड़ना चाहिए । स्कूल के शुभचिंतक एवं विद्यालय के सर्वांगीण विकास में अग्रसर रहने वाले राजीव गुप्ता जी ने बच्चों को गागर में सागर भरते हुए कहा कि दौड़ के साथ - साथ हमें वातावरण की सफाई भी रखनी चाहिए । समापन समारोह में ऋचा शर्मा , शुभचिंतक राजीव गुप्ता तथा मंचस्थ आदरणीयगण के द्वारा सभी प्रतिभागी छात्रों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया द्य साथ ही प्राचार्या ने सभी को कार्य की सफलता की शुभकामना दी।

ग्रेटर-नोएडा प्राधिकरण के विरुद्ध किसानों का धरना जारी

गौतम बुद्ध नगर। अखिल भारतीय किसान सभा का ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के विरुद्ध आज 66वें दिन धरना जारी रहा। धरने में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने हिस्सा लिया। धरने में भारी संख्या में नौजवान भी मौजूद रहे। धरने में शामिल किसानों ने मणिपुर की घटना को लेकर निंदा प्रस्ताव पास किया और मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की मांग की। साथ ही दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई। इस दौरान सपा विधायक अतुल प्रधान ने सरकार पर हमला बोला।

धरना प्रदर्शन में शनिवार को सरधना से सपा विधायक अतुल प्रधान भी पहुंचे। अतुल प्रधान ने मणिपुर की घटना को शर्मसार करने वाली घटना बताया। उन्होंने घटना की निंदा की और दोषियों के विरुद्ध सख्त सजा की मांग की। अतुल प्रधान ने कहा कि हम आपके मुद्दों के साथ शुरू से हैं आगे भी रहेंगे। अखिलेश यादव 25 तारीख को दिल्ली आ रहे हैं। आप लोग भी एक प्रतिनिधिमंडल लेकर मेरे साथ चलो। अखिलेश यादव को धरने पर लाने का कार्य किया जाएगा और आपके 10न आबादी प्लाट, भूमिहीनों का प्लाट, रोजगार और नए कानून को लागू करने सहित अन्य सभी मसलों को हल कराने में समाजवादी पार्टी पूरी तरह से मदद करेगी।

किसान सभा के प्रवक्ता डॉ. रुपेश वर्मा ने अभी तक के घटनाक्रम के बारे में अवगत कराया। मणिपुर की घटना के संबंध में निंदा प्रस्ताव पेश किया। जिसे सभी ने सर्वसम्मति से पास किया। किसानों ने मणिपुर की सरकार को बर्खास्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की सजा की मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मणिपुर में तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की।

इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद को कास्टिंग मैनेजर बताकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। रोहिणी जिले की साइबर यूनिट पुलिस ने एक ऐसे जालसाज को गिरफ्तार किया है जो इंस्टाग्राम अकाउंट पर खुद को कास्टिंग मैनेजर बता बॉलीवुड में काम दिलाने के नाम पर लोगों से फर्जीवाड़ा करता था। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने फर्जीवाड़े के लिए इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन, 2 सिम कार्ड और 2 एटीएम कार्ड बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी सनी कुमार वर्मा उत्तराखंड हरिद्वार स्थित मुखस्यान मोहल्ला का रहने वाला है। इसने 12वीं की पढ़ाई सेंट थॉमस स्कूल, सहारनपुर, यूपी से की है और चंडीगढ़ से इवेंट मैनेजमेंट का फील्ड अनुभव हासिल किया है। पुलिस ने बताया कि रोहिणी जिला को एक शिकायत मिली जिसमें शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि उसने इंस्टाग्राम पर फिल्मों में ऑडिशन के लिए लड़कियों को आमंत्रित करने वाली एक प्रायोजित पोस्ट देखी थी।

दिल्ली में वृक्षारोपण के नाम पर घोटाला चल रहा है : वीरेंद्र सचदेवा

हरित वृक्षारोपण क्षेत्र में वृद्धि नहीं हुई है यह सब भ्रामक है

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली सरकार का दिल्ली में हरियाली बढ़ाने और स्वच्छ हवा का दावा एक दिखावा है और दिल्ली में वृक्षारोपण के नाम पर घोटाला चल रहा है।

सचदेवा ने कहा कि हरित वृक्षारोपण क्षेत्र में वृद्धि नहीं हुई है, यह सब भ्रामक है, पूरी दिल्ली में हमें बंजर सड़कें देखने को मिलती हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की गत माह मंत्री गोपाल राय ने 1 करोड़ पौधारोपण का दावा किया था और आज मुख्य मंत्री अरविंद केजरीवाल ने 5.50 लाख पौधे लगाये जायेंगे। क्या केजरीवाल सरकार बता सकती है की पौधारोपण कहाँ हुआ।

साल-दर-साल हम वृक्षारोपण के नाम पर एक तमाशा देखते हैं और मौजूदा सीमांकित जंगल क्षेत्रों या अधिसूचित पार्कों में पौधे या पेड़ लगाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का हरित क्षेत्र बढ़ाने का दावा अविश्वसनीय है क्योंकि हम सभी दिल्ली में रहते हैं जहाँ उपनिवेशीकरण के लिए भूमि की बढ़ती मांग है और इसलिए कुछ वर्षों में हरित क्षेत्र में 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की वृद्धि असंभव है जैसा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दावा किया है।

जहां तक पिछले 3-4 वर्षों के दौरान दिल्ली में स्वच्छ हवा के दिनों में बढ़ोतरी का सवाल है तो यह दिल्ली सरकार द्वारा की गई किसी हरियाली का नतीजा नहीं है।

कोविड चरण के दौरान लॉकडाउन ने 2020-22 में स्वच्छ हवा के दिनों में वृद्धि की और इस वर्ष असामान्य बारिश ने दिल्ली पर धूल के आवरण को साफ कर दिया है।

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा है कि पौधारोपण एक बड़ा घोटाला बन गया है और हम दिल्ली में हरित क्षेत्र बढ़ने के दावे के साथ-साथ वास्तविक पौधारोपण पर भी एनजीटी के माध्यम से ग्रीन ऑडिट की मांग करते हैं.

सफदरजंग अस्पताल में मनाया वन महोत्सव

नई दिल्ली। शनिवार को सफदरजंग अस्पताल में वन महोत्सव मनाया गया। जिसके तहत चिकित्सा अधीक्षक महोदया डॉक्टर वंदना तलवार, सभी अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर पी.एस भाटिया, डॉक्टर जयंती मणि, डॉक्टर कपिल सूरी, डॉक्टर आर. पी. अरोडा एवं डॉक्टर तिलक राज सिंह, नोडल ऑफिसर हॉर्टिकल्चर विभाग, ने वृक्षा रोपण किया।

माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्देशो की अनुपालना में सफदरजंग अस्पताल के अधिकारियों/कर्मचारियों ने 250 वृक्षों से अधिक वृक्ष लगाए। वृक्षारोपण कितना पुनीत कार्य है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यह हमारे लिए प्राणवायु ऑक्सीजन उपलब्ध कराते है। बिना वृक्षों के जीवन की कल्पना करना बेमानी है। सफदरजंग अस्पताल वृक्षारोपण को लेकर संकल्पित है।

चिकित्सा अधीक्षक महोदया डॉक्टर वंदना तलवार, ने अपने संदेश में वृक्षारोपण के लिए सबको जागरूक किया। मरीजों के लिए अस्पताल के अन्दर चिन्हित क्षेत्र में ग्रीन बेल्ट बनाने का परामर्श दिया जिसमें वृक्षो के साथ बेन्चेज एवंम कैनोपीज लगाने का सुझाव था । अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर आर. पी अरोड़ा ने सभी से अपील की कि अपने विशेष दिवसों पर पौधा रोपण करें।

रेलवे ने दिल्ली में 2 मस्जिदों सहित कई अवैध धार्मिक स्थलों को दिए नाटिस

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के विकास कार्यों में बाधा बने रहे अतिक्रमण कर बनाए गए धार्मिक स्थलों पर कार्रवाई लगातार जारी है। भजनपुरा की मजार और हनुमान मंदिर पर बुलडोजर एक्शन के बाद अब दिल्ली की दो ओर मस्जिदों पर बुलडोजर चलाने की तैयारी चल रही है।

जानकारी के अनुसार, उत्तर रेलवे ने रेलवे ट्रैक के किनारे किए गए अवैध कब्जों को हटाने के लिए नोटिस भेजे हैं।

इस नोटिस में रेलवे की जमीन पर बने मंदिर, मस्जिद एवं अन्य ढांचे को 15 दिन के भीतर हटाने के लिए कहा गया है। इसमें दो मस्जिदें भी शामिल हैं। रेलवे की तरफ से दिल्ली की जिन दो मस्जिदों को नोटिस भेजे गए हैं उनमें- बंगाली मार्केट मस्जिद और तकिया बब्बर शाह मस्जिद के नाम शामिल हैं। रेलवे के मुख्य प्रवक्ता दीपक कुमार ने बताया कि रेलवे की जमीन पर अवैध अतिक्रमण को हटाया जाना है। इसके लिए उत्तर रेलवे की तरफ से नोटिस जारी कर 15 दिन के भीतर जमीन खाली करने को कहा गया है। इसमें मंदिर, मस्जिद, मजार या कोई अन्य भवन हो सकता है। 15 दिन की अवधि के भीतर अगर इन्हें खाली नहीं किया गया तो रेलवे इस अतिक्रमण को खुद हटा देगी।

जिला अस्पताल में शुरू हुआ ब्लड बैंक

नोएडा। सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में स्थापित ब्लड बैंक का शनिवार को उत्तर प्रदेश के लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री और जिले के प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने उद्घाटन किया। इस ब्लड बैंक की क्षमता करीब 350 यूनिट की है। अस्पताल में स्थापित ब्लड बैंक में पहले दिन जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने रक्तदान कर शहर वासियों से रक्तदान की अपील की। ब्लड बैंक स्टोर से मरीजों को रक्त उपलब्ध कराया जाएगा। मरीजों के साथ गर्भवती के परिजनों को सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई, निजी ब्लड बैंक के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। बता दे कि सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग में स्थापित ब्लड बैंक लाइसेंस निलंबित होने का कारण अस्पताल की ओर से रक्तदान शिविर का भी आयोजन नहीं हो पा रहा था। नई बिल्डिंग में स्थापित ब्लड बैंक में न सिर्फ रक्त की कमी है बल्कि तीन माह से रक्त संग्रह शिविर का आयोजन भी नहीं हुआ है। मई की शुरुआत में पुराने जिला अस्पताल की बिल्डिंग से पैथोलाजिस्ट विभाग को भी नए अस्पताल के दूसरे तल पर स्थापित किया गया है। अस्पताल के ब्लड बैंक का पता बदला है। पता बदलने से पुराने ब्लड बैंक का लाइसेंस निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने नई बिल्डिंग में ब्लड बैंक में भंडारण भी बंद कर दिया था। अस्पताल की ओर से नए सिरे से लाइसेंस के लिए आवेदन किया गया। निरीक्षण संबंधी काम पूरा होने के कारण केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से ब्लड बैंक का लाइसेंस बुधवार को प्राप्त हुआ था।

जैन मुनि हत्या के विरोध में निकाला मौन जुलूस

अपराधियों को फास्ट्रेक कोर्ट में सुनवाई कर दी जाए सजा

नोएडा। कर्नाटक में जैन मुनि की निर्मम हत्या के विरोध में नोएडा जैन समाज के लोगों ने मौन जुलूस निकाला। उन्होंने जैन साधू संतो की सुरक्षा के लिए सांसद डॉक्टर महेश शर्मा को ज्ञापन भी दिया। जुलूस श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर सेक्टर-27 में विराजमान आचार्य श्री 108 अनेकांत सागर जी महाराज के सानिध्य में निकाला गया। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। हाथों में तख्तियां लेकर समाज के लोग पैदल जैन मंदिर से निकलने इसके बाद टेलीफोन चौराहा होते हुए डी.एम चौक और कैलाश अस्पताल के बाहर सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने मिलकर उनको

ज्ञापन दिया। इस मौके पर जैन संस्थाएं , जैन समाज नोएडा, श्री पार्श्व नाथ प्रभावना समिति सेक्टर 50, ग्रेटर नोएडा जैन समाज, सेक्टर 93 बी जैन समाज , एस एस जैन सभा, सेक्टर 23 वरोदया चेतना मंच , त्रिशाला महिला मंडल, स्याहकार युवा क्लब जैन, जैन मिलन ,जैन मिलन स्वास्तिक आदि मौजूद थे। जैन समाज नोएडा के अध्यक्ष पवन जैन और प्रबंधक सुबोध जैन ने बताया कि इस विशाल मौन जुलूस में भारी संख्या में श्रद्धालु सम्मिलित हुए। उन्होंने डॉक्टर महेश शर्मा को ज्ञापन देकर केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार मांग की कि साधु संतो की सुरक्षा के लिए विशेष सुरक्षा प्रदान की जाए। इस जघन्य अपराध करने वाले अपराधियों को फ़ास्ट्रेट कोर्ट के द्वारा शीघ्र से शीघ्र सुनवाई करके सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि जैन समाज की भावनाएं इस घटना के बाद बहुत आक्रोशित है। जिसकी शिक्षित एवं अहिंसक जैन समाज इस घटना को शांतिपूर्ण प्रदर्शन द्वारा अपनी भावना को व्यक्त कर रही है। ज्ञापन लेते हुए डॉ.महेश शर्मा जी ने जैन समाज को आश्वासन दिया कि वह इस घटना के विषय में प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री को समाज की भावनाओं को अवगत कराएंगे।

पुलिस कमिश्नर ने पुलिस लाइन में किया वृक्षारोपण

सभी थानों और कार्यालयों में भी हजारों की संख्या में लगाए जाएंगे पौधे

गौतम बुद्ध नगर। शासन द्वारा वर्ष 2023 में पूरे प्रदेश में 35 करोड़ पौधे लगाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी कड़ी में गौतमबुद्धनगर पुलिस लाइन, पुलिस मुख्यालय, सभी थानों व कार्यालयों में हजारों की संख्या में वृक्षारोपण किया जा रहा है। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने पुलिस लाइन में वृक्षारोपण कर इस कार्यक्रम की

शुरुआत की। नोएडा पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह द्वारा जनपद के सभी नागरिकों को आओ हम सब मिलकर प्रकृति का सौंदर्य बढ़ाएं का संदेश देते हुए पुलिस अधिकारियों के साथ पुलिस लाईन गौतमबुद्धनगर में वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण करने के बाद उनके द्वारा बताया गया कि वृक्ष हमें अनमोल जीवन प्रदान करते हैं। धरती का संतुलन बनाये रखने के लिए अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण किया जाना बहुत जरूरी है।

उन्होंने आगे बताया कि बढ़ते प्रदूषण के कारण मानव जीवन के सामने ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन समेत अनेकों विकट समस्याएं खड़ी हैं।

पुलिसकर्मियों ने बदमाशों से 3.60 लाख रुपए लूटे

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस के दो सिपाही गिरफ्तार हुए हैं। आरोप है कि इन्होंने दो बदमाशों से 3.60 लाख रुपए लूट लिए। ये बदमाश दिल्ली में एक घर में चोरी करने के बाद गाजियाबाद में जूते खरीदने के लिए आए थे, जहां पर कोई विवाद हो गया। अब जब ये बदमाश दिल्ली में पकड़े गए तो उन्होंने पूरा वाकया बताया। दिल्ली पुलिस के इनपुट पर इन दोनों कांस्टेबलों की गिरफ्तारी हुई है। आज इन्हें कोर्ट में पेश किया जा रहा है। दरअसल, दिल्ली के भजनपुरा इलाके में 25 मई की रात आलोक शर्मा नामक व्यक्ति के घर से चोरी हुई। इसमें बदमाशों ने 3 लाख 60 हजार रुपया चुराया था। आखिरकार 19 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जब रकम बरामदगी के लिए उनसे पूछताछ हुई तो आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया।

संपादकीय

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन वक्त की जरूरत

मणिपुर में महिलाओं के साथ शर्मनाक और दरिंदगी भरी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वहां की राज्य सरकार पूरी तरह फेल हो चुकी है। सोशल मीडिया की शक्ति ही है कि आज प्रधानमंत्री को मणिपुर पर शर्मशार होना पड़ा और राज्यसभा के मानसून सत्र से पहले बयान देना पड़ा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि जो भी गुनहगार होंगे उन्हें किसी भी सूरत में नहीं बख्शा जाएगा। गुनहगार कौन हैं? कैसे उनका गुनाह तय होगा? उन्हें क्या सजा मिलेगी? यह तो आने वाला समय बताएगा। फिलहाल क्या मणिपुर को बचाने के लिए सरकार वहां राष्ट्रपति शासन नहीं लगा सकती? मणिपुर की बीरेन सरकार अपने दायित्वों को पूरा करने में पूरी तरह असफल साबित हुई है। ऐसे में वहां के लोगों में विश्वास पैदा करने का एकमात्र उपाय राष्ट्रपति शासन है।

सबसे बड़ा सवाल है कि जिस घटना ने प्रधानमंत्री को द्रवित कर दिया, जिस शर्मनाक घटना ने सुप्रीम कोर्ट तक को सकते में डाल दिया क्या उस घटना को मणिपुर सरकार ने अब तक दबाए रखा था? यह सवाल इसलिए लाजमी है क्योंकि घटना 4 मई की है। इसकी एफआईआर भी घटना के करीब दो हफ्ते बाद दर्ज है। उस एफआईआर में विस्तार से पूरी घटना को बताया गया है। ऐसे में यह तो कतई संभव नहीं कि वहां की पुलिस और प्रशासन सहित राज्य सरकार को पूरी घटना की जानकारी न हो।

आज सरकार अपील कर रही है कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करें। पर क्या सरकार यह जवाब दे सकती है कि अगर सोशल मीडिया की ताकत नहीं होती तो क्या प्रधानमंत्री आज बयान देने सामने आते? क्या सुप्रीम कोर्ट को इस मामले की गंभीरता का पता चल पाता? क्या पूरा देश यह जान पाता कि मणिपुर में स्थिति कितनी भयावह है?

सीधा जबाव है - नहीं। राज्य सरकार ने मणिपुर में हिंसा शुरू होते ही राज्य में इंटरनेट सेवा पर रोक लगा दी थी। ऐसे में बहुत कुछ ऐसा है जो वक्त की गर्त में दफन है। आने वाले समय में जैसे-जैसे वहां के लोग बाहर आएंगे, इंटरनेट की सुविधा मिलनी शुरू होगी कई और भी खौफनाक वीडियो सामने आने की आशंका है। हालात अभी वहां सामान्य नहीं हुए हैं। हिंसा की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऐसे में राज्य सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना वाजिब है।

वीडियो वायरल होने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह बयान दे रहे हैं कि पीड़ित महिलाओं के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुरुवार को एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वे बयान ऐसे दे रहे हैं मानो एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर बहुत बड़ा काम कर दिया हो। सवाल पूछा जाना चाहिए कि इतने दिनों से सरकारी तंत्र क्या कर रहा था। क्या वीडियो वायरल होने का इंतजार हो रहा था? या इस बात का इंतजार हो रहा था कि जब पूरा देश खुद को शर्मशार होता देख ले तब हम गिरफ्तारी करेंगे?

केंद्र ने हिंसा शुरू होते ही वहां अपने आब्जॉर्बर नियुक्त कर दिए थे। दिल्ली से अधिकारियों को कमान संभालने के लिए भेज दिया गया था। उन अधिकारियों से भी सवाल पूछा जाना चाहिए कि उन्हें इस हृदय विदारक घटना की जानकारी थी या नहीं? अगर थी तो उसे केंद्र सरकार को क्यों नहीं बताया गया। गृहमंत्री लगातार मणिपुर मामले में बैठक कर रहे हैं, ऐसे में क्या गृहमंत्रालय को भी वास्तविकता से दूर रखा गया?

अब जब सबकुछ सामने है। पूरा देश देख रहा है कि मणिपुर में विभत्स से विभत्स क्या हो सकता है। केंद्र सरकार को और भी कड़ा कदम उठाना चाहिए। राज्य की बीरेन सरकार, उनकी पुलिस और प्रशासनिक अमले पर आरोप लगते आ रहे हैं कि अधिकतर लोग मैतेई समुदाय से ही आते हैं इसीलिए सरकार ने उन्हें खुली छूट दे रखी है।

त्वरित न्याय के लिए

भारतीय अदालतों में लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ से ऊपर जाने लगी है, तो यह चिंताजनक है। राज्यसभा में एक लिखित जवाब में केंद्रीय मंत्री ने बताया है कि भारतीय अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या 5.02 करोड़ से ज्यादा हो गई है। लंबित मामले हमारे लिए निरंतर चिंता का विषय बने हुए हैं। अकेले सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या 69,766 हो गई है। एक अनुमान के अनुसार, भारत में दस में से नौ मामले अदालतों में लंबित रहते हैं। केवल दस प्रतिशत मामलों में ही त्वरित कार्यवाही चल पाती है। आखिर इतने मामले क्यों लंबित हैं? इसका एक पहलू यह भी है कि लोग पहले की तुलना में अपने अधिकारों को लेकर ज्यादा सजग हुए हैं, इसलिए अदालत पहुंचकर अपना अधिकार लेने की चेष्टा कर रहे हैं। वैसे बढ़ती जागरूकता जहां अच्छी बात है, वहीं मामलों का लंबित रहना बड़ी चिंता की बात है। ध्यान रहे, लोग न्याय की प्रत्याशा में ही अदालत का रुख करते हैं। ऐसे में, अगर उन्हें जल्दी न्याय नहीं मिलेगा, तो वे दूसरे रास्ते अपनाएंगे, जो देश में कानून-व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक बात नहीं होगी।

लंबित मामलों पर चिंता पहले भी कई बार उठी है। पिछले वर्ष जुलाई में भारत के प्रधान न्यायाधीश एन वी रमन्ना ने देश में ज्यादा लंबित मामलों पर तत्कालीन कानून एवं न्याय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा व्यक्त की गई चिंताओं का जवाब देते हुए कहा था कि न्यायिक रिक्तियों को न भरना इसका प्रमुख कारण है। तब भी यह चिंता जताई गई थी कि लंबित मामलों की संख्या पांच करोड़ को पार करने वाली है, पर अब जब वाकई पार कर गई है, तो सभी संबंधित पक्षों को सजग हो जाना चाहिए। लंबित मामलों को जल्द से जल्द न्याय तक पहुंचाने के लिए सरकार और न्यायपालिका के बीच अच्छा समन्वय होना चाहिए। पिछले साल ही देश के प्रधान न्यायाधीश ने केंद्रीय मंत्री को कह दिया था कि न्यायिक रिक्तियों को भरना और न्यायिक बुनियादी ढांचे में सुधार करना जरूरी है। क्या विगत एक वर्ष में इस दिशा में गंभीरता से काम हुआ है? दिसंबर 2022 तक देश के 25 उच्च न्यायालयों में जजों की संख्या होनी चाहिए थी 1,108, पर जज थे 778 कुल। निचली अदालतों की बात करें, तो जजों के पद थे 24,631 और जज थे 19,288 मात्र। इतने पद खाली कैसे हैं? आज जरूरत समग्रता में सोचने की है। मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जैसे, बताया जा रहा है, मणिपुर में ही 3 मई के बाद हुए दंगों के चलते 6,000 से अधिक एफआईआर दर्ज हुए हैं, इनमें से ज्यादातर मामले अदालतों में जाएंगे और दोषियों को सजा मिलने में न जाने कितना समय लगेगा? यदि मणिपुर में तत्काल प्रभाव से कानून का राज कायम करना है, तो अदालतों को भी त्वरित न्याय करना होगा। अपराधी लंबित मामलों में अपने बचाव की गुंजाइश देखते हैं, जबकि पीड़ित को सालों बाद जब न्याय मिलता है, तो न्याय अपना महत्व लगभग खोकर समाज में अन्याय को बढ़ावा देता है। त्वरित न्याय पूरी व्यवस्था की जिम्मेदारी है। न्याय और वह भी त्वरित न्याय का माहौल बनाने की कोशिश में हम चीन जैसी तानाशाही व्यवस्था का अनुसरण नहीं कर सकते, पर अपनी लोकतांत्रिक सीमाओं में रहते हुए न्यायिक प्रक्रिया को तेज करने के हरसंभव उपाय तो कर ही सकते हैं। भारत जैसी विशाल आबादी वाले देश-समाज में अमन-चैन के लिए यही होना चाहिए।

मणिपुर मामले का आकार - मानसून सत्र लाचार - हंगामे का वार पलटवार

महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई - बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई

हमारे शासन पर हंगामे से शाब्दिक वार - तुम्हारे शासन पर भी घटनाओं हुई से शाब्दिक पलटवार - ए बाबू ! जनता देख रही है, 2024 में जवाब देने को है तैयार - एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर आदि अनादि काल से भारत अनेक कठिनाइयों विपत्तियों अन्यायों का मुकाबला कर सफ़लता अर्जित की है, जिसके सटीक उदाहरण महाभारत रामायण 200 से अधिक वर्षो की गुलामी से लेकर आजादी के 1947 के दंगों से लेकर ताज हमला संसद हमला से लेकर जेके में आतंकवाद सहित अनेक विपत्तियों से मुकाबला कर विजय का झंडा लहराया है।

उसी कड़ी में 20 जुलाई 2023 को सोशल मीडियामें आई दो महिलाओं पर दरिंदगी से पूरा देश शर्मसार महसूस कर रहा है, इसलिए हमें पक्ष विपक्ष जनता जनार्दन शासन-प्रशासन सभी को मिलकर एक मंच से इसका मुकाबला कर सोच विचार आपसी ज्ञान चर्चा कर दोषियों को कड़ी सजा, प्रशासनिक अधिकारियों लापरवाह अधिकारियों जिम्मेदार पदों पर विराजित व्यक्तियों पर कार्यवाही करना लाजमी है, जिससे कि पिछले दो माह से मणिपुर जल रहा था।

4 मई 2023 की घटना को अभी संज्ञान में आना, पीएम के अमेरिका दौरे पर जाते समय दस विपक्षी पार्टियों ने मणिपुर संबंधी दंगे पर मेमोरेंडम देना, केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा दो-तीन दिन मणिपुर में रहकर क्या समाधान किए?

जैसे मुद्दों पर विचार विमर्श करने की ज़रूरत है. संयोगवश अभी संसद का मानसून सत्र भी 20 जुलाई से 11 अगस्त 2023 तक शुरू है जिसमें सुलभता से चर्चा कर समाधान निकाला जा सकता है। परंतु यह क्या ? दो दिनों से हम मीडिया के माध्यम से टीवी चैनलों पर देख सुन रहे हैं, संसद के अंदर हंगामा जिसमें मणिपुर का मामला, पीएम के बयान की मांग, नियम 267 का नोटिस, मणिपुर पर चर्चा की मांग है तो पक्ष द्वारा संबंधित मंत्रालय के गृहमंत्री के बयान, महत्वपूर्ण बिलों को पास करने जैसे तर्क दे रहा है और संसद के बाहर तुम्हारे शासन और हमारे शासन की बात पर तर्क वितर्क किए जा रहे हैं। हर पक्ष दूसरे पक्ष वाली सरकार शासन में महिलाओं पर अत्याचार की बात कर रहे हैं।

21 जुलाई 2023 को शाम एक पक्ष महिला संसद उनके राज्य में महिलाओं पर हो रहे भारी अत्याचार सुना कर रो पड़ी, जिसे सभी चैनलों द्वारा दिखाएं गया तो दूसरी तरफ 21 जुलाई 2022 को ही विपक्ष शासन राज्य में उनके एक मंत्री द्वारा विधानसभा में अपनी ही सरकार पर महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए तो उन्हें हाईकमान से विचार विमर्श कर तुरंत बर्खास्त कर दिया गया इस संबंध में माननीय सीएम शनिवार 22 जुलाई 2023 को पीसी कर अपना पक्ष रखे हैं। इसलिए चूंकि महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई , बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई। इसलिए आज हम मीडिया उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मणिपुर मामले का आकार, मानसून सत्र लाचार, हंगामे पर वार पलटवार।

साथियों बात अगर हम 17वीं लोकसभा के 12 वें सत्र के दूसरे दिन मणिपुर मामले पर मानसून सत्र में 21 जुलाई 2023 का दिन भी भेंट चढ़ने की करें तो, मानसून सत्र के दूसरे दिन मणिपुर की स्थिति पर विपक्षी सांसदों के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक, फिर सोमवार 24 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा की कार्यवाही भी पहले दोपहर 2-30 बजे और फिर 24 जुलाई तक के लिएस्थगित कर दी गई। मानसून सत्र के दूसरे दिन राज्यसभा में भी कोई कामकाज नहीं हो सका।

लोकसभा स्थगित, 24 जुलाई, 2023 को पूर्वाह्न 11 बजे फिर से बैठक होगी। विपक्षी सांसदों ने मणिपुर मुद्दे को लेकर हंगामा और नारेबाजी की, विपक्ष की मांग है कि पीएम संसद में मणिपुर की घटना पर बयान दें और इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान उपस्थित रहें। मणिपुर मुद्दे पर संसद में हंगामे पर संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, दोनों सदनों के अध्यक्ष जब भी निर्देश देंगे हम चर्चा के लिए तैयार हैंकेंद्रीय गृह मंत्री ने आधिकारिक तौर पर लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति से कहा है कि हम चर्चा के लिए तैयार हैं। विपक्ष के लिए एक को छोड़कर नई मांग करना और चर्चा में बाधा डालना गलत है।

महत्वपूर्ण विधेयक हैं और पीएम के नेतृत्व में पक्ष संसद में व्यापक चर्चा करना चाहती है, विपक्ष सिर्फ एक गलत नरेटिव गढ़नेऔर संसद की कार्यवाही को बाधित करने की कोशिश कर रहा है। लोकसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच रक्षा मंत्री ने कहा, मणिपुर की घटना निश्चित रूप से बहुत गंभीर है और स्थिति को समझते हुए, पीएम ने खुद कहा है कि मणिपुर में जो हुआ उसने पूरे देश को शर्मसार कर दिया है। पीएम ने कहा है कि घटना पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। हम तो यही चाहते हैं, मैंने यह सर्वदलीय बैठक में कहा था और मैं इसे संसद में दोहराता हूं कि हम मणिपुर पर सदन में चर्चा चाहते हैं। लेकिन मैं देख रहा हूं कि कुछ राजनीतिक दल हैं जो अनावश्यक रूप से यहां ऐसी स्थिति पैदा करना चाहते हैं ताकि मणिपुर पर चर्चा ही न हो सके।

मैं स्पष्ट रूप से आरोप लगा रहा हूं कि यह विपक्ष मणिपुर पर उतना गंभीर नहीं है जितना उन्हें होना चाहिए। पक्ष ने गुरुवार कोपूर्वोत्तर राज्य में दो महिलाओं को नग्न घुमाने के 4 मई के वीडियो के सामने आने के समय पर सवाल उठाया, सत्तारूढ़ दल ने कहा कि मणिपुर की स्थिति पर चर्चा से हिंसा प्रभावित राज्य के लोगों को सार्थक और सकारात्मक संदेश जाता लेकिन विपक्षी दलों ने ऐसा नहीं होने दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि विपक्ष शासित राज्यों में महिलाओं के साथ हुई हिंसा के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के दौरान हुई हिंसा का मामला भी सामने आ सकता है।

विपक्ष संसद ने लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव नोटिस देकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा कराने की मांग की है।एके सांसद ने राज्यसभा में नियम 267 के तहत सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस देकर मणिपुर के हालात पर चर्चा कराने की मांग की है। राजद सांसद ने भी राज्यसभा में नियम 267 के तहत सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया है और मणिपुर की स्थिति पर चर्चा की मांग की है।

साथियों नियम 267 क्या है ?जिसके तहत राज्यसभासदस्य देते हैं सस्पेंशन ऑफ? बिजनेस% नोटिस! राज्यों की परिषद (राज्य सभा) में प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियमों के अनुसार, नियम 267 के तहत, कोई भी सदस्य, सभापति की सहमति से, यह प्रस्ताव कर सकता है कि उस दिन की परिषद के समक्ष सूचीबद्ध कार्यों से संबंधित किसी प्रस्ताव पर लागू होने वाले किसी भी नियम को निलंबित किया जा सकता है और यदि प्रस्ताव पारितहो जाता है,तो विचाराधीन नियम को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया जाएगा। एक ओर जहां सत्ता पक्ष महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगा, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग सहित अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि सत्र में महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाने हैं, ऐसे में सभी दलों को सत्र चलाने में सहयोग करना चाहिए क्योंकि सरकार नियम व प्रक्रिया के तहत किसी भी विषय पर चर्चा कराने से पीछे नहीं हट रही है. वहीं, हाल में कांग्रेस पार्टी की, संसदीय रणनीति समूह की बैठक में सत्र के दौरान मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, संघीय ढांचे पर कथित आक्रमण,जीएसटी को पीएमएलए के दायरे में लाने और महंगाई पर चर्चा कराने की मांग उठाने पर जोर देने की बात कही गई थी।

साथियों बात अगर हम एक पक्ष संसद महिला के रोने की करें तो, एक महिला सांसद एक राज्य की महिलाओं की स्थिति बताते टीवी पर भयंकर रो पड़ी और कहने लगी कि मणिपुर देख रहे हो पहले बंगाल को तो देखो ठीक उसीतरह विधानसभा में एक विधायक ने भी यही कहा कि पहले अपने राज्य में देखो, इनको कैसी बातें कर रहे हो कहकर उसे सस्पेंड कर दिया गया यह कैसी राजनीति है।

साथियों बात अगर हम विपक्षी शासित राज्य में सीएम द्वारा अपने मंत्री की बर्खास्तगी की करें तो, मंत्री ने मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार के मामलों की तुलना अपने राज्य में महिलाओं पर होने वाली घटना से की थी। उन्होंने विधानसभा सत्र के दौरान कहा कि राज्य में भी महिलाओं के साथ बहुत अत्याचार हो रहा है। सरकार को मणिपुर के बजाय अपने राज्य में महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचारों पर ध्यान देना चाहिए। इस बयान के बाद सीए ने उन्हें मंत्रीमंडल से बर्खास्त कर दिया है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुक्रवार 21 जुलाई को विधानसभा में अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए थे तो उनपर कार्रवाई करते हुए उनकी बर्खास्तगी के लिए राज्यपाल को अनुशंसा की, जिसके बाद उन्हें बर्खास्त कर दिया गया, इस मामले पर मुख्यमंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मणिपुर मामले का आकार - मानसून सत्र लाचार - हंगामे का वार पलटवार महिलाओं की सुरक्षा पर राजनीति गरमाई-बात तुम्हारा शासन हमारा शासन पर आई ,हमारे शासन पर हंगामे से शाब्दिक वार - तुम्हारे शासन पर भी घटनाओं हुई से शाब्दिक पलटवार - ए बाबू ! जनता देख रही है, 2024 में जवाब देने को है तैयार।

जल प्रलय और भूकंप के झटके मानवीय अति का परिणाम

जल के भयानक रौद्र रूप से देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल दिया है। दिल्ली ,गुजरात ,महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड में मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की हैद्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फल स्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ा है देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 200 जीवन काल कवलित हो गए हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे। ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियां पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरुप होने वाला हैद्य जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है।

तिरंगा तुझे नमन!

तिरंगा तुझे नमन !
अभिनंदन है,
पूजन-वंदन है
तिरंगा तुझे नमन !

माँ भारती के भाल का
तू अमिट चंदन है,
शहीदों के सम्मान का
तू अनंत स्पंदन है ।

खेतों की हरियाली है
संस्कृति की सच्चाई है,
वीरों में बल भरने वाला
केसरिया की तरुणाई है ।

देश रहे गतिमान हमारा
प्रगति पथ दिनमान हमारा,
गतिशील रहे चक्र झंडा का
तू है मान-सम्मान हमारा ।

प्रतीक है त्याग-बलिदान का
प्रतीक है भारत की शान का,
मरते हैं तुझ पर 140 करोड़
तू पर्याय है हिन्दुस्तान का ।

अवतरण दिवस पर तेरा स्वागत
गर्व करता तिरंगे पर भारत,
साष्टांग दंडवत स्वीकार करो
अभिनंदन करते हम शत-शत !

राजीव गौतम, कवि,
बिहार/दिल्ली एनसीआर

भारत में दल बदल की बढ़ती प्रवृत्ति राजनीति में आने वाले कल के लिए संकट

संजय सिंह

सत्ता में बने रहने की चाह बढ़ा रही है दल बदल की प्रवृत्ति मतदाता का अपमान है दल बदल की बढ़ती प्रवृत्ति

हाल के वर्षों में भारत में चुनी हुई सरकारों को दल बदल के माध्यम से गिरा देना और विपक्ष द्वारा सत्तारूढ़ दल के विधायकों को अपने साथ लाकर सत्ता को अस्थिर कर देने का एक चलन सा बन गया है। भारत में जनादेश का कोई मतलब अब दिखाई नहीं देता। जनादेश का सम्मान भी बस कहने भर के लिए रह गया है। वर्तमान में राजनीति में आकांक्षाएं व महत्वाकांक्षाएं अपने चरम पर हैं और सत्ता में बने रहने की चाह दल बदल को तेजी से बढ़ा रही है। मतदाता भले ही किसी दल की विचारधारा से प्रभावित होकर किसी को वोट करे लेकिन यह जरूरी नहीं कि चयनित विधायक या सांसद उसी दल में रहे। अब चुनाव के दौरान आम मतदाता भी कहने लगे हैं कि कौन जीतेगा, पता नहीं लेकिन सरकार कौन बनाएगा यह निश्चित है।

मतदाता जिस दल के लिए एकजुट होकर वोट करते हैं वही दल दूसरे या तीसरे दल की तरफ हो जाते हैं। मतदाता का किसी राजनीतिक दल या नेता से व्यक्तिगत लगाव हो सकता है, किसी गठबंधन से भी मतदाता के सार्वजनिक हित जुड़े हो सकते हैं लेकिन उस पार्टी या गठबंधन से चुना हुआ नेता उसे छोड़कर किसी और दल में जाता है तो इससे मतदाता के वोट का कोई मतलब नहीं रह जाता है। अधिकांशत: दलबदल केवल निजी स्वार्थों के कारण ही होता है। पद, पैसा या महत्वाकांक्षा के कारण ही दल बदल होता है लेकिन इसमें हमारा यानी वोटर का हित कहां है। हम इसे समझना ही नहीं चाहते। आम मतदाता की जन भावनाओं को राजनीतिक दल कुचलते हैं लेकिन लोकतंत्र के इस बिगड़ते स्वरूप को बचाने के लिए कोई आगे नहीं आ रहा है। जो नेता दूसरे दल को गाली देते हुए नहीं थकते हैं जब वह उसी दल में जाकर मिलते हैं तो उसके कसीदे पढ़ने लगते हैं। अपने भ्रष्टाचार को वाशिंग मशीन में धोकर साफ सुथरा करने के लिए ही वह सत्ता पक्ष के साथ खड़े हो जाते हैं।

पिछले दिनों महाराष्ट्र में जो हुआ उसने तो राजनीति में खरीद-फरोख्त की एक नई इबारत लिख दी है। विचारधारा की दृष्टि से बिल्कुल अलग गठजोड़ अब दिखाई देने लगे हैं। महाराष्ट्र की राजनीति दलबदल की बड़ी प्रयोगशाला बन गई है। वहां पिछले कुछ महीनों के राजनीतिक घटनाक्रम बताते हैं कि नैतिकता और जन हित की पैरोकारी की दुहाई देने वाले नेता सत्ता हथियाने को कैसे रंग ढंग बदलते हैं। कई राज्यों में बहुमत वाली सरकारें दल बदल के कारण अल्पमत में आईं, बाद में उस दल की सरकार बनी जिसे जनता ने सरकार बनाने का जनादेश नहीं दिया था। कर्नाटक और मध्यप्रदेश में भी विधायकों के इस्तीफे दिए जाने के कारण सरकारे अल्पमत में आईं। मौजूदा दल बदल कानून विधायकों को इस्तीफा देने से नहीं रोकता है। सैद्धांतिक तौर पर भी देखा जाए तो सांसद अथवा विधायक के तौर पर निर्वाचित व्यक्ति यदि इस्तीफा देकर दूसरे दल में शामिल होता है तो वह गलत नहीं माना जा सकता। विधायकों और सांसदों के दल बदल में अब यही पैटर्न देखने को मिल रहा है। लेकिन, निकायों के प्रतिनिधि दल को छोड़े बगैर ही क्रॉस वोटिंग के जरिए अपनी प्रतिष्ठा को दांव पर लगा रहे हैं।

आने वाले दिनों में भारत के 5 राज्यों में चुनाव होना है जहां अक्टूबर में आचार संहिता लागू हो जाएगी। अभी से राज्यों में दलबदल की संभावनाएं दिखाई पड़ने लगी है। इसमें कोई भी दल एक दूसरे से कम नहीं है, मतदाता को सिर्फ ठगा जा रहा है। दो दल मिलकर चुनाव लड़ते हैं और जीतते हैं तो सरकार बनाते वक्त धुर विरोधी दल से मिल जाते हैं। मतदाता के पास कोई अधिकार नहीं है कि वह इसका विरोध कर सके। यकीनन यह उसके मताधिकार का अपमान होता है। नेताओं को सत्ता में हिस्सा चाहिए इसीलिए दल बदल किया जाता है, हालांकि राजनीतिक दलों की दलील होती है कि जनता की खुशहाली के लिए राज्य के विकास के लिए फैसला लिया गया। एक वक्त था जब दलबदल को राजनीति में बहुत ही हेय दृष्टि से देखा जाता था। दल बदलते भी थे लेकिन खुद को असली पार्टी बताने का दावा नहीं करते थे। इस दल बदल के खेल में सबसे अधिक फायदा छोटे दलों को हो रहा है जो मोलभाव करने में सबसे अधिक फायदा उठा रहे हैं। अब जब कोई गुट टूटता है तो टूटने के साथ ही खुद को असली पार्टी घोषित कर देता है। महाराष्ट्र में पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे और अब राकपा के अजीत कुमार इस राजनीति के अगुआ हैं। वहीं राजनीति में अब नए तरह का प्रचलन देखने को मिल रहा है कि ताकतवर दल, दूसरे दलों के बीच दो फाड़ करने में माहिर हो रहे हैं।

छोटे दलों में कई तरह के स्वार्थ लाभ और भय उन्हें दल बदल करने के लिए मजबूर बना रहे हैं। कहा जा रहा है कि सरकारी एजेंसियों के छापे के डर से ऐसा हो रहा है। सवाल उठता है कि आखिर नेता छापे से डरते क्यों हैं? अगर बात साफ-साफ है तो मीडिया या सीबीआई क्या बिगाड़ लेगी लेकिन वे जानते हैं कि बात इतने भर की नहीं है। वे जानते हैं कि जांच एजेंसियों के पास इतने सारे पेंच होते हैं कि उनमें उलझाया जा सकता है। कायदे से इनमें चुनाव आयोग को दखल देना चाहिए। कुछ जानकारों का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट को भी हस्तक्षेप करना चाहिए। चुनाव सुधार के मामले में सुप्रीम कोर्ट पहले भी बड़े-बड़े फैसले दे चुका है। 2 साल से ज्यादा की सजा पाने वालों की सदस्यता रद्द करने या 6 साल तक चुनाव पर रोक लगाने का फैसला भी सुप्रीम कोर्ट ने ही दिया था। अब दल बदल कानून पर भी कोर्ट को सख्त रुख अपनाने की जरूरत है ताकि राजनीतिक पार्टियां इसका दुरुपयोग न कर सके। देश में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म लगातार मुहिम चला रहा है। मतदाता जागरूक होकर जनादेश का माहौल उड़ाने वालों को अपनी वोट की ताकत से मतदाता का अधिकार बताने की कोशिश करें।

देश में अभी सांसद और विधायकों के दलबदल को रोकने वाला ही कानून लागू है बावजूद इसके देश में बड़ी संख्या में विधायक दल बदल करते नज़र आ रहे हैं। भारतीय राजनीति में जारी दल बदल का खेल बताता है कि सत्ता हथियाने को व्याकुल नेता किसी भी हथकंडे को अपना रहे हैं।

नैतिक और सामाजिक मूल्य उनके लिए कोई मायने नहीं रखते हैं। वे सत्ता हथियाने के लिए किसी से भी हाथ मिलाने को तैयार बैठे हैं। नेताओं की कुटिल चाले लोकतंत्र और नियम कायदे के प्रति आस्था रखने वाले मतदाताओं को निराश करती हैं। ऐसे में देश में अराजकता का माहौल बनने की संभावना भी प्रबल होती है। कांग्रेस हो या भाजपा, शिवसेना हो या एनसीपी सबका अपना संविधान हैं। जनहित की पैरोकारी का दावा करने वाले इन सभी दलों की नीतियां और रीतियां भी अलग अलग तय हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन सभी दलों ने अपनी नीतियों के साथ जनहित और जन आकांक्षाओं की अवहेलना कर स्वार्थ सिद्धि के लिए बेमेल गठजोड़ किए। उनके गठजोड़ का प्रयोग और उनकी कार्यशैली बता देती है कि सत्ता की मलाई जीमने को वो किसी हद तक जा सकते हैं।

यह तो साफ़ है कि दलबदल के चलते मतदाता भ्रमित हो रहे हैं कि वे पार्टी को मद्देनजर रखकर वोट करें या प्रतिनिधि को।

नेताओं की विचारधारा सत्ता में बने रहने की है जिसके चलते राजनीति में शुचिता कम हो रही है। दलबदल के चलते लोकतांत्रिक मूल्यों में भारी गिरावट को देखा जा सकता है जो आने वाले समय में भारतीय लोकतंत्र के लिए हानिकारक साबित होगा।

लेखक एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म (एडीआर), यूपी इलेक्शन वाच के मुख्य संयोजक है

शार्ट न्यूज

बहराइच में तेंदुये के हमले से बालिका घायल

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले के मुर्तिहा-वन रेंज मोतीपुर अंतर्गत ग्राम सेमई गौड़ी में शौच के लिए गयी बालिका पर तेंदुए ने हमला करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने इलाज के लिए बालिका को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है। वन विभाग के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि मुर्तिहा-वन रेंज मोतीपुर अंतर्गत ग्राम सेमई गौड़ी में बालिका को तेंदुए ने हमला करके घायल कर दिया है। राजेश कुमार सिंह निवासी लहरपुर जिला सीतापुर अपनी ससुराल सेमई गौड़ी में पिछले कुछ दिनों से रह रहे थे। शुक्रवार देर शाम उनकी पुत्री प्रीति सिंह (09) घर के बगल खेत मे शौच के लिए गयी थी। झाड़ियो में छिपे तेंदुए ने उसको दबोच लिया। उसके चीखने की आवाज पर घर वाले दौड पड़े और शोर मचाने लगे। जिससे घबड़ाकर तेंदुआ बच्ची को छोड़ कर भाग गया। आनन फानन में घर वाले ने बच्ची को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिहीपुरवा में भर्ती कराया है। जहां प्रीति का इलाज चल रहा है। वन क्षेत्राधिकारी एस.के. तिवारी ने अस्पताल जाकर बच्ची का हालचाल लिया और इलाज के लिए तात्कालिक सहायता के रूप में दस हजार रुपये नगद दिए। वन क्षेत्राधिकारी ने लोगों से अपील की है कि अंधेरे में, गन्ने के खेतों में अकेले नहीं जायें,बच्चों को अकेला न भेजें, तथा सतर्कता बरतें।

डेढ़ साल के मासूम की टब में डूबकर मौत

गोरखपुर। गोरखपुर में एक डेढ़ साल के मासूम की पानी से भरे टब में डूबने से मौत हो गई। दो घंटे बाद जब मां ने खोजना शुरू किया तो वह टब में गिरा मिला। परिवार के लोग आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए। लेकिन, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। यह घटना सहजनवां के बनौली गांव की है। बनौली गांव के रहने वाले गुड्डू यादव की शादी करीब 5 साल पहले हुई थी। वह 4 भाइयों में तीसरे नंबर के हैं। परिवार के मुताबिक, शादी के बाद उन्हें बच्चा नहीं हो रहा था। जिसका उन्होंने काफी इलाज भी कराया। कई धार्मिक स्थलों पर मिन्नतें भी मांगी। इसके बाद आयुष पैदा हुआ था। शुक्रवार को गुड्डू किसी काम से बाहर गए थे। उनकी पत्नी घर का काम करने के बाद बाथरूम में रखे टब में कपड़ा धुलीं। फिर बाथरूम का दरवाजा खुला छोड़कर वे चली गईं, टब में पानी भरा हुआ था। शाम 7 बजे के करीब घर के बाहर कुछ महिलाओं के साथ बैठकर बात कर रही थीं। इधर, मासूम खेलते-खेलते बाथरूम के पास पहुंचा और टब में भरे पानी में गिर गया।

गोरखपुर में युवती को बंधक बनाकर गैंगरेप

गोरखपुर। गोरखपुर में एक बार फिर एक युवती को बंधक बनाकर गैंगरेप का मामला सामने आया है। वह घर से शौच के लिए गई थी। इस बीच रात 2 बजे गांव के ही 3 युवकों ने उसे पकड़ लिया और फिर बाग में ले जाकर उसके साथ दरिंदगी की। काफी देर तक बेटी जब घर नहीं लौटी तो इस बीच मां की नींद खुल गई। वह बेटी को खोजते हुए बाग की तरफ गई तो देखा कि अंधेरे का फायदा उठाकर 3 युवकों ने बेटी को पकड़ रखा है और वह बचाव के लिए चीख रही है। यह देखकर उसने शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। घटना 16 जुलाई को उरूवा बाजार क्षेत्र की है। पीड़िता की मां का कहना है, घटना के बाद ही पुलिस को इसकी सूचना दी गई। लेकिन, पहले पुलिस ने छेड़खानी और कपड़े फाड़ने का केस दर्ज किया था, लेकिन युवती के बयान में सामने आया कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। इसके बाद पुलिस ने गैंगरेप की धारा को बढ़ाते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एयपी साउथ अरुण कुमार सिंह ने बताया, साक्ष्यों और बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार लिया गया है।

लखनऊ से फर्जी फाइटर लेफ्टिनेंट अरेस्ट

लखनऊ। UP STF ने लखनऊ के चिनहट इलाके से एयरफोर्स के फर्जी अफसर को गिरफ्तार किया है। वह खुद को फाइटर लेफ्टिनेंट बताता था। वह वर्दी पहनकर लोगों से मिलता था। फिर उन्हें अपने जाल में फंसाता था। इसके बाद इंडियन एयरफोर्स में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करता था। इसके बाद कई लोगों को फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर देता था। ASP STF अमित कुमार नागर ने बताया, मिलिट्री इंटेलिजेंस के पास कुछ दिनों से सेना में भर्ती के नाम पर ठगी के इनपुट मिल रहे थे। लखनऊ, कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी आदि जिलों में ठगी का कारोबार की शिकायतें मिल रही थी। इसके बाद से स्क्वॉड की टीम जांच में लगी थी। मुखबिर की सूचना पर शनिवार को चिनहट के पास से एक युवक को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि युवक की पहचान कुशीनगर के सरगटिया गांव के रहने वाले उत्कर्ष पांडेय के रूप में हुई है। वह खुद को फाइटर लेफ्टिनेंट बता रहा था। उसके पास सेना की वर्दी और उससे जुड़े कई फर्जी दस्तावेज भी मिले हैं। उसके बारे में पूछने पर वह जवाब नहीं दे पाया। इसके बाद उसे अरेस्ट कर लिया गया।

बलिया में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बलिया। बलिया में एक युवक ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। घटना सहतवार थाना क्षेत्र के बिसौली की है। बिसौली निवासी राजकुमार वर्मा (35) शुक्रवार के शाम को अपने घर के सदस्यों के साथ खाना खाकर अपने रुम में सोने चला गया और अपनी पत्नी अकिंता देवी से कहा कि तुम छत पर जाकर सो जाओ। सुबह उसकी पत्नी नीचे आई तो दरवाजे खुलवाने लगी, लेकिन अन्दर से कोई आवाज़ नहीं आई। खिड़की से देखा तो वह अवाक रह गयी और अंदर का नजारा देख चिल्ला चिल्लाकर रोने लगी। रोने की आवाज सुनकर घर के सदस्य जब खिड़की की तरफ देखे तो उनके होश उड़ गये। इसी बीच किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सहतवार पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बलिया भेज दिया। मृतक राजकुमार के एक लड़का और एक लड़की है।

मऊ में गुम हुए 81 मोबाइल फोन बरामद

मऊ। मऊ में गुम हुए 81 मोबाइल को पुलिस ने बरामद कर मोबाइल मालिकों को सुपुर्द किया है। जनपद के विभिन्न थानों पर मोबाइल गुम होने से संबंधित जानकारी प्राप्त होने के बाद पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे के नेतृत्व में टीम गठित कर अभियान चलाया गया। इसमें पुलिस, सर्विलांस और साइबर सेल द्वारा संयुक्त कार्रवाई में 81 मोबाइल फोन बरामद किए गए। नगर क्षेत्र में 26 और पूरे जनपद में कुल 81 मोबाइल बरामद किया गया है। थाना कोतवाली नगर में नगर क्षेत्र में गुम हुए मोबाइल फोन के स्वामियों को बुलाकर उनके हाथ में उनका मोबाइल क्षेत्राधिकारी नगर धनंजय मिश्रा द्वारा सौंप दिया गया।मोबाइल पाकर वंदना श्रीवास्तव ने बताया कि अब हमें मोबाइल मिलने की उम्मीद नहीं थी। लेकिन पुलिस ने हमारी मोबाइल खोज कर हमें दे दिया, जिससे हम बहुत खुश हैं। मेरी मोबाइल यात्रा करते समय किसी ने बैंक से निकाल लिया था। जब पुलिस ने फोन करके बताया कि आपकी मोबाइल मिल गई है। तब मुझे विश्वास नहीं हुआ, लेकिन जब यहां आकर देखी तो मुझे बहुत खुशी हुई।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

राठ। हमीरपुर में एक गांव में युवक ने युवती को शादी का झांसा देकर कई सालों तक उसके साथ शारीरिक शोषण किया। युवती के गर्भवती होने पर उक्त युवक ने राठ कस्बे के एक प्राइवेट अस्पताल में गर्भपात भी करा दिया। उसे कई बार गर्भनिरोधक गोलियां भी खिलाईं। जब युवती ने अपने प्रेमी से विवाह करने के लिए कहा तो युवक ने विवाह करने से इंकार करते हुए युवती को गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दे डाली। जिसके बाद आज दोपहर के समय पीड़ित युवती ने राठ कोतवाली में घटना की लिखित तहरीर देकर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। राठ कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की निवासी युवती ने बताया कि गांव के ही एक युवक ने उसे अपने प्रेम जाल में फंसाकर तथा उसे विवाह का झांसा देकर बीते कई वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण किया। बताया कि अपने प्रेमी के द्वारा शारीरिक शोषण करने के दौरान वह गर्भवती भी हो गई थी जिस पर उसके प्रेमी ने राठ कस्बे के एक निजी अस्पताल में ले जाकर उसका गर्भपात भी कराया।

माफिया के लिए महा काल है डबल इंजन की सरकार : योगी

मुजफ्फरनगर में 242 करोड़ की परियोजनाओं का मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास और लोकार्पण

मुजफ्फरनगर। माफिया, भ्रष्टाचारी, अपराधी और बहन बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने वालों के लिए डबल इंजन की सरकार महा काल है। बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाला कोई भी हो वो धरती पर नहीं रसातल में जाएगा। मुजफ्फरनगर में जो लोग पहले लोगों का पलायन कराते थे आज वो खुद पलायन कर चुके हैं। ये बातें शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उनका सौभाग्य है कि उन्हें भागवत भूमि शुक्रतीर्थ आने और यहां अक्षय वट को देखने का अवसर मिला है। प्रदेश सरकार बहुत जल्द शुक्रतीर्थ विकास परिषद् का गठन करने जा रही है, इसे लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। इससे पूर्व उन्होंने पौधरोपण करते हुए प्रदेशवासियों से एक-एक पेड़ लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने शुक्रतीर्थ में गायों को गुड़ खिलाया और मां गंगा की आरती भी की।

मां गंगा की पवित्र धारा का शुक्रतीर्थ से होकर गुजरने का सपना हुआ साकार

जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग चार वर्ष बाद उन्हें भागवत भूमि का दर्शन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। मां गंगा की पवित्र धारा का शुक्रतीर्थ से होकर गुजरने का सपना आज साकार हो रहा है। मां गंगा इस लोक में कोटि कोटि जीवों के जीवन में सुख और समृद्धि का संचार कर रही हैं और अब इनकी धारा शुक्रतीर्थ से होकर गुजरेगी। पूरी दुनिया में फैले भारतवंशी यहां के कथा व्यास को बुलाकर श्रीमद भागतव कथा का श्रवण करके अपने जीवन को धन्य करते हैं। ये भारत को भारत बनाने वाली भूमि है। शकुंतला पुत्र महाराज भरत ने यहीं जन्म लेकर हस्तिनापुर की विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास और विरासत की नई गाथा को आगे बढ़ा रहा है। काशी में विश्वनाथ धाम हो या सोमनाथ से लेकर केदारनाथ, बद्रीनाथ और महाकाल का पुनरोद्धार। यही नहीं अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर आकार ले रहा है।

जौनपुर में मणिपुर की अमानवीय घटना के खिलाफ कांग्रेसियों का प्रदर्शन

जौनपुर। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई अमानवीय घटना के विरोध में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में जुलूस निकाल कर प्रदर्शन किया। जौनपुर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिलाध्यक्ष फैसल हसन तबरेज और शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम एडवोकेट की अगुवाई में कलेक्ट्रेट स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए और केंद्र व मणिपुर सरकार के खिलाफ जबरदस्त नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने मणिपुर सरकार की बर्खास्तगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग का ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। तबरेज ने कहा कि मणिपुर कि घटना ने सभी भारत वासियों के दिलों को झकझोर कर रख दिया है, इसके बावजूद केंद्र की भाजपा सरकार और मणिपुर की भाजपा सरकार हाथ पे हाथ रखे बैठी है। राष्ट्रपति से हम मांग करते हैं कि तत्काल प्रभाव से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा कर शांति स्थापित करें।

महिलाओं को मिले सम्मान, इसलिए चलेगा अभियान

- महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान के प्रति समर्पित सीएम योगी के निर्देश पर महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन इस अभियान को लीड कर रहा है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व उनके स्वावलंबन के लिए मिशन शक्ति अभियान पहले से ही क्रियान्वित किया जा रहा है और अब योगी सरकार की ओर से प्रदेश की महिलाओं और बेटियों के सशक्तिकरण के लिए 10 दिवसीय विशेष अभियान की शुरुआत की गयी है।

महिलाओं की सुरक्षा और उनके सम्मान के प्रति समर्पित सीएम योगी के निर्देश पर महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन इस अभियान को लीड कर रहा है। इसकी शुरुआत 21 जुलाई से हो चुकी है, जो 30 जुलाई तक चलेगी। यही नहीं, अब हर माह की 21 से 30 तारीख तक इस अभियान को चलाया जाएगा और महिलाओं के प्रति होने वाले अपराधों, उनकी समस्याओं के निराकरण के साथ ही उन्हें समाज में सम्मानित स्थान दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन की अपर पुलिस महानिदेशक अनुपम कुलश्रेष्ठ ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर मिशन शक्ति के चौथे चरण के तहत प्रदेश भर में महिला सशक्तिकरण को लेकर दस दिवसीय अभियान की शुरुआत की गयी है, जो हर माह चलेगा। इस दौरान प्रदेश की महिलाओं और बेटियों को विभाग की शक्ति दीदी (महिला आरक्षी) की ओर से विभिन्न सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया जाएगा।

इस दौरान उन्हे इन योजनाओं का लाभ लेने में हो रही परेशानी को भी संबंधित विभाग से समन्वय बनाकर दूर किया जाएगा।

एएसपी सुधाकर यादव का हृदयाघात से निधन

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में पूर्व पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जगमोहन यादव के छोटे भाई सुधाकर यादव (एडिशनल एसपी फतेहपुर 12 वीं पीएसी) का शनिवार को हृदयाघात से निधन हो गया। वे लगभग 55 वर्ष के थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार क्षेत्र के तरहठी गांव निवासी सुधाकर यादव दो दिन पूर्व ही अपने घर परिजनों से मिलने आए थे। उनके बड़े भाई पूर्व ब्लाक प्रमुख बृजलाल यादव का परिवार गांव में ही रहता है। छुट्टी लेकर वह चार दिनों के लिए गांव आए हुए थे। शुक्रवार की रात को परिजनों के साथ भोजन करके वह अपने कमरे में सोने के लिए चले गये, आज सुबह नौ बजे तक वह अपने कमरे से नहीं निकले तो परिजन उन्हें चाय के लिए जगाने गये तो उनके शरीर में कोई हलचल नहीं हो रही थी फौरन डाक्टरों को सूचित किया गया और एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। दिवंगत श्री सुधाकर यादव पुलिस अधिकारी के रूप में नोएडा, वाराणसी, चंदौली, मीरजापुर, मुरादाबाद,में रह चुके हैं।

क्लास में इंसुलिन और ग्लूकोमीटर लेकर जा सकेंगे छात्र

लखनऊ। बच्चों में टाइप-1 डायबिटीज के खतरों को देखते हुए योगी सरकार ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण द्वारा दिए गए निर्देशों को प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया है।

इस संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा सभी मंडलीय शिक्षा निदेशकों (बेसिक) एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष द्वारा 0 से 19 वर्ष के छात्रों में टाइप-1 डायबिटीज रोग के नियंत्रण के लिए प्रदेश सरकार से कार्यवाही सुनिश्चित करने की अपील की गई थी। इसके बाद योगी सरकार ने बाल संरक्षण एवं

सुरक्षा के संबंध में दिशा निर्देश जारी किए हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पत्र को योगी सरकार ने गंभीरता से लेते हुए बेसिक शिक्षा विभाग पर इस पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से संयुक्त शिक्षा निदेशक (बेसिक) गणेश कुमार को इस पर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने के लिए पत्र लिखा गया, जिसके बाद पूरे प्रदेश में बेसिक शिक्षा द्वारा संचालित विद्यालयों में इसे लागू किए जाने का निर्णय लिया गया है।

इन निर्देशों के अनुसार चिकित्सक द्वारा सलाह दिए जाने पर टाइप-1 डायबिटीज वाले बच्चों को ब्लड शुगर की जांच करने, इंसुलिन का इंजेक्शन लगाने, मध्य सुबह या मध्य दोपहर का नाश्ता लेने या डायबिटीज एवं देखभाल गतिविधियां करने की अवश्यकता हो सकती है और शिक्षकों को परीक्षा के दौरान या अन्यथा भी कक्षा में इसे करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसके अतिरिक्त, बच्चा चिकित्सीय सलाह के अनुसार खेलों में भाग ले सकता है। टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चे जो स्कूली परीक्षा और अन्य प्रतियोगी परीक्षा दे रहे हैं उन्हें अपने साथ चीनी की टैबलेट ले जाने की अनुमति दी जाएगी। दवाएं, फल, नाश्ता, पीने का पानी, कुछ बिस्किट, मूंगफली, सूखे फल परीक्षा हाल में शिक्षक के पास रखेंगे जिससे कि आवश्यकता पड़ने पर परीक्षा के दौरान बच्चों को दिया जा सके।

स्टाफ को बच्चों की परीक्षा हॉल में अपने साथ ग्लूकोमीटर और ग्लूकोज परीक्षण स्ट्रिप्स ले जाने की अनुमति देनी होगी, जिन्हें पर्यवेक्षक या शिक्षक के पास रखा जा सकता है।

प्रयागराज-अयोध्या हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत, तीन की मौत

ट्रक बेकाबू होकर घर में जा घुसा

प्रतापगढ़। प्रतापगढ़ के प्रयागराज-अयोध्या हाईवे पर शुक्रवार देर रात एक भीषण हादसा हो गया। यहां दो ट्रकों की भिड़ंत के बाद एक ट्रक बेकाबू होकर हाईवे किनारे स्थित घर में घुस गया द्य हादसे में घर के बाहर बैठे पिता-पुत्री समेत तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा रात करीब 10:45 बजे नगर कोतवाली के सराय बहेलिया के पास हुआ। पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच में जुट गई है।

एक ट्रक लालगंज से रानीगंज की ओर जा रहा था। दूसरा ट्रक रानीगंज से लालगंज की ओर जा रहा था। सराय बहेलिया के पास दोनों में आमने-सामने टक्कर हो गई।

इससे रानीगंज की ओर जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर पूर्व प्रधान तकदीर उल निशा के घर में घुस गया। उस समय बिजली ना रहने के कारण लोग घर के बाहर बैठे थे। वह बिजली आने का इंतजार कर रहे थे, तभी हादसा हो गया।

घर के बाहर बैठे थे तीन लोग

ट्रक ने पूर्व प्रधान की देवरानी साबिया बेगम (52), साबिया के देवर मोहम्मद जब्बार (54) और जब्बार की बेटी शाहीन बानो (24) को रौंद दिया। तीनों लोग ट्रक के पहिये के नीचे आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि घर की चौखट को भी क्षति हुई और घर का अगला हिस्सा भी टूट गया। गनीमत रही कि ट्रक पूरी तरह से घर में नहीं घुसा।

हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई द्य घर के अंदर मौजूद परिजन और आस पास के लोग मौके पर पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंची। एएसपी पूर्वी विद्यासागर मिश्र, सीओ सिटी करिश्मा गुप्ता, नगर कोतवाल सत्येंद्र सिंह पुलिस टीम के साथ पहुंचे।

इसके बाद क्रेन से ट्रक को खींचकर किनारे करके गाड़ी के नीचे से शवों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि उस समय शाहीन जीवित थी, इसलिए उसे प्रताप बहादुर अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। एएसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है। अंधेरे का फायदा उठाकर ट्रक चालक भाग गया है, उसे खोजा जा रहा है।

आजमगढ़ में दुर्व्यवहार के आरोप में सब इंस्पेक्टर लाइन हाजिर

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले की फूलपुर कोतवाली में तैनात सब इंस्पेक्टर को फरियादी से दुर्व्यवहार के आरोप में लाइन हाजिर कर दिया गया है। इस मामले में पीड़ित फरियादी ने जिले के एसपी अनुराग आर्य से न्याय की गुहार लगाई थी। पीड़ित का आरोप है कि सब इंस्पेक्टर विपिन सिंह ने मारपीट और दुर्व्यवहार किया। इस घटना की शिकायत सोशल मीडिया के माध्यम से पुलिस को मिली। दुर्व्यवहार का वीडियो सामने आने के बाद जिले के एसपी अनुराग आर्य ने सब इंस्पेक्टर विपिन सिंह को लाइन हाजिर करते हुए विभागीय जांच बैठा दी है। इस मामले की पुष्टि करते हुए जिले के एसपी ग्रामीण अरूण कुमार दीक्षित ने बताया कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस बारे में स्थानीय लोगों ने बताया कि शिकायतकर्ता ओमप्रकाश विवादित व्यक्ति है। इससे पूर्व भी ओमप्रकाश का एक्सीडेंट हुआ था। एक्सीडेंट के बाद अपने विपक्षियों को फंसाने के लिए हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कराकर जेल भी भिजवा दिया था।

रामपुर में मीडियाकर्मी से मारपीट में 4 सस्पेंड

रामपुर। रामपुर में नशेड़ी टीजी 2 द्वारा पावर सब स्टेशन पर हंगामा किया गया था। टीजी 2 ने इस दौरान पत्रकार के साथ गाली गलौज और मारपीट की थी, जिससे पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले में विद्युत विभाग ने कड़ा एक्शन लेते हुए नशेड़ी गालीबाज टीजी 2, एसएसओ और दो लाइनमैन पर निलंबन की कार्यवाही की है। पत्रकारों के संगठन ने इस मामले में रोष व्यक्त किया था।

रामपुर में बीती रात पावर सब स्टेशन में बिजली शिकायत दर्ज कराने पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार पर गालीबाज कर्मचारी ने जानलेवा हमला कर दिया था। इस दौरान कर्मचारी द्वारा पत्रकार का कान काट लिया गया और गंभीर रूप से लहूलुहान कर दिया गया। बिजली विभाग के पहाड़ी गेट सब स्टेशन पर बिना ड्यूटी के नशे में चूर टीजी 2 निधीश कुमार द्वारा उत्पात मचाने के मामले में विभागीय कार्यवाही की गई है।

साथ ही अन्य तीन लोगों को भी निलंबित किया गया है। साथ ही सब स्टेशन पर तैनात एसएसओ, 2 लाइनमैन को निलंबित किया गया है। विभाग ने एसएसओ को पूर्ण जिम्मेदार मानते हुए निलंबन कार्यवाही की है। बिना ड्यूटी के टीजी 2 ने सब स्टेशन पर शराब के नशे में उत्पात मचाया और पत्रकार के साथ मारपीट की थी।

क्षेत्र के एसडीओ विनय कुमार ने बताया कि चार विद्युत कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्यवाही की गई है। इसमें एसएसओ, टीजी 2 और लाइनमैन को निलंबित किया गया है। वहीं पुलिस द्वारा नशेड़ी गालीबाज कर्मी के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर शांति भंग में चालान किया गया। पुलिस की इस कार्यवाही से पत्रकारों में रोष है।

सड़क किनारे मिला किसान का शव

रायबरेली। रायबरेली में शनिवार को घर से खेत में पानी लगाने गए किसान का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पानी में खून से लथपथ पड़ा मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पूरा मामला महराजगंज कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत बावन बुजुर्ग बल्ला गांव का है। जहां के रहने वाले रामकुमार पुत्र छीटू कल शाम को पानी लगाने के लिए खेत गए हुए थे। लेकिन जब देर रात तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की तो किसान का शव नवोदय बल्लभ रोड के पास सड़क किनारे पानी में खून से लथपथ पड़ा हुआ मिला है। किसान की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं सूचना पर ग्रामीणों कि घटनास्थल पर भारी भीड़ जुट गई है। पुलिस किसान के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आगरा में विदेशी शराब समेत 2 तस्कर अरेस्ट

फ्लैट में रखता था स्टॉक; डिमांड आने पर नौकर से भेजता था सप्लाई

आगरा। आगरा में आबकारी विभाग और पुलिस ने विदेशी शराब की तस्करी करने वाले 2 लोगों को अरेस्ट किया है। उनके कब्जे से कई ब्रांडेड कंपनियों की महंगी शराब भी बरामद की है। थाना जगदीशपुरा क्षेत्र में पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने कैलादेवी मंदिर चौराहे के पास अपार्टमेंट में छापा मारा।

यहां से विदेशी शराब की 105 बोतलों समेत 2 युवकों को अरेस्ट किया गया। पुलिस ने स्कूटी भी बरामद है, जिससे शराब की सप्लाई की जाती थी। आरोपी नितिन कुमार अब तक लाखों रुपए की विदेशी शराब सप्लाई कर चुका है।

विदेशी शराब का स्टॉक वह अपने फ्लैट में ही रखता था। करीब 27 ब्रांड की महंगी शराब की वह अवैध सप्लाई करता था।

रहीश लोगों की डिमांड पर वह महंगी शराब की सप्लाई देता था। एंथिला अपार्टमेंट के फ्लैट नम्बर 201 से ही वह यह कारोबार चला रहा था। नौकर मन्नू से वह माल की सप्लाई कराता था। थाना जगदीशपुरा में दोनों के खिलाफ धारा 419,420 और आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

फरीदाबाद से सस्ते दामों में खरीदकर लाता था शराब

पुलिस पूछताछ में आरोपी मन्नू ने बताया कि वह मालिक के कहने पर अवैध शराब की सप्लाई पहुंचाता था। आरोपी नितिन ने पुलिस को बताया कि वह बरामद शराब को हरियाणा के फरीदाबाद से सस्ते दाम में खरीदकर लाता था। यहां महंगे दामों पर बेच देता था।

मन्नू पुत्र राकेश निवासी बाग मुज्जफर खां सेंट जोन्स चौराहा थाना मदन मोहन गेट और नितिन राजोरा पुत्र अमरनाथ राजोरा निवासी आवास विकास कॉलोनी थाना जगदीशपुरा का रहने वाला है।

कार्रवाई के दौरान आबकारी निरीक्षक त्रिभुवन सिंह, श्रीराम, विजय कुमार, अंकुर गुप्ता समेत थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार मौजूद रहे।

महिलाओं ने एसडीएम कार्यालय के बाहर किया प्रदर्शन

राठ। हमीरपुर में राठ कस्बे के लुधियातपुरा मोहल्ले की दर्जनों महिलाओं ने आज राठ तहसील परिसर में उप जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। आम रास्ता दिलवाए जाने एवं जल निकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार सिंह को शिकायती पत्र सौंपा है।

राठ कस्बे के लुधियातपुरा मोहल्ले की दर्जनों महिलाओं कमला नामदेव,

रश्मि, कौशल्या, संतोष, पार्वती, मोमना, निशारा, कुसुम, जय कुमारी, अंजली सिंह व विद्या सहित अन्य लोगों ने बताया कि उन लोगों ने राठ कस्बे के सुभान खां नाम के एक व्यक्ति से प्लाट खरीदे थे। बताया कि प्लाट खरीदने के दौरान सुभान खां ने मुख्य सड़क से मिलाने के लिए 12 फीट का आम रास्ता देने का वादा किया था।

बताया कि सुभान खां और डॉक्टर गंगा राम के बीच आपसी विवाद होने के कारण अब उन लोगों को वादे के अनुसार 12 फीट का रास्ता नहीं दिया गया है। जिससे उनके इलाके में जलभराव की समस्या बनी रहती है। पानी उनके घरों के अंदर भी घुस जाता है। जिससे वहां पर तमाम तरीके की बीमारियां भी उत्पन्न हो रही है।

उन्हें आवागमन के लिए भी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आक्रोशित महिलाओं ने उप जिला अधिकारी सुरेंद्र कुमार सिंह को शिकायती पत्र देकर आम रास्ता दिलवाए जाने एवं जल निकासी की व्यवस्था कराए जाने की मांग की है।

हत्या का मुकदमा दर्ज करने को लेकर हंगामा

बांदा। बांदा के बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निभौर गांव में एक युवक का शव एक दिन पहले बरामद हुआ था। मामले में पुलिस ने नशे की हालत में गिरने से मौत की वजह बता रही थी। वहीं, परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था। इसी के चलते हत्या का मुकदमा दर्ज कराने व हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शनिवार को परिजनों ने बबेरू फतेहपुर राजमार्ग जाम कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझाने बुझाने के बाद जाम को खुलवाया। मामला बबेरू कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत निभौर गांव के नहर की पुलिया के पास का है। यहां निभौर गांव के तरसियन डेरा के रहने वाले चुनबाद (32) का शव वन बरौली के पास पुलिया के नीचे गुरुवार को सुबह बरामद किया गया था। जिसमें परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था। वहीं, पुलिस ने शराब के नशे में गिरने से मौत की बताया। गुरुवार को पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शनिवार को शव पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचा।

शार्ट न्यूज

येस बैंक का मुनाफा 10.3 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के येस बैंक ने चालू वित्त वर्ष में जून में समाप्त तिमाही में 343 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 311 करोड़ रुपये की तुलना में 10.3 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज आय 2000 करोड़ रुपये रही है जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 1850 करोड़ रुपये की तुलना में 8.1 प्रतिशत अधिक है। बैंक द्वारा किये गये प्रावधानो में 160 प्रतिशत की भारी बढोतरी हुयी है। जून 2022 तिमाही में इस मद मे 175 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था जो इस वर्ष जून की तिमाही में बढ़कर 360 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि इस तिमाही में बैंक के सकल एनपीए में भारी कमी आयी है। जून 2022 तिमाही में सकल एनपीए 13.4 प्रतिशत था जो इस वर्ष जून की तिमाही में घटकर 2.2 प्रतिशत पर आ गया और शुद्ध एनपीए 2.4 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रहा।

आरबीएल बैंक का मुनाफा 43 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 288 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही के 201 करोड़ रुपये लाभ की तुलना में 43 प्रतिशत अधिक है। बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर सुब्रमणियाकुमार ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद जारी बयान में वित्तीय लेखाजोखा पेश करते हुये कहा कि जून में समाप्त इस तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय 1246 करोड़ रुपये रही है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 1028 करोड़ रुपये की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) में उल्लेखनीय सुधार हुआ है क्योंकि जून 22 में समाप्त तिमाही में सकल एनपीए 4.08 प्रतिशत था जो इस वर्ष जून की तिमाही में घटकर 3.22 प्रतिशत पर आ गया। इसी तरह से शुद्ध एनपीए भी 1.16 प्रतिशत की तुलना में गिरकर जून 23 की तिमाही में 1.00 प्रतिशत पर आ गया।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नयी दिल्ली। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आज भी कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर आज जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.56 प्रतिशत की तेजी लेकर 76.83 डॉलर प्रति बैरल पर और लंदन ब्रेंट क्रूड बढ़कर 81.07 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक आईसीआईसीआई बैंक ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 9648 करोड़ रुपये का लाभ कमाया है जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 6905 करोड़ रुपये की तुलना में 39.7 प्रतिशत अधिक है। निदेशक मंडल की बैठक के बाद बैंक ने आज यहां जारी वित्तीय लेखाजोखा में कहा कि 30 जून को समाप्त इस तिमाही में उसकी शुद्ध ब्याज 18227 करोड़ रुपये रही है जो जून 2022 में समाप्त तिमाही के 13210 करोड़ रुपये की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने कहा कि इस तिमाही में उसका सकल एनपीए 3.41 प्रतिशत से घटकर 2.76 प्रतिशत पर आ गया और शुद्ध एनपीए 0.70 प्रतिशत से घटकर 0.48 प्रतिशत पर रहा। बैंक ने विभिन्न मदों के लिए 1292.44 करोड़ रुपये के प्रावधान किये हैं जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में इस मद में 1143.82 करोड़ रुपये के प्रावधान किये गये थे।

विदेशी मुद्रा भंडार 600 अरब डॉलर के पार, 15 महीने के हाई पर पहुंचा

मुम्बई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 12.74 अरब डॉलर बढ़कर 609.02 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 596.28 अरब डॉलर रहा था। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अक्टूबर, 2021 में 645 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन वैश्विक घटनाओं के कारण पैदा हुए दबावों के बीच रुपये को संभालने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने से इसमें गिरावट आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, 14 जुलाई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 11.19 अरब डॉलर बढ़कर 540.17 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। रिजर्व बैंक के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.14 अरब डॉलर बढ़कर 45.19 अरब डॉलर हो गया।

पेटीएम के पास साल के अंत तक होगा मुक्त नकदी प्रवाह : सीईओ विजय शेखर शर्मा

नोएडा। पेटीएम ब्रांड के तहत काम करने वाली फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस को इस साल के अंत तक मुक्त नकदी प्रवाह की स्थिति में आने की उम्मीद है। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने कंपनी के नतीजों पर एक चर्चा के दौरान कहा कि जून 2023 तिमाही में कंपनी की वृद्धि भुगतान, वित्तीय सेवाओं और वाणिज्य व्यवसाय में विस्तार के कारण हुई है। शर्मा ने कहा, हम साल के अंत तक मुक्त नकदी प्रवाह को सकारात्मक बनाने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। सकारात्मक मुक्त नकदी प्रवाह का अर्थ है कि किसी व्यवसाय में वृद्धि के लिए निवेश करने या शेयरधारकों को वितरित करने के लिए पर्याप्त धन है। पेटीएम ने बताया है कि 30 जून, 2023 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका घाटा कम होकर 358.4 करोड़ रुपये रह गया। एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी को 645.4 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।

मंथली इनकम अकाउंट में मिल रहा 7.4 ब्याज

नई दिल्ली। अगर आप हर महीने अपने लिए कमाई का इंतजाम करना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस का नेशनल सेविंग्स मंथली इनकम अकाउंट सही रहेगा। इस स्कीम में अभी 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। इसके जरिए आप अपने लिए हर महीने 9,250 रुपए की इनकम का इंतजाम कर सकते हैं। हम आपको इस स्कीम के बारे में बता रहे हैं, ताकि आप भी इसमें निवेश करके अपने लिए मंथली इनकम का इंतजाम कर सकें। इसमें 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज मिल रहा है। सालाना मिलने वाले ब्याज को 12 महीनों में बांट दिया जाता है और वह अमाउंट आपको हर महीने मिलता रहता है। अगर आप मंथली पैसा न निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग्स अकाउंट में रहेगा और मूलधन के साथ इन पैसों को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। मान लीजिए अगर आप इस योजना में 9 लाख रुपए का निवेश करते हैं तो अब आपको 7.4 प्रतिशत सालाना ब्याज के हिसाब से सालाना 66 हजार 600 रुपए ब्याज मिलेगा।

रॉयल एनफील्ड की न्यू जनरेशन 'बुलेट 350' का टीजर जारी

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड न्यू जनरेशन बुलेट 350 को भारत में 30 अगस्त को लॉन्च करने जा रही है। इससे पहले कंपनी ने अपनी सबसे पॉपुलर बाइक का टीजर जारी किया है। क्लासिक, हंटर और मीटियर के बाद जे-प्लेटफॉर्म पर बेस्ड ये कंपनी की चौथी 350 सीसी मोटरसाइकिल होगी। बुलेट देश की सबसे पुरानी मोटरसाइकिलों में से एक है और इसका प्रोडक्शन 1931 से हो रहा है। न्यू जनरेशन बुलेट को टेस्टिंग के दौरान कई बार भारतीय सड़कों पर देखे जा चुका है। टीजर में बाइक का टैंक दिखाया गया है, जिस पर कंपनी की बेजिंग नजर आ रही है। इसके अलावा बाइक की लॉन्च डेट और टाइम बताया गया है। बुलेट 350 का मुकाबला जावा 42, TVS रोनिन, रॉयल एनफील्ड हंटर 350 आदि से होगा। कंपनी के पोर्टफोलियो में हंटर 350 की कीमत 1.50 से 1.75 लाख रुपए के बीच की है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के पहली तिमाही के लाभ में 11 प्रतिशत की गिरावट

नयी दिल्ली। पेट्रोलियम एवं पेट्रो रसायन से लेकर दूरसंचार और रिटेल कारोबार के क्षेत्र में काम करने वाली देश की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज को चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही अप्रैल-जून 2023 में 16011 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो पिछले साल इसी तिमाही के 17955 करोड़ रुपये के लाभ की तुलना में 11 प्रतिशत कम है।

जून तिमाही में कंपनी का राजस्व भी सालना आधार पर 5.3 प्रतिशत घटकर 2.07 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में राजस्व 2.19 लाख करोड़ रुपये था। कंपनी ने शुक्रवार को जारी तिमाही वित्तीय रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण उसके तेल से लेकर पेट्रो रसायन कारोबार का राजस्व प्रभावित हुआ। कंपनी के खुदरा और दूरसंचार कारोबार की आय में अच्छी वृद्धि देखने को मिली। कंपनी की रिपोर्ट में कहा गया है, वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में एक साल पहले की तुलना में कच्चे तेल की कीमतों में 31 प्रतिशत गिरावट के कारण ओ2सी (तेल से रसायन) कारोबार के राजस्व में बड़ी गिरावट रही जिससे उसका समग्र राजस्व पिछले साल के मुकाबले 4.7 प्रतिशत कम रहा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर नौ रुपये की दर से लाभांश देने की घोषणा की है।

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में रिटेल और दूरसंचार के कारोबार के अच्छे प्रदर्शन के कारण समेकित एबिडटा (कर समेत सभी प्रावधान करने से पूर्व का लाभ) सालाना आधार 5.1 बढ़कर 41982 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर रहा।

रिलायंस रिटेल का पहली तिमाही का एबिडटा पांच हजार करोड़ रुपये दर्ज किया गया। रिलायंस रिटेल का लाभ भी 18.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2448 करोड़ रुपये रहा जबकि इस दौरान इस कारोबार में कंपनी का सकल राजस्व 19 प्रतिशत की तेजी के साथ 69948 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। एक साल पहले रिलायंस रिटेल ने इसी दौरान 58554 करोड़ रुपये का सकल राजस्व दर्ज किया था।

रिलायंस समूह की कंपनी रिलायंस जियो इन्फोकॉम ने 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून-2023) के दौरान 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4863 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया।

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 4335 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। पहली तिमाही में जियो ने परिचालन से 24042 करोड़ रुपये की आय दर्ज की। यह एक वर्ष पहले इसी दौरान कंपनी द्वारा दर्ज 21,873 करोड़ रुपये की परिचालन आय से 10 प्रतिशत अधिक है।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ तीन प्रतिशत बढ़ा है। इसे पिछली तिमाही में शुद्ध लाभ 4716 करोड़ रुपये था। इसी तरह परिचालन राजस्व में तिमाही आधार पर वृद्धि 2.7 प्रतिशत रही। मार्च 2023 में समाप्त तिमाही में परिचालन से आय 23,394 करोड़ रुपये थी।

कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 17,594 करोड़ रुपये रहा जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में हुए खर्च की तुलना में नौ प्रतिशत अधिक है। जून 2022 को समाप्त तिमाही में कुल खर्च 16137 करोड़ रुपये था।

जियो ने पहली तिमाही में कुल 90 लाख से ज्यादा ग्राहक जोड़े और उसके डाटा की खपत प्रति ग्राहक प्रति माह 25 जीबी रही। इसी दौरान जियो का डेटा ट्रैफिक सालाना आधार 28.3 प्रतिशत बढ़कर 33.2 अरब जीबी तथा वायस ट्रैफिक (काल) 7.2 प्रतिशत 1340 मिनट रहा। जून के अंत में रिलायंस जियो का ग्राहक 44.85 लाख था और प्रति ग्राहक मासिक राजस्व सालाना आधार पर 2.8 प्रतिशत बढ़कर 180.50 रुपये तक पहुंच गया।

कंपनी ने कहा है कि रिलायंस पहली तिमाही के अंत में जियो ट्रू 5जी नेटवर्क देश के 90 प्रतिशत से अधिक कस्बों तक पहुंच गया है और उसके साइट की संख्या एक लाख 15 हजार से अधिक हो गयी है।

कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार 2023-24 की पहली तिमाही में 18.8 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 2448 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया और तिमाही के दौरान 555 नये स्टोर की कुल संख्या 18446 कर ली है।

रिलायंस रिटेल का तिमाही राजस्व सालाना आधार पर 19.5 प्रतिशत बढ़कर 69948 करोड़ रुपये और एबिडटा करीब 34 प्रतिशत उछलकर 5134 करोड़ रुपये रहा।

पहली तिमाही में रिलायंस के तेल एवं गैस कारोबार के राजस्व में 27.8 प्रतिशत की वृद्धि रही और यह 4632 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी ने कहा है कि ऐसा बढ़ी हुई कीमत और केजी बेसिन के डी6 फील का कारोबार का उत्पादन के कारण संभव हुआ। केजीडी6 ने पहली तिमाही में 48.3 अरब घन फुट के बराबर प्राकृतिक गैस का उत्पादन किया जो एक साल पहले इसी तिमाही की तुलना में 18.4 प्रतिशत ज्यादा है।

2030 तक 50 प्रतिशत गैर जीवाश्म आधारित ईंधन का उत्पादन लक्ष्य : मोदी

नई दिल्ली। गोवा में जी 20 ऊर्जा मंत्रियों की बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की ओर से हरित विकास और एनर्जी ट्रांजिशन के क्षेत्र में भारत की ओर से किए जाने वाले बड़े प्रयासों की चर्चा की। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सबसे अधिक आबादी वाला राष्ट्र है और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है, फिर भी हम अपनी जलवायु प्रतिबद्धताओं पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमने 9 साल पहले अपने गैर-जीवाश्म, स्थापित विद्युत क्षमता लक्ष्य को हासिल कर लिया। हमने अब एक उच्च लक्ष्य निर्धारित किया है, हम 2030 तक 50त्न गैर-जीवाश्म स्थापित क्षमता प्राप्त करने की योजना बना रहे हैं। भारत सौर और पवन ऊर्जा के मामले में वैश्विक लीडर्स में से एक है।

पीएम ने कहा, हमने इस साल 20 प्रतिशत इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल का रोलआउट शुरू किया है, हमारा लक्ष्य 2025 तक पूरे देश को कवर करना है।

हमें प्रौद्योगिकी अंतराल को पाटने, ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ावा देने और आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के तरीकों को खोजने की जरूरत है।

एशिया और अफ्रीका के मंत्रियों ने गरीबी खत्म करने के लिए लिया संकल्प

शनिवार को गोवा में आयोजित जी20 की बैठक में एशिया, अफ्रीका के मंत्रियों ने अपनी बढ़ती आबादी के लिए किफायती ऊर्जा तक पहुंच बढ़ाने के लिए सहयोग के अवसर तलाशने का संकल्प लिया है। मंत्रियों ने बैठक के बाद एक बयान जारी किया गया जिसमें बताया गया कि 'दक्षिण-दक्षिण ज्ञान-साझाकरण नेटवर्क' बनाकर वे अपने देशों में उचित ऊर्जा रूपांतरण एजेंडे को आगे बढ़ाएंगे। मंत्रियों ने जी20 ऊर्जा संक्रमण मंत्रिस्तरीय बैठक (ईटीएमएम) के मौके पर यह बात कही।

बैठक के दौरान, मंत्रियों ने नीति और नियामक डिजाइन, प्रौद्योगिकी सह-विकास और हस्तांतरण, नवीकरणीय ऊर्जा के पैमाने और तैनाती और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में निजी क्षेत्र के निवेश में सर्वोत्तम प्रथाओं और सीखों को साझा किया। साथ ही उपस्थित देशों ने घरेलू पहलों को आकार देने और अधिक टिकाऊ और न्यायसंगत आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लिया।

इसके अलावा भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री और आवास और शहरी मामलों के मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि ग्लोबल साउथ को ऊर्जा उपलब्धता, सामर्थ्य और स्थिरता की त्रिमूर्ति को संबोधित करने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जैव ईंधन, बायोगैस और ग्रीन हाइड्रोजन में ऊर्जा स्थिरता के लिए काफी संभावनाएं हैं और ग्लोबल साउथ में अनुभव साझा करने की गुंजाइश बहुत अधिक है।

जी20 ऊर्जा सम्मेलन में भाग लेने वाले मंत्रियों ने दोहराया कि विकासशील क्षेत्रों के देश विश्व अर्थव्यवस्था में लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, और निकट सहयोग उन्हें वैश्विक नीति बहस में बेहतर ढंग से शामिल होने और अंतरराष्ट्रीय एजेंडे को आकार देने में सक्षम बनाएगा। कार्यक्रम के दौरान, थिंक20 इंडिया सचिवालय के अध्यक्ष और ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) के अध्यक्ष समीर सरन ने कहा, भारत और अफ्रीका समान चुनौतियों, अवसरों और विकासात्मक आकांक्षाओं को साझा करते हैं, जो उन्हें प्राकृतिक भागीदार बनाते हैं।

जी20 की चौथी ऊर्जा रूपांतरण मंत्रिस्तरीय बैठक (ईटीएमएम) गोवा में हो रही है, जिसका उद्देश्य जी20 के भीतर और अन्य देशों में स्वच्छ ऊर्जा रूपांतरण को बढ़ावा देना है।

वृद्धि की गति कायम रखेगा भारत : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि जल्दी खराब होने वाले कृषि उत्पादों की कीमतों के दाम बढ़ने के कारण महंगाई का दबाव बना हुआ है, उसके बावजूद भारत वृद्धि की गति बरकरार रखेगा।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में अलग से बातचीत करते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार सुनिश्चित कर रही है कि अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों पर बराबर ध्यान दिया जाए और सबको प्रोत्साहित किया जाए, जिसका परिणाम दिख रहा है और भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन रहा है।

सीतारमण ने कहा, 'कृषि उत्पादों, खासकर जल्दी खराब होने वाले उत्पादों की की वजह से महंगाई का दबाव हो सकता है। अब सरकार यह कवायद कर रही है कि यह सस्ती दरों पर उपलब्ध हो सकें। लेकिन मुझे विश्वास है कि भारत अपने वृद्धि की गति बरकरार रखेगा।' पिछले महीने विश्व बैंक ने कहा था कि उभरते बड़े बाजारों और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में भारत प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और समग्र दोनों हिसाब से सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। साथ ही विश्व बैंक ने वित्त वर्ष 24 में 6.3 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान बरकरार रखा था।

मॉनसून सीजन में खाद्य वस्तुओं में आई तेजी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विचार की पुष्टि की है कि महंगाई के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है, जो केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट में कहा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर जून 2023 में 4.8 प्रतिशत रही है, जो मई में 4.3 प्रतिशत थी। खासकर खाद्य वस्तुओं की कीमत बढ़ने से महंगाई बढ़ी है।

वैश्विक सुस्ती से जूट के निर्यात को झटका

नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद वैश्विक बाजार में सुस्ती आने का प्रतिकूल असर जूट के कारोबार पर पड़ा है। इससे जूट के 'सुनहरे रेशे' की छवि भी धूमिल हुई है।

जूट को पर्यावरण अनुकूल माना जाता है और इसे सतत पैकेजिंग की सामग्री के रूप में वैश्विक स्तर पर बढ़ावा भी दिया जा रहा है। विदेशी खुदरा दिग्गज जैसे यूके की सुपरमार्केट टेस्को और जापान की खुदरा कंपनी मुजी प्लास्टिक से दूर होने की कवायद में जूट को अपना रहे हैं। पर्यावरण, सामाजिक और कॉरपोरेट संबंधित चिंताओं के कारण जूट के सामान को बढ़ावा दिया जा रहा है। केयर एज की मार्च की रिपोर्ट के मुताबिक जूट के उत्पादों के निर्यात में 2015-16 से 2021-22 तक 12 फीसदी की औसत चक्रवृद्धि हुई है। लेकिन इसकी रफ्तार 2022-23 (वित्त वर्ष 23) में थम गई। इसका कारण यह था कि प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से इसकी मांग में गिरावट आनी शुरू हो गई थी।

इंडियन जूट मिल एसोसिएशन के आंकड़ों के मुताबिक आठ सालों के बाद जूट के निर्यात मूल्य में गिरावट आई है। यह जानकारी वाणिज्यिक जानकारी एवं सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों से जुटाई गई है। साल 2021-22 (वित्त वर्ष 22) में जूट के निर्यात में करीब 37.8 फीसदी का उछाल आई थी और इसके अगले साल वित्त वर्ष 23 में गिरावट आई। वित्त वर्ष 23 में जूट के उत्पादों का निर्यात पिछले वर्ष की तुलना में 13.11 प्रतिशत गिरकर 3,510.63 करोड़ रुपये हो गया था।

देश का पहला निजी हिल स्टेशन लवासा 1814 करोड़ में बिका, एनसीएलटी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) ने भारत के पहले निजी हिल स्टेशन लवासा को डार्विन प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर को बेचने की मंजूरी दे दी है। एनसीएलटी के आदेश में प्रस्तुत समाधान योजना को डार्विन के कर्जदाताओं की ओर से हरी झंडी मिलने बाद एनसीएलटी ने लवासा को बेचने की मजूरी दी है। राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने निजी हिल स्टेशन लवासा के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू होने के लगभग पांच साल बाद 1,814 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दी है।

इसमें आठ वर्षों में 1,814 करोड़ रुपये के भुगतान की परिकल्पना की गई है। इस समाधान योजना में कर्जदाताओं

को 929 करोड़ रुपये और घर खरीदारों को पूरी तरह से निर्मित घरों को मुहैया कराने पर 438 करोड़ रुपये खर्च करना शामिल है।

837 होमबायर्स ऐसे हैं जिनके दावे स्वीकार कर लिए गए हैं। उनके स्वीकार किए गए दावों में कुल 409 करोड़ रुपये हैं। कंपनी ने कर्जदाताओं और परिचालन कर्जदाताओं सहित कुल 6,642 करोड़ रुपये का दावा स्वीकार किया है। डार्विन प्लेटफॉर्म इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (डीपीआईएल) लवासा कॉरपोरेशन लिमिटेड के लिए विजेता बोलीदाता बनी है। यह कंपनी मुख्य रूप से पुणे में निजी हिल स्टेशन के व्यवसाय में है।

न्यायाधिकरण ने शुक्रवार को पारित 25 पेज के आदेश में 1,814 करोड़ रुपये के निवेश की समाधान योजना को मंजूरी दी। आदेश में कहा गया, %इस राशि में 1,466.50 करोड़ रुपये की समाधान योजना राशि शामिल है, जिससे कॉरपोरेट कर्जदार को किश्तों में दिए गए धन के लिए भुगतान किया जाएगा। समाधान योजना को एक निगरानी समिति की देखरेख में लागू किया जाएगा। इस समिति में दिवाला पेशेवर, वित्तीय ऋणदाता और डार्विन प्लेटफॉर्म का एक-एक प्रतिनिधि शामिल होगा।

एनसीएलटी ने कहा, समाधान योजना संहिता के साथ ही विनियमनों के तहत सभी जरूरी वैधानिक आवश्यकताओं को पूरा करती है। हम इसे मंजूरी देते हैं। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवाला समाधान प्रक्रिया अगस्त 2018 में शुरू की गई थी।

फेड ने लंबे समय से प्रतीक्षित तत्काल भुगतान सेवा फेडनाउ लॉन्च किया

नई दिल्ली। अमेरिका के बैंकिंग क्षेत्र के नियामक फेडरल रिजर्व ने एक लंबे समय से प्रतीक्षित सेवा फेडनाउ की शुरुआत कर दी है। इसका उद्देश्य देश की भुगतान प्रणाली को आधुनिक बनाना है। इस तहत अमेरिकियों को 24 घंटे और सप्ताह में सात दिन धन भेजने और प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी।

केंद्रीय बैंक ने गुरुवार को घोषणा की। फेडनाउ सेवा जो 2019 से काम कर रही है, अब व्यापक तौर पर इस्तेमाल होने नकद हस्तांतरण में लगने वाले कई दिनों के अंतराल को खत्म करने की कोशिश करेगी।

इस सेवा के शुरू होने के बाद अमेरिका यूनाइटेड किंगडम, भारत, ब्राजील और यूरोपीय संघ सहित उन देशों की सूची में शामिल हो जाएगा जहां इसी तरह की सेवाएं वर्षों पहले से

मौजूद हैं। फेडनाउ ने 41 बैंकों और 15 सेवा प्रदाताओं को यह सेवा मुहैया कराने के लिए प्रमाणित किया है जिसमें सामुदायिक बैंक और जेपी मॉर्गन चेस, बैंक ऑफ न्यूयॉर्क मेलन और यूएस बैंककॉर्प जैसे बड़े उधारदाता शामिल हैं।

लेकिन फेड इस साल और अधिक बैंकों और क्रेडिट यूनियनों को शामिल करने की योजना बना रहा है। फेड ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अब तक 35 बैंक और क्रेडिट यूनियन के साथ ट्रेजरी विभाग का राजकोषीय सेवा ब्यूरो इस सेवा का उपयोग करेंगे।

बड़े बैंको ने शुरू में किया था सेवा का विरोध

यह सेवा द क्लियरिंग हाउस के आरटीपी नेटवर्क सहित निजी क्षेत्र की रीयल-टाइम भुगतान प्रणालियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी और शुरू में बड़े बैंकों द्वारा इसका विरोध किया गया था, उन्होंने कहा था कि यह अनावश्यक है।

लेकिन अब कई लोग इस आधार पर इसका इस्तेमाल करने पर सहमत हुए हैं कि फेडनाउ उन्हें उन सेवाओं का विस्तार करने की अनुमति देगा जो वे ग्राहकों को पेशकश कर सकते हैं। यूएस बैंक में वैश्विक भुगतान और एम्बेडेड भुगतान के प्रमुख अनु सोमानी ने कहा, हमारे लिए, फेडनाउ वास्तव में पहुंच का विस्तार करने का एक शानदार तरीका है।

फेडर्व रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम एच पॉवेल ये बोले

फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम एच पॉवेल ने कहा, फेडरल रिजर्व ने आने वाले वर्षों में रोजमर्रा के भुगतान को तेज और अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद करने के लिए फेडनाउ सेवा का निर्माण किया है।

समय के साथ, जैसे-जैसे और अधिक बैंक इस नई सेवा का उपयोग करना चुनते हैं, लोगों को और अधिक लाभ मिलेगा।

बता दें कि भारत में फेड नाव जैसी सेवा यूपीआई पेमेंट्स, आरटीजीएस और एनईएफटी के रूप में पहले से मौजूद है।

डीएलएफ ने पहली तिमाही में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून, 2023) में 2,040 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं।

कंपनी ने एक रिपोर्ट में बताया कि दिल्ली और गुरुग्राम स्थित उसकी संपत्तियों की भारी मांग रही। कंपनी की बिक्री बुकिंग सालाना आधार पर अस्थिर रही। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भी 2,040 करोड़ रुपये की संपत्तियां बेची थीं।

डीएलएफ समूह के कार्यकारी निदेशक आकाश ओहरी ने कहा कि बिक्री बुकिंग जून तिमाही में मजबूत बनी रही। ओहरी ने पीटीआई-भाषा से कहा, पहली तिमाही में हमने कोई नयी आवासीय परियोजना शुरू नहीं

की है। पूरी बिक्री बुकिंग पहले से जारी परियोजनाओं में है। हम दूसरी तिमाही और चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में नई परियोजनाएं लाएंगे।

निवेशकों को दी गई एक प्रस्तुति के अनुसार डीएलएफ ने गुरुग्राम स्थित 'द कैमेलियाज' की 13 इकाइयों की बिक्री 564 करोड़ रुपये में की। इसी तरह राष्ट्रीय राजधानी स्थित 'वन मिडटाउन' परियोजना में कुल 659 करोड़ रुपये की बिक्री हुई।

शार्ट न्यूज

वुड, बेयरस्टो के दम पर इंग्लैंड मजबूत, ऑस्ट्रेलिया बैकफुट पर

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने जॉनी बेयरस्टो की 99 रन की नाबाद पारी के बाद तेज गेंदबाज मार्क वुड के तीन विकेटों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में 113 रन पर चार विकेट गंवा दिये हैं, लेकिन इंग्लैंड के पहली पारी के 592 रनों के विशाल स्कोर के कारण वह काफी पीछे चल रही है। आस्ट्रेलिया को पारी की हार से बचने के लिये अभी भी 162 रन बनाने हैं। मार्नस लाबुशेन 44 रन बनाकर जबकि मिचेल मार्श एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। इंग्लैड के डरहम एक्सप्रेस वुड ने केवल सात ओवर में 17 रन देकर तीन विकट अपने नाम किये टेस्ट क्रिकेट में 100वां विकेट भी लिया। इंग्लैंड तीन मैचों के बाद शृंखला में 2-1 से पीछे चल रही है और अगर उसे एशेज दोबारा जीतनी है तो मैनचेस्टर में जीत हासिल करनी होगी। इससे पूर्व, इंग्लैड के विकेटकीपर बेयरस्टो ने 81 गेंदों की तूफानी पारी खेलते हुए 10 चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 99 बन बनाये थे। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पारी की शुरुआत में वुड की गेंद पर उस्मान ख्वाजा (18) को खो दिया। दूसरे वामहस्त सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी रहे स्टुअर्ट ब्रॉड के सामने टिके रहे लेकिन क्रिस वोक्स की गेंद पर 28 रन पर आउट हो गये।

यूटीटी सीजन-4 में पुनेरी पल्टन ने दबंग दिल्ली को हराया

पुणे। युवा भारतीय सितारे मानुष शाह और अर्चना कामथ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कल यहां शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, महालुंगे-बालेवाड़ी में खेल जा रहे अल्टीमेट टेबल टेनिस (यूटीटी) सीजन-4 में पुनेरी पल्टन ने दबंग दिल्ली टीटीसी पर 8-7 से रोमांचक जीत दर्ज की। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) के तत्वावधान में नीरज बजाज और वीटा दानी प्रोत्साहन द्वारा फ्रेंचाइजी-आधारित लीग, 2017 में अपनी स्थापना के बाद से भारतीय टेबल टेनिस के लिए गेम-चेंजर साबित हुई है। मानुष ने मैच की शुरुआत से ही जॉन पर्सन के खिलाफ 2-1 से जीत हासलि कर अपनी फ्रेंचाइजी को आगे की राह दिखाई। वडोदरा के युवा खिलाड़ी ने गेम प्वाइंट के जरिए पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में पर्सन ने अपनी स्पिन सर्विस से मानुष को परेशानी में डाल दिया। मानुष को टेनिस बॉल को पर्सन के पाले में भेजने और अंक हासिल करने में कड़ी मेहनत करनी पड़ रही थी। पर्सन ने दूसरा गेम 11-8 से जीता, इससे पहले भारतीय ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर बढ़त हासिल करने के लिए पैतरा बला और तीसरा गेम 11-4 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। दूसरी ओर, अर्चना ने भी अपना शीर्ष स्तर का खेल जारी रखा और अपनी ही हमवतन श्रीजा अकुला के खिलाफ 2-1 से जीत हासिल की।

शिलांग में डूरंड कप ट्रॉफियों का अनावरण, खेल प्रेमियों का दिल धड़काने को तैयार

शलांग। 132वां डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट तीन अगस्त से तीन सितंबर तक खेल प्रेमियों की धड़कनें बढ़ाने के लिए तैयार है। शुक्रवार को मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने राज्य कन्वेंशन सेंटर शिलांग में तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों का भव्य अनावरण किया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने गुवाहाटी में बताया कि इस अवसर पर 101 एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल संजय मलिक ने उत्तर पूर्वी क्षेत्र की खेल संस्कृति की सराहना की। इस बात पर भी प्रकाश डाला कि इस साल का टूर्नामेंट मेघालय के लिए अग्रणी है। उन्होंने बताया कि शिलांग लाजोंग फुटबॉल क्लब पहली बार डूरंड कप में भाग लेगा। इसके साथ ही ट्रॉफियों का अनावरण भी पहली बार शिलांग में किया गया है। उन्होंने बताय कि तीन ट्रॉफियां यानी डूरंड कप ट्रॉफी और शिमला ट्रॉफी (दोनों रोलिंग ट्रॉफियां) और प्रेसिडेंट्स कप (स्थायी रूप से रखने के लिए) को शहर के एक भव्य दौरे पर ले जाया गया। इस दौरान जगह-जगह तालियों की गड़गड़ाहट के साथ शिलांग के लोगों ने जोश के साथ इसका स्वागत किया।

भारतीय हॉकी टीमें प्रो हॉकी लीग में भुवनेश्वर से करेंगी अभियान की शुरुआत, चीन-स्पेन से मैच

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2023-2024 सत्र के अपने अभियान का आगाज भुवनेश्वर में चीन के खिलाफ करेगी जबकि पुरुष टीम का सामना स्पेन से होगा। अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ ने पांचवें प्रो लीग के कार्यक्रम की घोषणा की। भारतीय खिलाड़ियों का मानना है कि इस टूर्नामेंट से उन्हें पेरिस ओलंपिक की तैयारी में मदद मिलेगी। दोनों टीमें अपने अभियान की शुरुआत भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम पर करेंगी। एफआईएच नेशंस लीग चैंपियन भारतीय महिला टीम छह फरवरी को चीन के खिलाफ भुवनेश्वर में खेलेगी। इसके बाद उसे नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से खेलना है। राउरकेला में उसका सामना चीन, नीदरलैंड, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका से फिर होगा। घरेलू मैचों के बाद भारतीय महिला टीम बेल्जियम और ब्रिटेन में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ब्रिटेन का सामना करेगी। वहीं पुरुष टीम 10 फरवरी को कलिंगा स्टेडियम पर पहले मैच में स्पेन से खेलेगी। पिछले सत्र में भारत चौथे स्थान पर रहा था और इस बार नजरें पोडियम पर रहेंगी।

स्पेन को आठ साल बाद कोस्ट रिका पर मिली जीत, स्विट्ज़रलैंड ने फिलीपीन को दी शिकस्त

वेलिंगटन (न्यूजीलैंड)। विश्व की छठे नंबर की टीम स्पेन ने शुक्रवार को महिला फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप-सी के मुकाबले में कोस्टा रिका को 3-0 से शिकस्त दी। स्पेनिश टीम को पहले हाफ में छह मिनट के अंदर ही तीन गोल की बढ़त मिल गई थी। स्पेन को इस टूर्नामेंट में विश्व की 36वें नंबर की टीम कोस्टा रिका पर आठ साल बाद जीत मिली है। इससे पहले दोनों टीमें महिला विश्व कप 2015 में आमने-सामने हुई थी और तब वह मैच 1-1 से ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। कोस्टा रिका की गोलकीपर डेनिला सोलेरा ने पहले हाफ में एक पेनाल्टी को शानदार तरीके से बचाया, लेकिन स्पेनिश टीम को जीतने से नहीं रोक पाईं। कोस्टा रिका की वालेरिया डे कैंपो के 21वें मिनट में आत्मघाती गोल कर बैठीं जिससे स्पेन का मैच में खाता खुल गया। फिर ऐताना बोनमाटी ने 23वें और ईस्थर गोंजालेज ने 27वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया और यह बढ़त अंत तक बरकरार रखी। स्पेन की दो बार की बलोन डि ओर पुरस्कार विजेता एलेक्सिस पुतेलास 77वें मिनट में मैदान में उतरीं, लेकिन तब तक टीम की जीत पक्की हो गई थी।

कोलंबिया में सैन्य अड्डे के पास हुआ धमाका, दो लोगों की मौत

बोगोटा। कोलम्बिया के शहर अरौका में नारांजितोस सैन्य अड्डे के पास विस्फोटकों से भरी एक कार में विस्फोट होने से, दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। अरौका के गवर्नर विलिंगटन रोड्रिग्ज बेनावाइड्स ने शनिवार को यह जानकारी दी। अरौका सरकार द्वारा ट्विटर पर साझा किए गए एक वीडियो में श्री रोड्रिग्ज ने कहा, विस्फोटकों से भरी एक कार नारंजितोस सैन्य अड्डे पर पहुंचने से पहले ही विस्फोट हो गया, जिसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य सैनिक घायल हो गए। उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि अभी तक हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने ट्वीट किया कि उन्होंने देश के रक्षा मंत्रालय को घटना की जांच करने का निर्देश दिया है और साथ ही कहा कि सरकार आबादी को डराने-धमकाने को बर्दाश्त नहीं करेगी। वेनेजुएला की सीमा से लगा कोलंबिया का उत्तरपूर्वी भाग अरौका, देश के सबसे अशांत क्षेत्रों में से एक है, जहां कोलंबिया के क्रांतिकारी सशस्त्र बल और नेशनल लिबरेशन आर्मी के विद्रोही इस क्षेत्र के लिए लड़ रहे हैं।

रोमांचक जीत के साथ फाइनल में पहुंचे सात्विक-चिराग

योसू। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने अपने विजय रथ को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को कोरिया ओपन 2023 के फाइनल में कदम रखा।

विश्व की नंबर तीन भारतीय जोड़ी ने रोमांचक सेमीफाइनल में अपने से बेहतर रैंकिंग वाले चीन के लियांग वेई केंग और वांग चैंग को मात्र 40 मिनट में 21-15, 24-22 से मात दी। यह शानदार फॉर्म में चल रहे सात्विक-चिराग की लियांग-चैंग के विरुद्ध तीन मुकाबलों में पहली जीत थी।

इस साल इंडोनेशिया ओपन और स्विस ओपन के खिताब जीतने वाले सात्विक-चिराग फाइनल में इंडोनेशिया के शीर्ष वरीयता प्राप्त फजर अल्फियान और मुहम्मद रियान अर्दियांतो से भिड़ेंगे।

दूसरी वरीयता प्राप्त चीनी युगल इससे पहले सात्विक-चिराग को दो बार हरा चुका था, लेकिन इस बार दोनों जोड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

पहले गेम में भारतीय जोड़ी की जीत के बाद दूसरे गेम में दोनों पक्षों ने एक के बाद एक अंक अपनी झोली में डाले। मुकाबला 8-8 की बराबरी पर पहुंचते ही चीनी युगल की ओर से थोड़ी अनुशासनहीनता देखने को मिली जिसका फायदा उठाकर सात्विक-चिराग ब्रेक तक तीन पॉइंट की बढ़त लेने में कामयाब रहे।

भारतीय युगल ने जब 14-12 की बढ़त बना ली तब उनके चीनी प्रतिद्वंदियों ने मुकाबले में वापसी का प्रयास किया। लियांग-चैंग इस गलाकाट प्रतियोगिता में 15-17 से पीछे थे जब लियांग ने ज़ोरदार स्मैश मारकर एक अंक अर्जित किया। कुछ देर बाद भारतीय जोड़ी के कमज़ोर शॉट पर लियांग ने एक और स्मैश मारकर स्कोर 18-18 से बराबर कर दिया।

लियांग और चिराग की एक-एक अप्रत्याशित गलती से स्कोर 19-19 पर बराबर हुआ। चिराग ने इस बार स्मैश मारकर मैच पॉइंट हासिल किया, लेकिन सात्विक की खराब सर्विस ने मुकाबले को 20-20 की बराबरी पर ला खड़ा किया।

स्कोर जब 22-22 पर बराबर था तब भारत ने अपना चौथा मैच पॉइंट अर्जित किया। सात्विक के शॉट ने एक बार फिर नेट को छुआ, लेकिन इस बार वह चीनी खेमे में जा गिरा जिससे भारतीय युगल ने फाइनल का टिकट कटाया।

इससे पूर्व, शुरुआती गेम में दोनों पक्षों ने करारे प्रहार किये जिसके अंत में सात्विक-चिराग 11-8 की बढ़त बनाने में सफल रहे।

नेट पर चीनी जोड़ी के खराब खेल के कारण सात्विक-चिराग 14-8 से आगे हो गये। सात्विक ने इसे बाद अपने मज़बूत स्मैश से दो अंक अर्जित किये, जबकि नेट पर लियांग की गलती से भारतीय जोड़ी 17-11 की बढ़त बनाने में सफल रही।

पहला गेम के आखिरी क्षणों में लियांग-चैंग की ओर से थोड़ा अनुशासन देखने को मिला, हालांकि भारतीय युगल 21-15 से गेम जीत गये।

बीसीए को बिहार में रणजी ट्रॉफी समेत 11 मैचो की मेजबानी मिली

पटना। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 2023-24 में बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) को रणजी ट्रॉफी समेत विभिन्न आयु वर्गों के 11 मैचो की मेजबानी की जिम्मेवारी सौंपी है।

बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के मुख्य प्रवक्ता तथा पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता संजीव कुमार मिश्र तथा खगड़िया जिला क्रिकेट एसोसिएशन की अस्थायी समिति के चेयरमैन बाबूलाल शौर्य उर्फ आदित्य कुमार ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि (बीसीसीआई) के नए सत्र 2023-24 की शुरुआत हो गई है। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश कुमार तिवारी की अध्यक्षता वाली बीसीए को बीसीसीआई के द्वारा बिहार में रणजी ट्रॉफी समेत विभिन्न आयु वर्गों के कुल 11 मैचो की मेजबानी की जिम्मेवारी सौंपी गई है,जिस पर बीसीए द्वारा कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। सत्र 2022-2023 में बीसीए द्वारा संपन्न कराए गए सभी मैचो की समीक्षा के बाद बीसीसीआई के मानक के अनुरूप नए सत्र में भी पहले से और बेहतर आयोजन कराने का संकल्प लिया गया है, जिस पर रात दिन कार्य चल रहा है ।

मिश्र ने बताया कि बीसीसीआई द्वारा 2023-24 में बिहार को एलीट ग्रुप के रणजी ट्रॉफी के कुल 04 मैच दिए गए हैं। एलिट ग्रुप में मेजबान बिहार के अलावे मुंबई, केरला, आंध्र प्रदेश जैसी टीमें हैं।

मुंबई की टीम में टेस्ट क्रिकेट खेले हुए 4 खिलाड़ी हैं। मुंबई टीम की ओर से सूर्यकुमार यादव, अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी शॉ एवं शार्दुल ठाकुर जैसे क्रिकेटर शामिल हैं। इसी टीम में कई वनडे और आईपीएल जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट खेले हुए खिलाड़ी शामिल है। इसी तरह केरल की टीम में भारतीय टीम के खिलाड़ी संजू सैमसन जो कि आईपीएल मैच में भी अपना जलवा दिखा चुके हैं।

कोहली का शतक, भारत 352 रन से आगे

पोर्ट ऑफ स्पेन। विराट कोहली (121) के 76वें अंतरराष्ट्रीय शतक और रवींद्र जडेजा (61) एवं रविचंद्रन अश्विन (56) के अर्द्धशतकों की मदद से भारत ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट के की पहली पारी में 438 रन बनाये हैं। वेस्ट इंडीज़ ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने से पहले एक विकेट के नुकसान पर 86 रन बना लिये हैं और वह भारत के 352 रन पीछे है। टेस्ट क्रिकेट में 29वीं बार सैकड़ा जड़ने वाले कोहली ने शुक्रवार को मैच के दूसरे दिन 206 गेंद पर 121 रन बनाये, जिसमें 11 चौके शामिल रहे। कोहली अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक बनाने वाले बल्लेबाजों में सचिन तेंदुलकर (100) से सिर्फ 24 शतक दूर हैं। कोहली (28) विदेशी सरज़मीन पर सर्वाधिक सैकड़े जड़ने के मामले में भी सचिन (29) को पछाड़ने की कगार पर हैं। कोहली अपने 500वें अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज़ भी बन गये।

भारत-बंगलादेश के बीच वनडे सीरीज टाई

ढाका। भारत और बंगलादेश के बीच शनिवार को खेला गया रोमांचक तीसरा महिला एकदिवसीय मुकाबला टाई रहा।

बंगलादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 225 रन बनाये। भारतीय टीम 41 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 191 रन बना चुकी थी, लेकिन निचले क्रम की निराशाजनक बल्लेबाजी के कारण पूरी टीम 49.3 ओवर में 225 रन पर ऑलआउट हो गयी।

बंगलादेश के लिये महिला एकदिवसीय क्रिकेट में पहला शतक जड़ते हुए फर्गना हक़ ने 160 गेंद पर सात चौकों की सहायता से 107 रन बनाये। भारत की ओर से मंधाना और हरलीन ने अर्द्धशतक जड़े, जबकि छह अन्य बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके।

इस टाई के साथ भारत और बंगलादेश के बीच तीन मैचों की महिला एकदिवसीय शृंखला भी 1-1 पर समाप्त हुई। भारत ने इससे पहले टी20 सीरीज 2-1 से जीती थी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और यास्तिका भाटिया के विकेट जल्दी गिरने के बाद मंधाना-हरलीन ने तीसरे विकेट के लिये 107 रन की साझेदारी की। मंधाना ने 85 गेंद पर पांच चौकों की सहायता से 59 रन बनाये, जबकि हरलीन ने 108 गेंद पर 77 रन की पारी खेली।

मंधाना और हरलीन के विकेटों के बीच कप्तान हरमनप्रीत कौर भी आउट हुईं, जिसे लेकर वह खुश नहीं थीं। अंपायर ने हरमनप्रीत (14) को पगबाधा आउट करार दिया, हालांकि गुस्से में लाल हरमनप्रीत ने मैदान से जाते हुए इशारा किया कि गेंद उनके हाथ पर लगी थी। भारत 41 ओवर में 190/4 के स्कोर पर खेलते हुए आसानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रहा था कि तभी 42वें ओवर की दूसरी गेंद पर हरलीन रनआउट हो गयीं। इस ओवर में दीप्ति शर्मा भी रनआउट हुईं और बंगलादेश ने ओवर दर ओवर मुकाबले पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया।

भारत को जब 19 गेंद में 10 रन चाहिये थे तब राबिया खान ने अमनजोत कौर (17 गेंद, 10 रन) को पगबाधा आउट किया।

अगले ओवर में नाहिदा अख्तर ने स्नेह राणआ और देविका वैद्या के विकेट निकालकर भारत को 48 ओवर में 217/9 के स्कोर पर ला खड़ा किया।

अमेरिकी संसद में दिखाई बाइडेन के बेटे की निजी तस्वीरें

रिपब्लिकन पार्टी ने महिलाओं की तस्करी पर घेरा; डेमोक्रेट्स ने की कार्रवाई की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिका की संसद में शुक्रवार को सभी सांसद हैरान रह गए जब रिपब्लिकन पार्टी की एक लीडर ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे की निजी तस्वीरें पूरे सदन के सामने दिखा दी। सांसद का नाम मारजरी टेलर ग्रीन है। वो जॉर्जिया राज्य से अमेरिका के निचले सदन की सदस्य हैं।

सदन में हंटर बाइडेन की निजी तस्वीरें दिखाए जाने के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। हंटर बाइडेन के वकील ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सदन की कमिटी से उनके खिलाफ सख्त एक्शन लेने की मांग की गई है।

मारजरी ने सदन में जो तस्वीरें दिखाई हैं, उसमें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे कथित रूप से प्रोस्टिट्यूट्स के साथ हैं। इन्हें दिखाते

हुए मारजरी ने हंटर बाइडेन पर अमेरिका के मैन एक्ट ऑफ 1910 का उल्लंघन करने के आरोप लगाए हैं। इस एक्ट के तहत कोई भी व्यक्ति अनैतिक काम के लिए किसी महिला की एक जगह से दूसरी जगह नहीं ले जा सकता है।

ग्रीन के सदन में तस्वीरें दिखाने को कई सांसदों ने गलत बताया है। हंटर बाइडेन के वकील एबे लोवेल ने सदन को लेटर लिखा है। इसमें कहा गया है कि मारजरी ने इस तरह की तस्वीरें दिखाकर सदन की गरिमा को चोट पहुंचाई है। साथ ही सदन के नियमों का भी उल्लंघन किया है। लोवेल ने कहा कि इस मुद्दे का सहारा लेकर वो सोशल मीडिया पर अपने लिए फंड जुटाना चाहती हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक सदन में दिखाई गई हंटर बाइडेन की निजी तस्वीरें उन 8,864 तस्वीरों में से हैं जो पुराने लैपटॉप से लीक की गई थीं। ये तस्वीरें बाइडेनलैपटॉपमीडिया.कॉम पर पोस्ट की गई थी। इन तस्वीरों में हंटर बाइडेन ड्रग्स लेते हुए और वेश्याओं के साथ दिखाई दे रहे हैं। ये सभी तस्वीरें 2008 और 2019 के बीच की हैं। इन्हें हवाई, काबो सान लुकास, कोसोवो, चीन, लंदन, पेरिस, रोम और दुनिया भर की अन्य जगहों पर लिया गया है।

चीन में फिर से ब्लू अलर्ट जारी

बीजिंग। चीन के मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यहां फिर से भारी बारिश का अनुमान जताते हुए 'ब्लू अलर्ट ' जारी किया। मौसम विभाग ने बताया कि आज सुबह आठ बजे से रविवार सुबह आठ बजे तक, इनर मंगोलिया, लियाओनिंग, जिलिन, हेइलोंगजियांग, जियांगशी और हुनान के कुछ हिस्सों में भारी बारिश या तूफान आने का अनुमान है। विभाग ने बताया कि इनमें से कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश होने के आसार हैं, जिसमें प्रति घंटे 30 मिमी से 70 मिमी से अधिक बारिश हो सकती है। इसके अलावा, तेज रफ्तार से हवाएं भी चलने के आसार हैं। मौसम अधिकारियों ने स्थानीय सरकारों और निवासियों को उचित सावधानी बरतने की सलाह दी है। इसके अलावा, विद्यालयों और किंडरगार्टन को विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है, जबकि सड़क पर जलभराव और ट्रैफिक जाम के कारण ड्राइवरों को सतर्क और सावधानी से वाहनों को चलाने की सलाह दी गयी है।

यूनान में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है : मौसम वैज्ञानिक

एथेंस। यूरोपीय देश यूनान में इस सप्ताह के आखिर में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने के आसार है। मौसम वैज्ञानिकों ने यह चेतावनी जारी की है। उन्होंने कहा कि इस दौरान लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। इसके मद्देनजर लोगों को घर पर रहने की सलाह दी गई है और एथेंस के प्राचीन एक्रोपोलिस सहित देश के सभी पर्यटक स्थल अगले दो दिनों लिए बंद कर दिया गया है। देश के शीर्ष मौसम वैज्ञानिक का मानना है कि यूनान में इस वर्ष की गर्मी 50 वर्षों का रिकॉर्ड टूट सकता है। इस बीच अग्निशमन कर्मी कई जंगलों में लगी आग को काबू पाने में लगे हुए हैं। आपात स्थिति और नागरिक सुरक्षा अधिकारी ने देश भर में नई आग लगने के बड़े खतरे की चेतावनी दी हैं। पश्चिमी अटिका - एथेंस के ठीक पश्चिम में - दक्षिणी पेलोपोनिस में लैकोनिया और रोड्स द्वीप सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। यूनान के यूरोपीय संघ के साझेदारों फ्रांस और इटली के अग्निशमन विमान और पोलैंड, स्लोवाकिया, रोमानिया और बुल्गारिया के 200 से अधिक अग्निशामक यूनान के जंगलों में लगी आग को बुझाने में सहायता कर रहे हैं। पड़ोसी देश तुर्की ने भी मदद के लिए कुछ विमान भेजे है। यूनान में कई अन्य यूरोपीय देशों की तरह इस महीने की शुरुआत से अत्यधिक गर्मी देखी गई।

अमेरिकी नौसेना में रचेगा इतिहास, प्रमुख के लिए महिला नामित

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पहली बार नौसेना की कमान किसी महिला के हवाले करने का निर्णय करते हुए एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को इस पद के लिए नामित किया है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन ने एडमिरल लिसा फ्रैंचेटी को नौसेना के शीर्ष अधिकारी के रूप में चुना है। यह एक ऐतिहासिक नियुक्ति है जो अमेरिकी नौसेना के इतिहास में इस पद को संभालने वाली पहली महिला और संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ में पहली महिला होगी। लिसा फ्रैंचेटी दक्षिण कोरिया में अमेरिकी छठे बेड़े और अमेरिकी नौसैनिक बलों की पूर्व प्रमुख हैं। उन्होंने विमान वाहक स्ट्राइक कमांडर के रूप में भी काम किया है। बाइडेन की ओर से उनके नामांकन की अभी भी अमेरिकी सीनेट द्वारा पुष्टि की जानी बाकी है। इस बीच एक सांसद वर्तमान में सैन्य गर्भपात नीति का विरोध करने के लिए सीनेट को सैन्य नेताओं की पुष्टि करने से रोक रहा है। यदि नौसेना संचालन प्रमुख के रूप में उनकी पुष्टि हो जाती है तो वह वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के उस विशिष्ट समूह की सदस्य बनने वाली पहली महिला होंगी जो ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ बनते हैं। फ्रैंचेटी (38) ना केवल अनुभवी हैं बल्कि चार-सितारा एडमिरल रैंक हासिल करने वाली केवल दूसरी महिला भी हैं।

इमरान के पूर्व सचिव ने कराये बयान दर्ज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रधान सचिव रहे आजम खान 19 करोड़ पाउंड के अल-कादिर ट्रस्ट मामले में अपने बयान दर्ज कराने के लिए शुक्रवार को राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के सामने पेश हुए। तीन साल से अधिक समय तक खान के साथ करने वाले श्री आजम ने एनएबी रावलपिंडी के कार्यालय में एक संयुक्त जांच दल (जेआईटी) के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। एनएबी के समक्ष आजम की उपस्थिति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गयी, लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की कि वह एक बयान दर्ज कराने आए थे। यह उपस्थिति उनके कथित कबूलनामे के दो दिन बाद हुयी है कि पूर्व प्रधानमंत्री ने अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत द्वारा भेजा गया मूल सिफर दस्तावेज़ अपने पास रख लिया और बार-बार अनुरोध के बावजूद इसे वापस नहीं किया। अल-कादिर ट्रस्ट मामले में पूर्व प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव से रिकॉर्ड पेश करने को कहा गया। एनएबी ने आजम को 20 जुलाई को उसी दिन नोटिस जारी किया था जिस दिन वह 15 जून को लापता होने के 35 दिन बाद घर लौटे थे। उन्हें शुक्रवार सुबह 10 बजे पेश होने के लिए कहा गया था। सूत्र ने कहा कि एनएबी ने उनसे निपटान का पूरा रिकॉर्ड मांगा और लिखित जवाब देने के लिए समय दिया।

6 महीने में 87 हजार भारतीयों ने छोड़ी नागरिकता

सबसे ज्यादा लोग अमेरिका गए; सरकार बोली- प्रवासी भारतीयों से बेहतर संबंध बना रहे

नई दिल्ली। इस साल जून तक भारत से 87 हजार लोग अपनी नागरिकता छोड़ चुके हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद में मानसून सत्र के दौरान ये जानकारी दी। संसद को दिए एक लिखित जवाब में जयशंकर ने कहा- 2011 से लेकर अब तक साढ़े 17 लाख लोग भारतीय नागरिकता छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अमेरिका जाते हैं।

दरअसल, लोकसभा सांसद पी चिंदबरम ने विदेशी मंत्री से सवाल किया था कि पिछले तीन सालों में कितने भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी है? इसके बाद उन्होंने किन देशों की नागरिकता हासिल की और क्या नागरिकता छोड़ने वालों की संख्या 12 सालों में सबसे ज्यादा है?

जयशंकर ने बताया कि पिछले दो दशकों में बड़ी संख्या में भारतीय

ग्लोबल वर्कप्लेस की तलाश करते रहे हैं। इनमें से कई लोगों ने अपनी सुविधा के लिए दूसरे देशों की नागरिकता ली। विदेश मंत्री ने बताया कि 2020 में 85 हजार, 2021 में 1.63 लाख और 2022 में 2.25 लाख भारतीयों ने नागरिकता छोड़ी थी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इस मामले में संज्ञान लिया है और मेक इन इंडिया के तहत कई ऐसे प्रयास किए हैं, जिससे देश में रहते हुए ही नागरिकों की प्रतिभा को निखारा जा सके। सरकार ने स्किल और स्टार्टअप्स को भी बढ़ावा दिया है।

सबसे ज्यादा अमेरिका और फिर ऑस्ट्रेलिया जा रहे भारतीय

इकोनॉमिक टाइम्स ने विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि 2021 में अमेरिका गए 7.88 लाख लोगों ने भारत की नागरिकता छोड़ी। वहीं दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया रहा, जहां 23,533 भारतीयों ने नागरिकता छोड़ दी। इसके बाद तीसरे नंबर पर कनाडा और चौथे पर ब्रिटेन रहा। प्रवासी भारतीयों की सुविधा के लिए भी भारत सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अमेरिका की यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने घोषणा की थी कि HvB वीजा वाले लोगों को अब अपना वर्क वीजा रिन्यू करवाने के लिए कहीं और नहीं जाना पड़ेगा। ये अमेरिका में ही रिन्यू हो जाएंगे। इसके अलावा बेंगलुरु और अहमदाबाद में भी अमेरिकी कॉन्सुलेट ऑफिस खुलने का ऐलान किया गया था।

जयशंकर बोले- प्रवासी भारतीय विदेश में हमारी संपत्ति

जयशंकर ने कहा- विदेश में मौजूद भारतीय समुदाय हमारी संपत्ति है। हम उनसे बेहतर रिश्ते बनाने के लिए लगातार कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने भारतीय प्रवासियों के साथ जुड़ने के लिए कई बदलाव लागू किए हैं।

प्रभावशाली प्रवासी भारतीय हमारे लिए एसेट हैं और हम उनके जरिए देश के विकास के लिए कदम उठाते रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

घोरावल इलाके में जन प्रतिनिधि व प्रशासनिक अमले ने किये पौधरोपण

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण अभियान जिसकी थीम पेड़ लगाओ पेड़ बचाओ है , के तहत वन विभाग की भूमि ग्राम सेमरवार उम्भा चौकी क्षेत्र में विधायक घोरावल डॉश अनिल कुमार मौर्य के प्रतिनिधि सुरेन्द्र मौर्य, उप जिला अधिकारी घोरावल राजेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी घोरावल अमित कुमार तथा फॉरेस्ट रेंजर सुरजू प्रसाद एवं क्षेत्रवासियों तथा पुलिस विभाग, राजस्व विभाग , वन विभाग के अन्य अधिकारियों – कर्मचारियों की उपस्थिति में वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। घोरावल वन विभाग की जद में बागपोखर, घाघर, गुरुवल, पेढ़ और उम्भा की नर्सरी से पौधों को अन्य स्थानों तक रोपित करने की चलती रही श्रृखलां।

पौध रोपण हेतु पौधों की बारात निकाली गयी

सोनभद्र। पूर्व निर्धारित गतिविधियों के साथ तयशुदा विधि विधान से पौध रोपण हेतु पौधों की बारात निकाली गयी। इस बारात में ब्रह्मा, विष्णु, महेश के रूप में बालकों को पीपल, पाकड़ एवं बरगद के साथ रथ पर सवार किया गया था। बारात रामलीला मैदान से आर0 एस0 एम0 स्कूल तक प्रस्थान से समापन तक पहुँची पूरे धूमधाम से पौधों के साथ। इस मौके पर राज्यमंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गोंड, विधायक सदर भूपेश चौबे, नोडल अधिकारी मण्डल आयुक्त मीरजापुर डॉ मुथुकुमार स्वामी बीश, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार, ब्लाक प्रमुख राबर्ट्सगंज अजित रावत व अन्य अधिकारीगण सभी साक्षी बने बारात के। सभी ने पूरे उल्लास व आतुरता किए पौधरोपण विभिन्न प्रजातियों के।

जिले में जोरों पर चली वृक्षारोपण मुहिम, प्रोबेशन अधिकारी ने किए पौधरोपण

सोनभद्र। आम आवाम से लगात सरकारी – गैरसरकारी संस्थानों की होड़ सी लग गई हो पौधरोपण में अग्रणी बनने की। यह प्रतिस्पर्धा जनहित राष्ट्रहित के मद्देनजर पूर्णत: फलीभूत हुई साफल्य के शिखर की ओर। इसी कड़ी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत वन स्टाप सेन्टर लोढी परिसर में जिला प्रोवेशन अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा के उपस्थिति में वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई, जिला प्रोवेशन विभाग, वन स्टाप सेन्टर के स्टाफ पूरे मनोयोग से क्रियाशील रहे पौधरोपण अभियान में जैसे लगा कि समूचा स्टाफ प्राण – प्रण से समर्पित हो।मौजूदगी सभी की अन्त तक बनी रही अभियान आयोजन में।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत हनोमान प्रसाद वर्मा इंटर कॉलेज में किया गया वृक्षारोपण

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

रेहराबाजार/बलरामपुर। जनपद बलरामपुर शिक्षा क्षेत्र रेहरा बाजार अंतर्गत हनोमान प्रसाद इंटर कॉलेज प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया।वृक्षों के विना मानव जीवन सम्भव नही है प्रतेक ब्यक्ति कम से कम पाँच पौधरोपण जरूर करें। केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। उक्त बाते मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रेहराबाजार पंकज सिंह चौहान ने बृक्षारोपण अभियान के तहत रेहराबाजार के हनोमानप्रसाद वर्मा इण्टर कालेज मे आयोजित जागरूकता गोष्ठी मे कही। इसी क्रम मे वन क्षेत्राधिकारी रेहरा बाजार ने ग्राम वन अभियान के तहत ग्राम सभा रेहरा मे मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख पंकज सिंह चौहान के साथ पौधरोपण किया। हनोमान प्रसाद वर्मा इण्टर कालेज रेहराबाजार के प्रबंधक डा0 रजत वर्मा ने बताया कि विद्यालय परिवार व रेंजर रेहरा बाजार राजेश कुमार पाण्डेय के सहयोग से स्कूल में उपस्थित बच्चो को नि:शुल्क पौध वितरण किया गया। प्रबन्धक डॉ0 रजत वर्मा ने बताया कि वन विभाग के अधिकारी द्वारा वितरण किए गए पौधो को बच्चे गाँवो मे रोपित करेंगे। इस अवसर पर प्रबंधक डा0 रजत वर्मा ,किशन वर्मा,आज्ञाराम,उमापाल सिंह,रामदेव,विद्यालय परिवार सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मोदी के कार्यक्रम के आयोजन के लिए पटेल ने की समीक्षा बैठक

राजकोट। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 27 जुलाई के कार्यक्रम के आयोजन के संदर्भ में शनिवार को उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। सरकारी सूत्रों के अनुसार मोदी आगामी 27 जुलाई को राजकोट के दौरे पर आने वाले हैं। प्रधानमंत्री अपनी इस यात्रा के दौरान सौराष्ट्रवासियों को राजकोट के निकट निर्मित अत्याधुनिक ग्रीनफ़ील्ड अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 'हीरासर एयरपोर्ट' की भेंट देंगे। पटेल ने इस कार्यक्रम के आयोजन के संदर्भ में आज राजकोट में उच्च स्तरीय बैठक कर ज़िला प्रशासन, एयरपोर्ट ऑथोरिटी और अन्य विभागों की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने राजकोट में प्रधानमंत्री के करकमलों से विभिन्न विकास कार्यों के होने वाले लोकार्पण, अन्य कार्यक्रमों और जनसभा के आयोजन के विषय में भी इस समीक्षा बैठक में सूक्ष्मतापूर्वक विवरण प्राप्त किया एवं आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी ने राजकोट तथा सौराष्ट्र को एआईआईएमएस तथा इस ग्रीनफ़ील्ड इंटरनेशनल एयरपोर्ट की दो बड़ी सौगातें दी हैं। इतना ही नहीं इस इंटरनेशनल एयरपोर्ट के परिणामस्वरूप राजकोट अब समग्र सौराष्ट्र के लोगों के लिए विश्व के साथ व्यापार-वाणिज्य की नई दिशा खोलने वाला है। ये दो सौगातें देने वाले प्रधानमंत्री के स्वागत-सत्कार के लिए सौराष्ट्र के लोग भारी उत्सुक हैं। इस संदर्भ में उन्होंने सांसदों, विधायकों, पदाधिकारियों तथा संगठन के सभी लोगों को समग्र कार्यक्रम को भव्य सफलता दिलाने के बारे में मार्गदर्शन दिया।

सम्मान से बेहतर कार्य करने की मिलती है प्रेरणा : राज्यपाल हरिचंदन

- छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्टता अलंकरण समारोह और विधायकों का बिदाई समारोह आयोजित
- छत्तीसगढ़ विधानसभा ने विकास के अनेक सोपान गढ़े : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन आज छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा आयोजित ''उत्कृष्टता अलंकरण समारोह'' और पंचम विधानसभा के विधायकों के लिए आयोजित बिदाई समारोह में मुख्य अतिथि बतौर शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उप मुख्यमंत्री श्री टी. एस. सिंहदेव, संसदीय कार्य मंत्री श्री रविन्द्र चौबे, गृह मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम सहित केबिनेट के अन्य मंत्रीगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा में उत्कृष्ट विधायकों एवं उत्कृष्ट संसदीय पत्रकारों को सम्मानित करने की यह परंपरा अत्यंत सराहनीय है। इससे विधायकों एवं मीडियाकर्मियों को बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। इस कार्यक्रम में सत्तापक्ष की विधायक श्रीमती संगीता सिन्हा और प्रतिपक्ष की विधायक श्रीमती रंजना दिपेन्द्र साहू को वर्ष 2022 का उत्कृष्ट विधायक सम्मान और विधायक श्री धर्मजीत सिंह को पंचम विधानसभा के जागरूक विधायक सम्मान से नवाजा गया। प्रिंट मिडिया के राहुल जैन और इलेक्ट्रानिक मीडिया के देवव्रत भगत और कैमरामेन रोहित श्रीवास्तव को उत्कृष्ट संसदीय पत्रकार का सम्मान दिया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरिचंदन ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक मजबूत विधायिका जनहित, विकास और सुशासन का आधार स्तंभ है। निर्वाचित जन प्रतिनिधियों को जनता की सेवा करने का सर्वोत्तम अवसर मिलता है, उन पर राज्य और नागरिकों के हित में काम करने की भी जिम्मेदारी है। इसी प्रकार मीडिया विधायिका, कार्यपालिका और नागरिकों के बीच सेतु का काम करता है। छत्तीसगढ़ में मीडिया ने अपने विभिन्न रूपों के माध्यम से न केवल आम जनता को जागरूक, शिक्षित किया है, बल्कि राज्य के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस अवसर पर पंचम विधानसभा के सदस्यों को बिदाई भी दी गई। राज्यपाल हरिचंदन ने सभी से आग्रह किया कि अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से ऊपर उठकर सदैव जनहित एवं जनकल्याण के लिए कार्य करें। उन्होंने इस बात पर खुशी जाहिर की कि छत्तीसगढ़ विधानसभा की गिनती देश की सर्वश्रेष्ठ विधानसभाओं में होती है। विधानसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जो सामंजस्य और सम्मान का भाव है, वो निश्चित तौर पर प्रशंसनीय है।

राज्यपाल ने छत्तीसगढ़ विधानसभा में आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी की मदद से कामकाज संचालन को अभिनव पहल बताया और कहा कि पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन ,ग्लोबल वार्मिंग जैसे गंभीर मुद्दो पर और ज्यादा कार्य करने की जरूरत है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत सभी से यह अपील कि जनभागीदारी से वर्ष 2025 तक छत्तीसगढ़ से टीबी को खत्म करने के लक्ष्य पर काम करें।

छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनेक स्वस्थ परंपराओं व नियमों को स्थापित किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अपने संबोधन में कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा के विगत पांच साल का कार्यकाल बहुत चुनौती पूर्ण रहा। लेकिन सत्तापक्ष और विपक्ष ने मिलकर छत्तीसगढ़ के विकास के लिए काम किया। इस विधानसभा ने विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए है।

कोविड महामारी के दौरान भी विधानसभा की कार्यवाही कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए जारी रही। विगत 23 वर्ष के कार्यकाल में छत्तीसगढ़ विधानसभा ने अनेक स्वस्थ परंपराओं व नियमों को स्थापित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ विधानसभा ने विकास के अनेक सोपान गढ़े हैं। चाहे पक्ष हो या विपक्ष या अन्य दल के सदस्य हों सभी का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मिलकर काम करना है। सत्ता पक्ष ने विधानसभा में अनेक ऐसे प्रस्ताव लाए जो छत्तीसगढ़ के विकास के लिए मील का पत्थर साबित हुए। विपक्ष के सदस्यों ने भी सत्ता पक्ष की कमजोरियों को उजागर करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि पिछले साढ़े चार सालों में छत्तीसगढ़ विधानसभा में संसदीय मूल्यों को संरक्षित रखते हुए छत्तीसगढ़ की श्रेष्ठता के लिए बेहतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि इस विधानसभा में 18 प्रतिशत महिला विधायक है।

विधानसभा के सभी सदस्यों ने जनसेवा को अपना ध्येय माना और संसदीय दायित्वों को बखूबी पूरा करने में योगदान दिया है। सभी सदस्यों ने संसदीय आचार, व्यवहार और संस्कृति को सीखा और मजबूती प्रदान की। नेता प्रतिपक्ष श्री चंदेल ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। आभार प्रदर्शन संसदीय कार्यमंत्री श्री रविन्द्र चौबे द्वारा किया गया। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियो को स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यपाल को भी विधानसभा द्वारा सम्मानित किया गया। पंडित उमादत्त शर्मा द्वारा संकलित एवं श्री झाबरमल्ल शर्मा द्वारा संपादित ''भारतीय देश भक्तों की कारावास कहानी'' पुस्तक का विमोचन राज्यपाल ने किया।

इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष श्री संतराम नेताम, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक वर्तमान एवं पूर्व विधायक गण, विधायकगण, राज्यपाल के सचिव श्री अमृत खलखो, विधानसभा के सचिव श्री दिनेश शर्मा जनप्रतिनिधिगण एवं आमंत्रित अतिथिगण बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर रिखी क्षत्री के दल द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

मंत्री ने सभी जनपदवासियों से पौधा लगाने अपील की

समाज कल्याण राज्यमंत्री, मण्डलायुक्त, विधायक सदर, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक व मुख्य विकास अधिकारी ने वृक्षारोपण का किया शुभारंभ

सोनभद्र। जिला मुख्यालय पर समाज कल्याण राज्य मंत्री, विधायक सदर, मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी व स्कूल के छात्र-छात्रा व समाज के संभ्रांत लोग बाराती रहे और अभिगुंजित हुआ वायुमंडल भक्ति व देशभक्ति गीतों से।

पीपल, बरगद पाकड़ वृक्ष के सम्मिलित रोपण से हरिशंकरी रोपण हुआ जो परमपुण्य प्रदायी व परोपकारी है। इसके मूल में ब्रह्मा, मध्य में विष्णु तथा अग्र भाग में भगवान शिव का वास होता है। यह उद्गार व्यक्त किये राज्यमंत्री ने। मंत्री ने सभी जनपदवासियों से पौधा लगाने अपील की उद्बोधन में।

जनपद के पुलिस लाईन चुर्क के पास स्थित आयुष वन, ग्राम पकरी के ग्राम्य वन व प्रभागीय वनाधिकारी राबर्ट्सगंज कार्यालय तथा राजा शादरा महेश इण्टर कालेज में किए गए रोपित पौधे राज्य मंत्री, मण्डलायुक्त, विधायक सदर, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिसमें विविध प्रजातियों – उपजातियों के।

वृहद वृक्षारोपण जन अभियान 2023 के अंतर्गत पूरे प्रदेश में 22 जुलाई को 30.00 करोड़ पौधा रोपण एवं 15 अगस्त को 5.00 करोड़ पौधा रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी श्रृंखला में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़, नोडल अधिकारी/मण्डलायुक्त डॉ0 मुथुकुमार स्वामी बी0, विधायक सदर भूपेश चौबे, जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ0 यशवीर सिंह व मुख्य विकास अधिकारी सौरभ गंगवार आदि ने जनपद के विभिन्न स्थानों को चिह्नित कर वृक्षारोपण किया। वृहद वृक्षारोपण अभियान का अपने कर कमलों से पीपल, पाकड़ व बरगद का पौधा रोपकर शुभारंभ किया। मंत्री ने आंवला, बरगद, पीपल, बेल, अशोक के पौधों की पंचवटी वाटिका तथा पीपल, पाकड़, बरगद के पौधों से बनाई गई हरिशंकरी वाटिका भी रोपित किए।

जिले में पौध रोपण अभियान को जन – आन्दोलन अभियान बनाने के निहितार्थ रूपायित हुए डमरू, ढोल, व नगाड़ों के साथ निकली बारात के परिदृश्य से। पौध रोपण रेखांकित करते बारात से पूर्व गणेश, गौरी, ब्रह्मा, विष्णु, महेश की पूजा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शंख बजाकर की गयी।

समाधान दिवस पर अपर पुलिस अधीक्षक ने सुनी जनता की शिकायतें

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। अपर पुलिस अधीक्षक बलरामपुर नम्रिता श्रीवास्तव द्वारा शनिवार को थाना सादुल्ला नगर व थाना रेहरा बाजार में आयोजित थाना समाधान दिवस पर शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना गया तथा राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को टीम बनाकर मौके पर जाकर शिकायतों को गम्भीरता से लेकर शत-प्रतिशत निष्पक्ष निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नम्रिता श्रीवास्तव द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण जल्द से जल्द किया जाना चाहिए तथा जिन प्रार्थना पत्रों का निस्तारण उच्चाधिकारी स्तर से किया जाना है उन पर रिपोर्ट लगाकर सम्बंधित अधिकारी को प्रेषित करें जिससे समय से उचित निस्तारण कराया जा सके।

इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक सादुल्लानगर बृजानंद सिंह व प्रभारी निरीक्षक रेहरा बाजार ओम प्रकाश चौहान तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

राजस्थान, बंगाल, बिहार में महिला अत्याचार पर विपक्ष की चुप्पी क्यों : ठाकुर

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान, पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, दरिंदगी की घटनाओं और इस पर विपक्षी दलों की चुप्पी की भर्त्सना करते हुए शनिवार को कहा कि इन राज्य सरकारें दोषियों पर कार्रवाई की बजाय राजनीतिक रोटियां सेंकने में मशगूल हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज यहाँ पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश के कुछ राज्यों में महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रही आपराधिक घटनाओं को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और मानवता को शर्मसार करने वाली हैं। चूँकि कानून व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी होती है, फिर भी संबंधित राज्यों में महिला उत्पीड़न के खिलाफ कोई उचित कदम नहीं उठाए गए। महिलाओं के साथ हो रहे दुष्कर्म जैसी जघन्य घटनाओं को भी कुछ विपक्षी नेता राजनीतिक चश्मे से देखते हैं। ठाकुर ने कहा कि राजस्थान में नित्य प्राय: जिस प्रकार महिलाओं और बच्चियों के साथ दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म, एसिड अटैक और दिन दहाड़े हत्याओं जैसी घटनाएँ बढ़ रही हैं और उस पर कोई कार्रवाई भी नहीं होती, उससे एक शांतप्रिय राज्य राजस्थान के लोग मर्माहत हैं। पिछले वर्षों वर्षों में महिला अपराध के मामलों में राजस्थान नंबर वन राज्य बन गया है। महिला अपराध की एक लाख 90 हजार घटनाएँ राजस्थान में पिछले चार वर्षों में, वहां की अशोक गहलोत सरकार के शासन काल में घटित हुई हैं। देश की 22 फीसदी महिला दुष्कर्म की घटनाएं अकेले राजस्थान से दर्ज हुई हैं।

शाह ने सीआईएसएफ के विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां महिपालपुर स्थित केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल परिसर के विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। विमान यात्रियों की निरंतर बढती संख्या से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने के लिए एयरपोर्ट सेक्टर ने महिपालपुर परिसर में एक विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र और विमानन सुरक्षा प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की स्थापना की है। सीआईएसएफ ने विमानन सुरक्षा और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य कर अपनी एक अलग पहचान स्थापित की है। इस विमानन सुरक्षा नियंत्रण केंद्र के चार प्रमुख घटक, संचार एवं नियंत्रण केंद्र,घटना प्रबंधन केंद्र,विमानन अनुसंधान केंद्र और डेटा सेंटर हैं।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मवीर प्रजापति ने वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम बढ़ाओ: राज्यमंत्री

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। शनिवार 22 जुलाई से प्रारंभ वृहद वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कारागार एवं होमगार्ड विभाग उत्तर प्रदेश धर्मवीर प्रजापति द्वारा विधि-विधान से पूजा अर्चना करते हुए बहादुरपुर स्थित वीआईपी कंपाउंड में अशोक, बरगद, पाकड़ का वृक्षारोपण कर पर्यावरण का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन को प्रदेश सरकार द्वारा वृक्षारोपण जन अभियान के तहत पूरे प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण मानवता की रक्षा के लिए बहुत जरूरी है वृक्ष लगाकर हम अपने पर्यावरण व परिवेश को स्वच्छ व सुंदर बना सकते हैं। मंत्री ने सभी को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने एवं वातावरण के लिए खतरनाक प्लास्टिक जैसे कई पदार्थों के उपयोग को बंद करने के लिए जागरूक किया।

इस अवसर पर विधायक बलरामपुर सदर पलटूराम, जिला पंचायत अध्यक्षा आरती तिवारी, जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार, मुख्य विकास अधिकारी संजीव कुमार मौर्य, जनप्रतिनिधि व अन्य संबंधित अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

यूपी में एक दिन में 30 करोड़ से अधिक पौधे रोपे गये

शाम पांच बजे तक 30,21,51,570 पौधरोपण कर उत्तर प्रदेश ने रचा कीर्तिमान

लखनऊ। माफिया के प्रति कठोर और बच्चों के लिए नर्म दिल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर्यावरण संरक्षण को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। दुनियाभर में बढ़ते मरुस्थलीकरण के खतरे, पर्यावरण ह्रास और जैव विविधता को पहुंचाई जा रही क्षति को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ बीते छह साल से प्रदेश में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान को शीर्ष प्राथमिकता पर रखे हुए हैं।

मुख्यमंत्री की मंशा को ध्यान में रखते हुए शनिवार को प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण महाभियान 2023 चलाया गया।

इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने छाता मथुरा में जबकि, सीएम

योगी ने बिजनौर और मुजफ्फरनगर में गंगा किनारे पौधरोपण कर इस महाभियान का शुभारंभ किया। वहीं प्रदेश सरकार के सभी मंत्रियों ने भी अलग अलग जिलों में पौधे रोपित किये।

शाम पांच बजे तक प्रदेश में 30,21,51,570 पौधे रोपित किये गये, जोकि सरकार के लक्ष्य 30 करोड़ से 21 लाख से भी अधिक है।

मुख्यमंत्री ने बताया पौधरोपण लोकपर्व

वृक्षारोपण महाभियान 2023 को मिली अप्रत्याशित सफलता के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में पौधरोपण लोकपर्व बताते हुए कहा कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए उत्तर प्रदेश में आज एक दिन में 30 करोड़ से अधिक पौधरोपण का कीर्तिमान बनाया गया है। %माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:% के भाव को आत्मसात कर सभी 18 मंडलों-75 जनपदों में अपूर्व उत्साह-उमंग-उल्लास के साथ जन-जन ने इस पुनीत कार्य में सहभाग किया।

आज का यह प्रयास आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ-समृद्ध-हरित परिवेश प्रदान करने में सहायक होगा। इस अभिनंदनीय योगदान के लिए सभी जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा शासन-प्रशासन सहित समस्त प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई-अभिनंदन।

बीते छह साल में सवा नौ फीसदी बढ़ा है यूपी का हरित क्षेत्र, बाघों की भी बढ़ गई संख्या

लखनऊ। प्रदेश की सत्ता संभालते ही पर्यावरण को लेकर गंभीर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे अधिक जोर प्रदेश की हरितिमा बढ़ाने पर दिया। इसी का नतीजा है कि वृक्षारोपण महाभियान 2023 से पहले ही योगी सरकार 2017-18 से लेकर 2022-23 तक यूपी में कुल 136.98 करोड़ पौधे रोपने का रिकॉर्ड कायम कर चुकी है। इसमें वन विभाग की ओर से जहां 49.88 करोड़ पौधे रोपे जा चुके हैं वहीं अन्य विभागों की ओर से 82.10 करोड़ पौधे बीते वर्ष तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रोपे जा चुके हैं। बीते छह साल की बात करें तो 2017-18 में 5.72 करोड़, 2018-19 में 11.77 करोड़, 2019-20 में 22.60 करोड़, 2020-21 में 25.87 करोड़, 2021-2022 में 30.53 करोड़ और 2022-23 में 35.49 करोड़ पौधे रोपित किये जा चुके हैं। यही कारण है कि भारतीय वन सर्वेक्षण कि रिपोर्ट के अनुसार यूपी में वनाच्छादन एवं वृक्षाच्छादन क्षेत्र में खासा इजाफा हुआ है। जहां वनाच्छादन में कुल 417 वर्ग किलोमीटर (0.18 प्रतिशत) की वृद्धि हुई है वहीं वृक्षाच्छादन में अबतक 377 वर्ग किलोमीटर (0.16 प्रतिशत) की वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। प्रदेश के संपूर्ण हरित क्षेत्र में वृद्धि की बात करें तो 9.23 प्रतिशत की कुल वृद्धि के साथ ही इसमें 794 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि हो चुकी है। बीते छह साल से जारी पौधरोपण महाभियान का ही नतीजा है कि प्रदेश के हरित क्षेत्रफल में ना सिर्फ वृद्धि दर्ज की गई है, बल्कि वृक्षों के समुचित संरक्षण के फलस्वरूप वन्य जीवों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।